किसी भी तरह के विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें मो0: 9891706853

दैनिक
राष्ट्रीय संस्करण
RNI: UPHIN/2021/84200
समाज जागरण
नोएडा उत्तर प्रदेश,दिल्ली एनसीआर, हरियाणा,पंजाब बिहार,मध्य प्रदेश, छतीसगढ, झारखण्ड असम से प्रसारित
वर्ष: 4 अंक: 232 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) सोमवार 01 जून 2026 http://samajjagran.in पृष्ठ - 12 मूल्य 05 रुपया

होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर ईरान-अमेरिका में तनाव बढ़ा, ट्रंप के दावे को ईरान ने बताया निराधार

समाज जागरण

तेहरान/वाशिंगटन। पश्चिम एशिया के अत्यंत संवेदनशील समुद्री मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर ईरान और अमेरिका के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा नौसैनिक प्रतिबंध हटाने और जलमार्ग को खोलने संबंधी दावे के बाद ईरान ने इन दावों को पूरी तरह निराधार बताया है।

मुख्य बिंदु

- ट्रंप ने दावा किया कि ईरान पर लगे नौसैनिक प्रतिबंध हटाए जा रहे हैं।
- ईरान ने इन दावों को पूरी तरह खारिज कर दिया है।
- होर्मुज जलडमरूमध्य में सुरक्षा व्यवस्था पहले की तरह सख्त बनी हुई है।
- क्षेत्र में अमेरिकी नौसेना की गतिविधियां और चेतावनियां जारी हैं।
- वैश्विक तेल आपूर्ति पर इस मार्ग का सीधा प्रभाव पड़ता है।

ईरान का पक्ष

ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तसनीम के अनुसार, ईरानी नौसैनिक अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि होर्मुज जलडमरूमध्य में लागू सभी सुरक्षा प्रतिबंध पूर्ववत जारी हैं। अधिकारियों ने कहा कि किसी भी प्रकार की ढील नहीं दी गई है और क्षेत्र में निगरानी लगातार जारी है।

सैन्य कमान का बयान

ईरान की सैन्य कमान 'खातम अल-अनबिया' ने कहा है कि–

- जलडमरूमध्य से गुजरने वाले सभी वाणिज्यिक जहाजों और तेल टैंकरों को निर्धारित मार्गों का पालन करना होगा।
- इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स की नौसेना से अनुमति लेना अनिवार्य है।
- सुरक्षा नियमों का पालन न करने पर कार्रवाई की जा सकती है।

जहाजों की आवाजाही

फार्स समाचार एजेंसी के अनुसार–

- पिछले 24 घंटों में लगभग 20 जहाजों को मार्ग से गुजरने की अनुमति दी गई।
- यह अनुमति ईरानी नौसेना और आईआरजीसी के समन्वय से दी गई।
- अधिकांश जहाज आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति से जुड़े थे।

ट्रंप का दावा

- ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच पर प्रतिबंध हटाने की बात कही।
- उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य को सभी जहाजों के लिए खोलने की मांग की।
- साथ ही परमाणु कार्यक्रम पर सख्त शर्तें भी रखी गईं।

विशेषज्ञों की राय

विशेषज्ञों का कहना है कि– होर्मुज जलडमरूमध्य विश्व तेल आपूर्ति का सबसे महत्वपूर्ण मार्ग है। यहां किसी भी तनाव का असर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर पड़ सकता है। स्थिति लंबे समय तक बनी रही तो अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रभावित हो सकता है।

ईरान और अमेरिका के बीच बयानबाजी के बाद क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नजरें अब इस रणनीतिक जलमार्ग की स्थिति पर टिकी हुई हैं।

अवैध शराब मामले और पुणे में कर्फ्यू को लेकर आदित्य ठाकरे का सरकार पर हमला, उठाए कानून-व्यवस्था पर सवाल

समाज जागरण

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में अवैध शराब मामले और पुणे में लगाए गए कर्फ्यू को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता आदित्य ठाकरे ने राज्य सरकार की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

आदित्य ठाकरे ने कहा कि पुणे में कर्फ्यू लगाया गया है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि यह कर्फ्यू कानून-व्यवस्था की स्थिति के कारण है, पेट्रोल-डीजल से जुड़ी समस्या के कारण है या फिर सरकार राज्य को संभालने में असमर्थ है।

उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में हालात लगातार बिगड़ रहे हैं और प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर जनता के बीच असमंजस की स्थिति बनी हुई है। उनके अनुसार सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि आखिर किन परिस्थितियों में कर्फ्यू लगाने की आवश्यकता पड़ी।

मुन्ना झिंगड़ा को लेकर फिर चर्चा तेज, कथित साजिश और पुराने मामलों से जुड़ा नाम

समाज जागरण

नई दिल्ली/मुंबई। कथित अंडरवर्ल्ड गतिविधियों से जुड़े मुन्ना झिंगड़ा को लेकर एक बार फिर सुरक्षा एजेंसियों की जांच और मीडिया रिपोर्टों के बाद चर्चा तेज हो गई है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल द्वारा की गई हालिया कार्रवाई के बाद उसके कथित नेटवर्क और पुराने मामलों को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

सूत्रों और पूर्व रिपोर्टों के अनुसार मुन्ना झिंगड़ा का संबंध मुंबई के जोगेश्वरी क्षेत्र से बताया जाता है। विभिन्न रिपोर्टों में उसका नाम अंडरवर्ल्ड से जुड़े मामलों में एक शूटर के रूप में सामने आता रहा है, हालांकि इन दावों को लेकर समय-समय पर विवाद भी रहा है।

वर्ष 2000 में बैंकॉक (थाईलैंड) में एक हमले के बाद उसकी गिरफ्तारी की खबर सामने आई थी। यह मामला भारत में वांछित एक अन्य गैंगस्टर पर हमले से जुड़ा बताया जाता है। इसके बाद उसकी पहचान और नागरिकता को लेकर थाईलैंड की अदालत में लंबी कानूनी प्रक्रिया चली थी।

उस समय की रिपोर्टों में यह भी सामने आया था कि भारत की जांच एजेंसियों ने अदालत में उसके भारतीय नागरिक होने के दस्तावेज, शैक्षिक प्रमाणपत्र तथा डीएनए परीक्षण से जुड़े सबूत प्रस्तुत किए थे। वहीं पाकिस्तान की ओर से भी उससे जुड़े दावे किए गए थे, जिससे यह मामला अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आ गया था।

हाल ही में दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की कार्रवाई के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों से कई संदिग्ध लोगों की गिरफ्तारी की बात सामने आई है। आरोप है कि इनके पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है तथा इनके निशाने पर संवेदनशील स्थान हो सकते थे। हालांकि इस पूरे मामले में मुन्ना झिंगड़ा की भूमिका को लेकर जांच अभी जारी है।

सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार मामला प्रारंभिक जांच के चरण में है और सभी तथ्यों की पुष्टि विस्तृत जांच के बाद ही की जाएगी। एजेंसियां इस नेटवर्क से जुड़े संभावित संपर्कों की भी पड़ताल कर रही हैं।

फिलहाल मुन्ना झिंगड़ा को लेकर सामने आ रहे पुराने और नए दावों के बीच सुरक्षा एजेंसियां पूरी सतर्कता के साथ जांच में जुटी हुई हैं।

विजय चौधरी के बाद अब संजय झा के आवास पहुंचे नीतीश कुमार, जदयू में बड़े बदलाव के संकेत ?

समाज जागरण

पटना। बिहार की राजनीति में जनता दल (यूनाइटेड) के भीतर इन दिनों लगातार हो रही उच्चस्तरीय बैठकों और मुलाकातों ने सियासी हलचल बढ़ा दी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लगातार अपनी पार्टी के शीर्ष और भरोसेमंद नेताओं के साथ वन-टू-वन संवाद कर रहे हैं, जिससे संगठनात्मक स्तर पर बड़े बदलाव की अटकलें तेज हो गई हैं।

इसी क्रम में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम उस समय सामने आया जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अचानक जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा के पटना स्थित आवास पर पहुंच गए। इस मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री का व्यवहार सहज दिखा, लेकिन राजनीतिक हलकों में इसे रणनीतिक बैठक के रूप में देखा जा रहा है।

मुलाकात के बाद नीतीश कुमार ने मीडिया के सामने कहा कि "सब ठीक है, आप मेरे घर साढ़े 10 बजे आइए, आपसे बात करनी है।" उनके इस बयान ने राजनीतिक चचाओं को और अधिक हवा दे दी है। सुबह-सुबह अपने कार्यकारी अध्यक्ष के घर स्वयं पहुंचना और फिर अगली मुलाकात के लिए बुलावा देना, बिहार की राजनीति में कई संकेत देता नजर आ रहा है।

इससे पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य के वरिष्ठ मंत्री और पूर्व उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी से भी अचानक मुलाकात की थी। लगातार दो शीर्ष नेताओं से इस प्रकार की अलग-अलग बैठकों को लेकर राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा तेज है कि मुख्यमंत्री पार्टी के भीतर संगठनात्मक ढांचे या आगामी रणनीति को लेकर कोई बड़ा निर्णय लेने की तैयारी में हैं।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि जदयू में इस समय संजय झा और विजय चौधरी जैसे नेताओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। संजय झा जहां राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी के समन्वय और रणनीतिक मामलों में अहम माने जाते हैं, वहीं विजय चौधरी बिहार सरकार और संगठन के बीच मजबूत कड़ी के रूप में देखे जाते हैं।

इन दोनों नेताओं के साथ लगातार बैक-टू-बैक बैठकों और त्वरित संवाद को देखते हुए यह अनुमान लगाया जा रहा है कि यह केवल औपचारिक मुलाकात नहीं, बल्कि किसी बड़े राजनीतिक एजेंडे की तैयारी का हिस्सा हो सकता है। हालांकि, अभी तक इस संबंध में किसी भी स्तर पर आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

बिहार की राजनीति में इन बैठकों ने एक बार फिर जदयू के भीतर संभावित बदलाव और आगामी रणनीति को लेकर चचाओं को तेज कर दिया है।

राष्ट्रीय स्तर पर सिपाही मन्नू राज ने बढ़ाया बिहार पुलिस का गौरव, ग्रेपलिंग चैंपियनशिप में जीता रजत पदक

समाज जागरण

वैशाली/गुवाहाटी। असम के गुवाहाटी में आयोजित 19वीं राष्ट्रीय ग्रेपलिंग चैंपियनशिप-2026 में बिहार पुलिस के सिपाही मन्नू राज ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल किया है। उनकी इस उपलब्धि से वैशाली जिला बल सहित पूरे बिहार पुलिस बल का मान बढ़ा है।

सिपाही संख्या-193 मन्नू राज ने प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। उनके इस प्रदर्शन को पुलिस विभाग में एक बड़ी उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

पुलिस अधीक्षक ने दी बधाई

वैशाली के पुलिस अधीक्षक ने मन्नू राज को उनकी सफलता पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि न केवल पुलिस बल के लिए गर्व का विषय है, बल्कि यह अन्य पुलिसकर्मियों और युवाओं को खेलों के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी।

विभाग में खुशी का माहौल

सिपाही मन्नू राज की इस सफलता के बाद वैशाली पुलिस परिवार में खुशी का माहौल है। अधिकारियों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास पुलिस बल की सकारात्मक छवि को और मजबूत करते हैं।

सूर्या चौहान हत्याकांड में आरोपी असद के एनकाउंटर पर सपा ने उठाए सवाल, पुलिस कार्रवाई पर विवाद

समाज जागरण

गाजियाबाद। दिल्ली से सटे खोड़ा क्षेत्र में बकरीद के दिन हुए सूर्या चौहान हत्याकांड के मामले में पुलिस की कार्रवाई के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। रविवार, 31 मई को पुलिस ने मुख्य आरोपी असद को मुठभेड़ में मार गिराया। घटना के बाद इलाके में तनाव को देखते हुए उसके घर के बाहर पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

पुलिस कार्रवाई के बाद समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता ने एनकाउंटर को लेकर सवाल खड़े किए हैं। सपा प्रवक्ता अमीक जामेई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि इस मामले में कई पहलुओं की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और सच्चाई सामने आनी चाहिए।

उन्होंने अपने पोस्ट में दावा किया कि सूर्या चौहान और असद एक ही इलाके में रहते थे और दोनों के बीच पुरानी जान-पहचान थी। पोस्ट के अनुसार विवाद की शुरूआत आपसी संबंधों और पारिवारिक मतभेदों से जुड़ी बताई जा रही है, जो बाद में गंभीर रूप ले गया।

सपा प्रवक्ता ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी को पहले पुलिस हिरासत में लिया गया था और बाद में मुठभेड़ में उसकी मौत हो गई। उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

वहीं, पुलिस का कहना है कि सूर्या चौहान की हत्या के मामले में कार्रवाई के दौरान आरोपी ने भागने की कोशिश की, जिसके बाद हुई मुठभेड़ में वह मारा गया। पुलिस ने मामले की जांच जारी होने की बात कही है।

इस घटना को लेकर राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। एक ओर पुलिस कार्रवाई को सही ठहराया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर एनकाउंटर की परिस्थितियों पर सवाल उठाए जा रहे हैं।

24 घंटे में बदला रुख ! लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा पर नेपाल का नया बयान

समाज जागरण

काठमांडू। भारत-नेपाल सीमा विवाद से जुड़े संवेदनशील मुद्दों पर नेपाल ने अपना ताजा रुख स्पष्ट किया है। लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा क्षेत्रों को लेकर दिए गए पिछले बयानों के बाद अब नेपाल सरकार की ओर से कहा गया है कि इन क्षेत्रों का अंतिम और स्पष्ट नक्शा अभी तय किया जाना बाकी है।

नेपाल की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि सीमावर्ती क्षेत्रों को लेकर कई तकनीकी और प्रशासनिक प्रक्रियाएं अभी पूरी नहीं हुई हैं, जिसके चलते अंतिम मानचित्र पर सहमति नहीं बन सकी है।

सीमा विवाद के प्रमुख बिंदु

नेपाल सरकार के अनुसार–

- लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा जैसे क्षेत्रों का अंतिम नक्शा अभी लंबित है।
- कई स्थानों पर दसगजा (सीमा क्षेत्र) में अतिक्रमण से जुड़े मुद्दे मौजूद हैं।
- कुछ इलाकों में सीमा पार भूमि उपयोग को लेकर भी स्थिति स्पष्ट नहीं है।

भारत और नेपाल के बीच इन क्षेत्रों को लेकर लंबे समय से सीमा विवाद चला आ रहा है। दोनों देशों के बीच समय-समय पर इस मुद्दे पर बातचीत और बयानबाजी होती रही है। नेपाल का यह ताजा बयान ऐसे समय आया है जब हाल के दिनों में सीमा से जुड़े मामलों को लेकर राजनीतिक चचाएं तेज थीं।

विशेषज्ञों के अनुसार सीमा से जुड़े इन मुद्दों का समाधान द्विपक्षीय वार्ता और तकनीकी समिति के माध्यम से ही संभव है। दोनों देशों के बीच कूटनीतिक स्तर पर संवाद जारी रहने की संभावना है। नेपाल के इस नए रुख को सीमा विवाद पर एक महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है, हालांकि अंतिम समाधान अभी भी दोनों देशों के बीच बातचीत पर निर्भर करेगा।

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने पंजाब सरकार पर साधा निशाना, विकास और कानून-व्यवस्था को लेकर उठाए सवाल

समाज जागरण

कपूरथला। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कपूरथला स्थित माता भद्रकाली मंदिर में दर्शन के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए पंजाब सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार ने जनता से जो वादे किए थे, उन्हें पूरा करने में वह असफल रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि चुनाव के समय किए गए वादों में से कितने वादे धरातल पर पूरे किए गए हैं। उन्होंने दावा किया कि हरियाणा में डबल इंजन सरकार के माध्यम से कई जनकल्याणकारी योजनाएं प्रभावी रूप से लागू की गई हैं।

मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि केंद्र सरकार की आयुष्मान भारत योजना के साथ चिरायु योजना को जोड़कर हरियाणा में नागरिकों को व्यापक स्वास्थ्य लाभ उपलब्ध कराया गया है। उनके अनुसार इन योजनाओं से आम जनता को बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल रही है।

मुख्यमंत्री ने पंजाब की कानून व्यवस्था को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य में गैंगस्टरवाद बढ़ा है और विकास कार्यों की गति अपेक्षित स्तर पर नहीं है।

सक्रिय पुलिसिंग के तहत बिहार पुलिस की बड़ी कार्रवाई, अवैध हथियार के साथ दो अभियुक्त गिरफ्तार

समाज जागरण

बांका। सक्रिय पुलिसिंग अभियान के तहत बिहार पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। बांका जिले के बौंसी थाना क्षेत्र में पुलिस ने अपराध की योजना बना रहे दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से अवैध आग्नेयास्त्र, कारतूस, मोबाइल फोन सहित चोरी का सामान और नकदी बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार तलाशी के दौरान एक देशी पिस्तौल, .315 बोर की चार जिंदा गोलियां और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए। इसके साथ ही पूछताछ के आधार पर चोरी से जुड़े सोने-चांदी के आभूषण, अन्य सामान तथा 35,700 रुपये नकद भी बरामद किए गए।

बाल हैं कल का उजियारा

नन्हे हाथों में है शक्ति,
नन्ही आँखों में सपने हैं,
इनके हँसने से महके जग,
ये धरती के अपने हैं।

बाल मन को भय से दूर रखो,
प्यार और सम्मान मिले,
शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा का,
हर बच्चे को अधिकार मिले।

न हो कोई शोषण इनका,
न छिने बचपन की मुस्कान,
खेल-कूद और ज्ञान के संग,
बढ़े निरंतर इनकी शान।

बच्चे हैं भविष्य की धड़कन,
राष्ट्र की सच्ची पहचान,
इनकी रक्षा, इनका पोषण,
हम सबका है प्रथम अभियान।

आओ मिलकर शपथ ये लें,
हर बालक का मान करें,
अंतर्राष्ट्रीय बाल रक्षा दिवस पर,
उनके उज्ज्वल कल का निर्माण करें।

बचपन सुरक्षित, खुशहाल रहे,
यही हमारा संकल्प महान,
हर बच्चे के चेहरे पर चमके,
आशा, खुशियाँ और सम्मान।

आ अब लौट चलें।

वैश्विक अस्थिरता के दौर में व्यथित भारतीय प्रतिभाओं की विदेशों से घर वापसी का दौर।

कभी भारत से विदेश जाना सफलता का पर्याय माना जाता था। इंजीनियर, डॉक्टर, वैज्ञानिक, शोधकर्ता और तकनीकी विशेषज्ञ अपने सपनों को साकार करने के लिए अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और यूरोप की ओर निकल पड़ते थे। बेहतर वेतन, आधुनिक जीवनशैली, अनुसंधान के अवसर और सामाजिक सुरक्षा ने लाखों भारतीय युवाओं को आकर्षित किया। लेकिन आज विश्व की बदलती परिस्थितियां एक नया प्रश्न खड़ा कर रही हैं,क्या अब वह समय आ गया है जब विदेशों में बसे भारतीय पेशेवर "आ अब लौट चलें की व्यथा तथा कथा की पीड़ा से पीड़ित है? वैश्विक युद्ध के चलते अब भारतीय प्रवासी पैसे वालों की जान को खतरा मंडराने लगा और विदेशी शासको के पराई पान के व्यवहार से परेशान होकर वापस घर लौटने की मानसिकता बन चुके हैं।

विश्व पिछले कुछ वर्षों से युद्ध, आर्थिक अस्थिरता, बढ़ती महंगाई, सांस्कृतिक तनाव और कठोर होती आव्रजन नीतियों के दौर से गुजर रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध, मध्य-पूर्व में बढ़ते संघर्ष, अमेरिका और चीन के बीच आर्थिक प्रतिस्पर्धा तथा पश्चिमी देशों में बढ़ती राष्ट्रवादी राजनीति ने विदेशी नागरिकों के भविष्य को अनिश्चित बना दिया है। विशेष रूप से भारतीय पेशेवरों के सामने वीजा, स्थायी निवास और रोजगार सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियां लगातार बढ़ रही हैं। अनेक देशों में स्थानीय रोजगार को प्राथमिकता देने की मांग तेज हुई है, जिसके कारण प्रवासी समुदाय स्वयं को असुरक्षित महसूस करने लगा है। हाल के वर्षों में अमेरिका की एच-1बी वीजा नीतियों में बदलाव और बढ़ती अनिश्चितताओं ने हजारों भारतीय तकनीकी विशेषज्ञों को भविष्य के प्रति चिंतित किया है।

भारतीय मूल के लाखों पेशेवर विदेशों में रहते हैं। विभिन्न अध्ययनों के अनुसार विश्वभर में लगभग 3.5 करोड़ भारतीय मूल के लोग निवास करते हैं, जो दुनिया का सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय माना जाता है। इनमें बड़ी संख्या डॉक्टरों, इंजीनियरों, आईटी विशेषज्ञों, वित्तीय सलाहकारों और शोधकताओं की है। केवल भारतीय छात्रों की बात करें तो वर्ष 2024 तक 13 लाख से अधिक भारतीय छात्र विदेशों में अध्ययन कर रहे थे। विदेशों में रहने वाले भारतीयों की चमकदार तस्वीर अक्सर दिखाई जाती है, किंतु उसके पीछे छिपी मानसिक और सामाजिक पीड़ा कम चर्चा में आती है। आर्थिक सफलता के बावजूद सांस्कृतिक अकेलापन, परिवार से दूरी, बुजुर्ग माता-पिता की चिंता, बच्चों की पहचान का संकट तथा नस्लीय भेदभाव के अनुभव अनेक प्रवासी भारतीयों को भीतर से विचलित करते हैं। पश्चिमी देशों में जीवन की बढ़ती लागत ने भी स्थिति कठिन बना दी है। ऊंचे किराए, महंगी स्वास्थ्य सेवाएं, बच्चों की शिक्षा का खर्च और नौकरी की असुरक्षा ने उस आकर्षण को कमजोर किया है जो कभी विदेशों को अवसरों की स्वर्णभूमि बनाता था। अनेक भारतीय पेशेवर स्वीकार करते हैं कि आर्थिक समृद्धि के बावजूद भावनात्मक संतोष की कमी उन्हें लगातार परेशान करती रहती है।

भारत के प्रमुख अर्थशास्त्रियों ने भी इस विषय पर महत्वपूर्ण दृष्टिकोण प्रस्तुत किए हैं। भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने भारतीय प्रवासी समुदाय को "ब्रेन ड्रेन" नहीं बल्कि "ब्रेन बैंक" बताया है। उनका मानना है कि प्रतिभाएं जहां अवसर मिलते हैं वहां जाती हैं, किंतु वे अनुभव, पूंजी, तकनीक और वैश्विक दृष्टि के रूप में अपने देश को भी समृद्ध करती हैं। यह विचार आज और अधिक प्रासंगिक है क्योंकि बड़ी संख्या में भारतीय पेशेवर अब विदेशों से लौटकर भारत में स्टार्टअप, अनुसंधान और तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में योगदान दे रहे हैं।

भारत में भी परिस्थितियां तेजी से बदली हैं। डिजिटल अर्थव्यवस्था, स्टार्टअप संस्कृति, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, रक्षा उत्पादन, अंतरिक्ष अनुसंधान और वैश्विक क्षमता केंद्रों के विस्तार ने रोजगार के नए अवसर पैदा किए हैं। दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था होने के कारण भारत अब केवल प्रतिभा निर्यातक देश नहीं रह गया है, बल्कि प्रतिभाओं को आकर्षित करने वाला देश भी बनने लगा है। कई भर्ती एजेंसियों ने बताया है कि विदेशों में कार्यरत अनुभवी भारतीय पेशेवरों की वापसी की प्रवृत्ति पिछले वर्षों की तुलना में बढ़ी है। यह भी सच है कि भारत को अभी बहुत कार्य करना बाकी है। अनुसंधान एवं विकास पर खर्च, शहरी अवसंरचना, प्रशासनिक पारदर्शिता, स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने की आवश्यकता है। कई विशेषज्ञों का मानना है कि जब तक भारत वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार के लिए विश्वस्तरीय वातावरण नहीं बनाएगा, तब तक प्रतिभा पलायन पूरी तरह नहीं रुकेगा। परिस्थितियों का संकेत स्पष्ट है कि दुनिया का भू-राजनीतिक वातावरण तेजी से बदल रहा है। विदेशी धरती पर बसे भारतीय पेशेवर अब केवल अधिक वेतन नहीं, बल्कि जीवन की स्थिरता, सामाजिक अपनत्व और भावनात्मक सुरक्षा को भी महत्व देने लगे हैं। वे महसूस कर रहे हैं कि अपने देश में संघर्ष करना पराए देश में असुरक्षा के साथ जीने से कहीं अधिक संतोषजनक हो सकता है। माता-पिता की वृद्ध आंखें, अपनी भाषा की मिठास, अपने त्योहारों की खुशबू और अपनी मिट्टी का अपनापन किसी भी मुद्रा में नहीं खरीदा जा सकता।

आज भारत उन लाखों प्रतिभाशाली प्रवासी भारतीयों को पुकार रहा है जिन्होंने अपनी मेहनत से विश्व के बड़े संस्थानों को ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। यदि वही ज्ञान, अनुभव और नवाचार भारत की धरती पर लगे तो विकास की नई इबारत लिखी जा सकती है। यह केवल भावनात्मक आह्वान नहीं बल्कि राष्ट्रीय आवश्यकता भी है। वैश्विक अनिश्चितताओं के इस दौर में अनेक भारतीय पेशेवरों के मन में एक ही स्वर गूंज रहा है,विदेशों की चमक बहुत देख ली, अब अपने देश की धड़कनों को महसूस करने का समय है। सचमुच, यह समय कह रहा है,"आ अब लौट चलें।

संजीव ठाकुर,वरिष्ठ पत्रकार, लेखक, चिंतक, स्तंभकार, रायपुर छत्तीसगढ़, 9009 415 415,

एक साथ हो चुनाव...!

हर मौसम में शोर यहाँ, बस चुनाव का ही रहता है,
जनता का हर छोटा सपना, बीच 'राह' में ढहता है।
लोकसभा की हलचल, कहीं विधानसभा की बारी,
नगर निगम और पंचायत में, 'फिर' से वही तैयारी।

धन का भारी व्यय हैं होता, समय बहुत खो जाता,
आचार संहिता लगते ही, 'विकास' थम-सा जाता।
यहाँ कर्मचारी भी उलझे हैं रहते, चुनावी कामों में,
जनसेवा के कई काम जरूरी, अटकते है राहों में।

यदि सरकारें हर पल केवल, सत्ता का डर पालेंगी,
तो जनहित की योजनाएँ, कैसे आगे बढ़ पाएंगी?
1967 तक तो साथ हुए थे, चुनावों के 'पर्व' यहाँ,
क्यों? बिखराव हुआ है, सोचें मिलकर 'हम' जहाँ।

एक देश में एक चुनाव, अब 'चर्चा' का विषय बने,
राजनीति से ऊपर उठके, जनहित के निर्णय बने।
मतदाता की एक हो सूची, सरल व्यवस्थाएँ आए,
यूं बार-बार के इस खर्चे से, देश भी उबरता जाए।

लोकतंत्र की गरिमा रखकर, ऐसा कदम उठाना है,
जनता के विश्वास तले, भारत को नया बनाना है।
लोकतंत्र के 'उजियारे' को चहूँओर हमें फैलाना हैं,
सभी राजनैतिक दलों को इसमें 'योगदान' देना हैं।

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)
इन्दौर-452011 (मध्य प्रदेश)

बाल संरक्षण की आवश्यकता और वैश्विक प्रयास

महेन्द्र तिवारी

अंतर्राष्ट्रीय बाल रक्षा दिवस प्रत्येक वर्ष 1 जून को विश्वभर में मनाया जाता है। यह दिवस बच्चों की सुरक्षा, अधिकारों, शिक्षा, स्वास्थ्य और सम्मानजनक जीवन के प्रति समाज को जागरूक करने के उद्देश्य से समर्पित है। किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसके बच्चे होते हैं क्योंकि वही भविष्य के नागरिक, वैज्ञानिक, शिक्षक, कलाकार और नीति निमार्ता बनते हैं। यदि बच्चों को सुरक्षित, शिक्षित और स्वस्थ वातावरण प्राप्त हो तो राष्ट्र का भविष्य उज्ज्वल बनता है, लेकिन यदि वे शोषण, हिंसा, गरीबी और उपेक्षा का सामना करते हैं तो समाज का विकास भी प्रभावित होता है। इसी कारण बाल सुरक्षा केवल सामाजिक विषय नहीं बल्कि मानवीय और नैतिक दायित्व भी है।

अंतर्राष्ट्रीय बाल रक्षा दिवस का इतिहास 20वीं शताब्दी के प्रारंभिक दशकों से जुड़ा हुआ है। 1925 में स्विट्जरलैंड के जिनेवा में बच्चों के कल्याण पर एक महत्वपूर्ण सम्मेलन आयोजित किया गया था जिसमें बच्चों की सुरक्षा और अधिकारों पर विशेष चर्चा हुई। बाद में 1949 में मास्को में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महिला लोकतांत्रिक संघ की बैठक में यह निर्णय लिया गया कि बच्चों के संरक्षण और अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए एक विशेष दिवस मनाया जाना चाहिए। इसके बाद 1 जून 1950 को पहली बार अंतर्राष्ट्रीय बाल रक्षा दिवस मनाया गया। उस समय द्वितीय विश्वयुद्ध के कारण लाखों बच्चे अनाथ, विस्थापित और निर्धन हो चुके थे। युद्ध ने बच्चों के जीवन पर गहरा प्रभाव डाला था और उनकी सुरक्षा के लिए वैश्विक प्रयासों की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। यही कारण था कि इस दिवस को मानवीय संवेदना और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग का प्रतीक माना गया।

समय के साथ इस दिवस का महत्व लगातार बढ़ता गया। संयुक्त राष्ट्र ने भी बच्चों के अधिकारों को वैश्विक स्तर पर महत्व दिया। 1954 में विश्व बाल दिवस की स्थापना की गई और 20 नवंबर 1959 को बाल अधिकारों की घोषणा स्वीकार की गई। इसके बाद 1989 में बाल अधिकारों पर सम्मेलन को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अपनाया। इस सम्मेलन में बच्चों के शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, अभिव्यक्ति और विकास के अधिकारों को स्पष्ट रूप से मान्यता दी गई। आज विश्व के अधिकांश देश बाल अधिकारों को कानूनी संरक्षण प्रदान करते हैं, फिर भी अनेक क्षेत्रों में बच्चों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

बाल संरक्षण का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष शिक्षा है। शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम नहीं बल्कि आत्मविश्वास, विवेक और व्यक्तित्व निर्माण का आधार है। एक शिक्षित बच्चा अपने अधिकारों को समझता है और समाज में सकारात्मक भूमिका निभाने में सक्षम बनता है। फिर भी आज विश्व में करोड़ों बच्चे विद्यालय से दूर हैं। गरीबी, युद्ध, सामाजिक असमानता और बाल श्रम इसके प्रमुख कारण हैं। अनेक बच्चे आर्थिक मजबूरी के कारण छोटी आयु में काम करने लगते हैं जिससे उनका बचपन छिन जाता है। बाल श्रम बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास को प्रभावित करता है तथा उन्हें शोषण के चक्र में फँसा देता है। इसलिए सरकारों और सामाजिक संगठनों का यह दायित्व है कि वे प्रत्येक बच्चे तक शिक्षा पहुँचाएँ और बाल श्रम को समाप्त करने के लिए कठोर कदम उठाएँ।

बाल विवाह भी बाल अधिकारों के लिए एक गंभीर चुनौती है। अनेक समाजों में

आज भी कम आयु में बच्चों विशेषकर बालिकाओं का विवाह कर दिया जाता है। इससे उनकी शिक्षा बाधित होती है और स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। कम आयु में मातृत्व अनेक स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म देता है। साथ ही बाल विवाह लड़कियों की स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता को भी सीमित कर देता है। इस समस्या के समाधान के लिए कानूनी प्रतिबंधों के साथ सामाजिक जागरूकता भी आवश्यक है। जब तक समाज अपनी सोच में परिवर्तन नहीं लाएगा तब तक केवल कानून पर्याप्त सिद्ध नहीं होंगे।

वर्तमान समय में बच्चों के सामने नई चुनौतियाँ भी उभर रही हैं। तकनीकी विकास ने जहाँ ज्ञान और संचार के नए अवसर दिए हैं वहीं अनेक जोखिम भी उत्पन्न किए हैं। इंटरनेट और सामाजिक माध्यमों के माध्यम से बच्चों का आभासी शोषण, साइबर धमकी और अनुपयुक्त सामग्री तक पहुँच बढ़ी है। अनेक बच्चे मानसिक तनाव और अकेलेपन का अनुभव कर रहे हैं। इसलिए अभिभावकों और शिक्षकों की भूमिका पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। बच्चों के साथ संवाद बनाए रखना, उनकी भावनाओं को समझना और सुरक्षित डिजिटल वातावरण प्रदान करना आज की आवश्यकता है। केवल तकनीकी नियंत्रण पर्याप्त नहीं है बल्कि बच्चों को सही और गलत के बीच अंतर समझाने की भी आवश्यकता है।

बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य का प्रश्न भी अत्यंत महत्वपूर्ण बन चुका है। प्रतियोगिता, पारिवारिक तनाव, सामाजिक दबाव और अकेलापन बच्चों के मन पर गहरा प्रभाव डालते हैं। यदि किसी बच्चे को प्रेम, सहयोग और समझ नहीं मिलती तो वह अवसाद और भय का शिकार हो सकता है। स्वस्थ मानसिक विकास के लिए बच्चों को ऐसा वातावरण चाहिए जहाँ वे अपनी भावनाओं को स्वतंत्र रूप से व्यक्त कर सकें। परिवार और विद्यालय को बच्चों के लिए केवल अनुशासन का केंद्र नहीं बल्कि विश्वास और सुरक्षा का स्थान बनना चाहिए। एक संवेदनशील समाज ही स्वस्थ और आत्मविश्वासी पीढ़ी का निर्माण कर सकता है।

वैश्विक स्तर पर युद्ध और प्राकृतिक आपदाएँ बच्चों के जीवन को सबसे अधिक प्रभावित करती हैं। युद्धग्रस्त क्षेत्रों में लाखों बच्चे विद्यालयों से वंचित हो जाते हैं और अनेक बच्चों को विस्थापन का सामना करना पड़ता है। कुछ क्षेत्रों में बच्चों को सैनिक गतिविधियों में भी शामिल किया जाता है जो मानवता के लिए अत्यंत दुखद स्थिति है। प्राकृतिक आपदाएँ और महामारियाँ भी बच्चों की सुरक्षा और स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डालती हैं। ऐसे समय में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और मानवीय सहायता अत्यंत आवश्यक हो जाती है। संयुक्त राष्ट्र और विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएँ राहत कार्यों, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से बच्चों की सहायता करने का प्रयास करती हैं।

समाज में बाल सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका महत्वपूर्ण है। शिक्षक बच्चों को सही दिशा दे सकते हैं, अभिभावक उन्हें प्रेम और सुरक्षा प्रदान कर सकते हैं तथा सामाजिक संगठन जागरूकता फैलाकर सहायता पहुँचा सकते हैं। विद्यालयों में बाल अधिकारों पर चर्चा, सांस्कृतिक कार्यक्रम, निबंध प्रतियोगिताएँ और जागरूकता अभियान आयोजित किए जाते हैं ताकि बच्चे अपने अधिकारों को समझ सकें। मीडिया भी बाल सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। यदि समाज का प्रत्येक वर्ग इस दिशा में सक्रिय हो जाए तो बच्चों के जीवन में बड़ा परिवर्तन संभव है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि बाल संरक्षण को केवल सरकारी योजना न माना जाए बल्कि सामाजिक आंदोलन का रूप दिया जाए। प्रत्येक बच्चे को भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा का अधिकार मिलना चाहिए। किसी भी बच्चे को हिंसा, शोषण और उपेक्षा का सामना न करना पड़े, यह सुनिश्चित करना पूरे समाज का दायित्व है। बच्चों के सपनों की रक्षा करना ही भविष्य की रक्षा करना है। यदि हम आज बच्चों को सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन देंगे तो आने वाला समाज अधिक शांतिपूर्ण, न्यायपूर्ण और मानवीय होगा।

अंतर्राष्ट्रीय बाल रक्षा दिवस हमें यह संदेश देता है कि बच्चों की सुरक्षा केवल एक दिन का विषय नहीं बल्कि निरंतर चलने वाला प्रयास है। यह दिवस हमें आत्मचिंतन करने और अपने दायित्वों को समझने की प्रेरणा देता है। प्रत्येक बच्चे में अपार संभावनाएँ छिपी होती हैं और उन संभावनाओं को विकसित करने के लिए प्रेम, शिक्षा और सुरक्षा आवश्यक है। जब समाज बच्चों के अधिकारों का सम्मान करना सीख जाएगा तब वास्तविक प्रगति संभव होगी। यही इस दिवस की सबसे बड़ी सार्थकता है और यही वह संदेश है जिसे पूरी मानवता को अपनाना चाहिए।

गर्मी में प्यास, बारिश में सैलाब: विकास के मॉडल पर बड़ा सवाल

21वीं सदी का भारत एक कड़वी विडंबना के दौर से गुजर रहा है। एक ओर देश अंतरिक्ष में नई ऊंचाइयां छू रहा है, तो दूसरी ओर करोड़ों लोग पानी की एक-एक बूंद के लिए जूझ रहे हैं। वर्ष 2026 की भीषण गर्मी ने विकास की चमक के पीछे छिपी हकीकत उजागर कर दी है। कई क्षेत्रों में तापमान 48 डिग्री सेल्सियस पार कर चुका है। बाड़मेर जैसे इलाकों में गांव एक हैंडपंप के सहारे हैं, महिलाएं मीलों दूर से पानी ला रही हैं और शहरों में दूषित जलापूर्ति को लेकर आक्रोश है। लेकिन कुछ ही सप्ताह बाद मानसून आते ही यही देश जल संकट से निकलकर जल प्रलय में घिर जाता है। सड़कें नदियां बन जाती हैं और जनजीवन थम जाता है। आखिर यह कैसा विकास है, जहां गर्मी में प्यास और बारिश में सैलाब नियति बन चुके हैं?

यह संकट प्रकृति नहीं, बल्कि विकास और जल प्रबंधन की उपेक्षा का परिणाम है। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार अप्रैल 2026 में देश के 166 प्रमुख जलाशयों में जल भंडारण क्षमता का लगभग 39 प्रतिशत ही बचा था, जो मई में और घट गया। कई बड़े जलाशय आधी क्षमता से नीचे पहुंच गए। पिछले वर्षों में वर्षा के असमान वितरण, बढ़ती गर्मी और कमजोर जल प्रबंधन ने संकट को गहरा किया है। वहीं 2026 में एल-नीनो के प्रभाव से सामान्य से कम मानसून की आशंका है। दूसरी ओर भूजल का बेलगाम दोहन हालात और बिगाड़ रहा है। दिल्ली, बेंगलुरु और चेन्नई जैसे शहर जल संकट के साथ भूमि धंसाव जैसे खतरों का भी सामना कर रहे हैं। स्पष्ट है, यह केवल आज की नहीं, भविष्य की भी गंभीर चुनौती है।

इस संकट की जड़ अंधाधुंध शहरीकरण है, जिसने प्रकृति और पानी का संतुलन तोड़ दिया है। कभी तालाब, झीलें और आर्द्रभूमियां वर्षा जल संजोती थीं, लेकिन आज उनकी जगह कंक्रीट के जंगल उग आए हैं। नतीजा यह है कि बारिश का पानी जमीन में उतरने के बजाय सड़कों और नालों में बह जाता है, जबकि गर्मियों में भूजल खाली पड़ जाता है। मानो हम बरसात में पानी को ठुकराते हैं और फिर गर्मी में उसकी तलाश में भटकते हैं। दुर्भाग्य से विकास की परिभाषा ऊंची इमारतों और चौड़ी सड़कों तक सिमट गई है, जबकि जल संरक्षण हाशिये पर है। यही सोच आज जल संकट और जलभराव–दोनों की सबसे बड़ी वजह है।

भारत में जल संकट का कारण केवल पानी की कमी नहीं, बल्कि उसके उपयोग और प्रबंधन की खामियां भी हैं। कृषि और शहर मिलकर देश के 80 प्रतिशत से अधिक भूजल का दोहन कर रहे हैं, फिर भी जल व्यवस्था चरमराई हुई है। शहरों में लाखों लीटर पानी पाइपलाइन लीकेज में बह जाता है, जबकि कई बस्तियां बूंद-बूंद को तरसती हैं। दूसरी ओर सीमित जल वाले क्षेत्रों में भी अत्यधिक पानी मांगने वाली फसलें उगाई जा रही हैं। नतीजा यह है कि गर्मियों में जलाशय सूख जाते हैं और बरसात में वही पानी अनियंत्रित होकर तबाही मचाता है। स्पष्ट है, यह संकट संसाधनों के अभाव से अधिक गलत प्रबंधन और विकृत प्राथमिकताओं का परिणाम है।

गर्मी की प्यास और बारिश की तबाही का सबसे भारी बोझ समाज के कमजोर वर्गों पर पड़ रहा है। गांवों में पेयजल संकट स्वास्थ्य, खेती और पशुधन–तीनों पर चोट कर रहा है। सूखती फसलें किसानों की आय घटा रही हैं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को कमजोर बना रही हैं। वहीं शहरों में जलभराव और बाढ़ यातायात, कारोबार और जनजीवन को ठप कर देते हैं, साथ ही बीमारियों का खतरा बढ़ा देते हैं। गरीब परिवारों के घर डूबते हैं, रोजगार प्रभावित होता है और जीवन स्तर गिरता है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जल संकट और जल प्रलय की सबसे बड़ी कीमत वही लोग चुका रहे हैं, जिनकी इन समस्याओं को पैदा करने में सबसे कम भूमिका है।

यह संकट अब केवल पर्यावरण या समाज तक सीमित नहीं रहा, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता की चुनौती बन चुका है। पानी सीधे खाद्य सुरक्षा, कृषि, उद्योग, जनस्वास्थ्य और सामाजिक संतुलन से जुड़ा है। यदि जल स्रोत लगातार कमजोर होते रहे, तो भविष्य में जल विवाद बढ़ेंगे, कृषि उत्पादन घटेगा और शहरों की जीवन क्षमता पर भी संकट गहराएगा। जो राष्ट्र अपने नागरिकों के लिए पानी जैसी मूलभूत आवश्यकता सुनिश्चित नहीं कर सकता, उसका विकास भी लंबे समय तक टिक नहीं सकता। इसलिए पानी को महज एक संसाधन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण और विकास की आधारशिला मानने का समय आ गया है।

राह मुश्किल जरूर है, लेकिन समाधान सामने हैं। जरूरत केवल दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति और जनभागीदारी की है। हर शहर और गांव में वर्षा जल संचयन अनिवार्य बनाना होगा, जबकि तालाबों, झीलों और पारंपरिक जलस्रोतों को पुनर्जीवित करना होगा। शहरी विकास ऐसा हो कि वर्षा जल जमीन में समा सके और स्मार्ट ड्रेनेज व्यवस्था भूजल का आधार बने। कृषि में ड्रिप सिंचाई, सूक्ष्म सिंचाई और क्षेत्रानुकूल फसल चक्र को बढ़ावा देना होगा। साथ ही जल वितरण व्यवस्था दुरुस्त कर पाइपलाइन लीकेज पर अंकुश लगाना होगा और लोगों को जल संरक्षण का भागीदार बनाना होगा। बदलाव घोषणाओं से नहीं, बल्कि ईमानदार और सख्त क्रियान्वयन से आएगा।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक रमन कुमार झा द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस बी-42 सेक्टर 07 नोएडा से मुद्रित कराकर नियर दुर्गा पब्लिक स्कूल श्याम लाल कॉलोनी बरौला सेक्टर 49 नोएडा 201304, गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
संपर्क 9891706853, संपादक- रमन कुमार झा, समस्त विवादों का निपटारा गौतमबुद्धनगर न्यायालय मे होगा। Website: https://samajjagran.in/ Email: vatankiawaz@gmail.com UPHIN/2021/84200

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर गौतमबुद्धनगर में व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन

समाज जागरण/संदीप गर्ग

गौतमबुद्धनगर। विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर जनपद गौतमबुद्धनगर में राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य विशेष रूप से युवा वर्ग को तम्बाकू एवं निकोटीन उत्पादों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा तम्बाकू मुक्त समाज के निर्माण हेतु प्रेरित करना रहा।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नरेन्द्र कुमार ने बताया कि इस वर्ष विश्व तम्बाकू निषेध दिवस की थीम "Unmasking the Appeal: Countering Nicotine and Tobacco Addiction"निर्धारित की गई है। उन्होंने कहा कि इस थीम का उद्देश्य तम्बाकू उद्योग द्वारा युवाओं को आकर्षित करने के लिए अपनाई जा रही भ्रामक एवं छलपूर्ण विपणन नीतियों को उजागर करना तथा समाज को इसके दुष्प्रभावों से सचेत करना है।

अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. शुभ्रा मित्तल ने बताया कि तम्बाकू का सेवन मानव स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक है। इसके सेवन से फेफड़ों का कैंसर, मुख कैंसर सहित अनेक गंभीर रोग उत्पन्न होने की संभावना बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि धूम्रपान आरम्भ करने के कुछ ही मिनटों के भीतर हृदय गति एवं रक्तचाप में वृद्धि होने लगती है तथा रक्त में ऑक्सीजन के स्थान पर कार्बन मोनोऑक्साइड की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे शरीर की संपूर्ण प्रणाली पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

जनपद सलाहकार डॉ. श्वेता खुराना ने बताया कि तम्बाकू एवं निकोटीन उद्योग युवाओं को आकर्षित करने के लिए विभिन्न प्रकार के भ्रामक उपाय अपनाते हैं, जिनमें आकर्षक पैकेजिंग, फ्लेवरयुक्त उत्पाद तथा चलचित्रों एवं सामाजिक माध्यमों के माध्यम से प्रचार प्रमुख हैं। उन्होंने कहा कि इनसे युवाओं को सुरक्षित रखने हेतु व्यापक जनजागरूकता आवश्यक है।

इस अवसर पर पुलिस विभाग द्वारा कोटपा अधिनियम-2003 की धारा-6 का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा, जिसके अंतर्गत शैक्षणिक संस्थानों के सौ गज के दायरे में तम्बाकू उत्पादों की बिक्री पूर्णतः निषिद्ध है।

जनपद के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों एवं स्वास्थ्य इकाइयों में पोस्टर प्रतियोगिता, रंगोली, नुक्कड़ नाटक, रैली, गोष्ठी, शपथ ग्रहण एवं हस्ताक्षर अभियान जैसे अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में विद्यार्थियों एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इसी क्रम में विभिन्न विद्यालयों तथा महाविद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें विद्यार्थियों ने पोस्टर प्रतियोगिता, रंगोली, गोष्ठी तथा शपथ ग्रहण के माध्यम से भागीदारी की। स्वास्थ्य विभाग द्वारा भी जिला संयुक्त चिकित्सालय सहित विभिन्न सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर गोष्ठी, रैली, नुक्कड़ नाटक एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि इन सभी कार्यक्रमों का उद्देश्य समाज को तम्बाकू से मुक्त करना तथा नागरिकों को इसके दुष्प्रभावों से सुरक्षित रखना है। उन्होंने जनपदवासियों से अपील की कि वे स्वयं भी तम्बाकू का त्याग करें तथा दूसरों को भी इसके सेवन से रोकने में सहयोग करें। सौजन्य से – सूचना विभाग, गौतमबुद्धनगर।

म्यांमार के राष्ट्रपति ने किया एनटीपीसी नेट्रा का दौरा, स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों का किया अवलोकन

समाज जागरण/संदीप गर्ग

ग्रेटर नोएडा। म्यांमार के माननीय राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग ने शनिवार को एनटीपीसी लिमिटेड की अनुसंधान एवं विकास इकाई एनटीपीसी एनर्जी टेक्नोलॉजी रिसर्च अलायंस (नेट्रा) का दौरा किया। उनके साथ म्यांमार के उच्चस्तरीय मंत्रिस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी उपस्थित रहा।

इस अवसर पर एनटीपीसी लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक तथा नेट्रा के वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। दौरे के दौरान प्रतिनिधिमंडल को एनटीपीसी की विकास यात्रा, अंतरराष्ट्रीय सहयोग तथा स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में चल रही विभिन्न अनुसंधान एवं नवाचार परियोजनाओं की जानकारी दी गई।

प्रतिनिधिमंडल ने नेट्रा की अत्याधुनिक पायलट परियोजनाओं का अवलोकन किया, जिनमें सौर माइक्रोग्रिड, ऊर्जा भंडारण प्रणाली, हरित हाइड्रोजन केंद्र तथा कृषि एवं नगर ठोस अपशिष्ट से विद्युत उत्पादन की तकनीकें शामिल हैं। इन परियोजनाओं को टिकाऊ ऊर्जा समाधानों की दिशा में एनटीपीसी की महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत किया गया।

दौरे के दौरान म्यांमार के राष्ट्रपति ने स्वच्छ ऊर्जा से जुड़ी भारत की तकनीकी प्रगति में विशेष रुचि दिखाई। इस यात्रा को भारत और म्यांमार के बीच ऊर्जा सहयोग को और सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह दौरा नवीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा भंडारण, हरित हाइड्रोजन तथा अपशिष्ट-से-ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में आपसी सहयोग और तकनीकी आदान-प्रदान को और गति देगा।

अपने व्यापार का करें प्रचार प्रसार
दैनिक समाज जागरण मे खबर और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करे।
न्यूज पोर्टल पर चलवाये मात्र 200 रुपये रोज मे।

दादरी पुलिस ने चोरी के आरोपी को किया गिरफ्तार, चोरी की तीन जोड़ी पाजेब बरामद

समाज जागरण संवाददाता

दादरी/नोएडा। थाना दादरी पुलिस ने स्थानीय सूचना एवं गोपनीय जानकारी के आधार पर कार्रवाई करते हुए चोरी की घटनाओं में संलिप्त एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की गई तीन जोड़ी पाजेब बरामद की हैं। पुलिस के अनुसार अभियुक्त की पहचान बिजेन्द्र सिंह पुत्र स्वर्गीय शीशपाल निवासी सेक्टर ज्यू-2, ग्रेटर नोएडा, जनपद गौतमबुद्धनगर के रूप में हुई है। उसे थाना क्षेत्र के बिरयानी पुल के पास से गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ के दौरान अभियुक्त ने स्वीकार किया कि बरामद तीनों जोड़ी पाजेब उसने थाना दादरी क्षेत्र स्थित काशीराम कॉलोनी से चोरी की थीं। इस संबंध में थाना दादरी में पहले से मुकदमा दर्ज है और पुलिस मामले की जांच कर रही थी।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि गिरफ्तार अभियुक्त का आपराधिक इतिहास रहा है। उसके विरुद्ध विभिन्न थानों में पूर्व से कई मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस अब उसके आपराधिक रिकॉर्ड की विस्तृत जांच कर रही है तथा यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि वह अन्य चोरी की घटनाओं में भी शामिल रहा है या नहीं।

थाना दादरी पुलिस ने अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में अपराधियों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा और कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अपने व्यापार का करें प्रचार प्रसार
दैनिक समाज जागरण मे खबर और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करे।
न्यूज पोर्टल पर चलवाये मात्र 200 रुपये रोज मे।

मारपीट के मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार, जारचा पुलिस की कार्रवाई

समाज जागरण संवाददाता

नोएडा। थाना जारचा पुलिस ने मारपीट के एक मामले में फरार चल रहे वांछित आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस ने आरोपी को ग्राम सिद्धिपुर मोड़ के पास से गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार पीड़ित पक्ष द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई थी कि गांव के कुछ लोगों ने उसके भाई के साथ गाली-गलौच करते हुए डंडों से मारपीट की थी, जिससे उसे चोटें आई थीं। पीड़ित की तहरीर के आधार पर थाना जारचा में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। मामले में पुलिस पूर्व में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

इसी क्रम में फरार चल रहे एक अन्य वांछित आरोपी की तलाश की जा रही थी। थाना जारचा पुलिस ने स्थानीय सूचना तंत्र और बीट पुलिसिंग की सहायता से आरोपी शनि पुत्र रवि कुमार को ग्राम सिद्धिपुर मोड़ के पास से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी शनि निवासी ग्राम ततारपुर, थाना जारचा, जनपद गौतमबुद्धनगर का रहने वाला है। उसकी आयु लगभग 20 वर्ष बताई गई है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में कार्रवाई करते हुए अग्रिम विधिक प्रक्रिया शुरू कर दी है। थाना जारचा पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा अपराधियों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा।

सुरक्षा गार्ड की लाइसेंसी बंदूक चोरी करने वाले चार आरोपी गिरफ्तार, हथियार व कारतूस बरामद

समाज जागरण संवाददाता

नोएडा। थाना सेक्टर-20 पुलिस ने सुरक्षा गार्ड की लाइसेंसी बंदूक चोरी करने की घटना का सफल खुलासा करते हुए चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई लाइसेंसी बंदूक, चार कारतूस, दो अवैध चाकू, घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल तथा अन्य सामान बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार थाना सेक्टर-20 क्षेत्र में एक सुरक्षा गार्ड सड़क किनारे विश्राम कर रहा था। इसी दौरान मोटरसाइकिल पर सवार चार युवकों की नजर उसके कंधे पर टंगे बैग पर पड़ी, जिसमें लाइसेंसी बंदूक रखी हुई थी। आरोपियों ने मौके का फायदा उठाते हुए बंदूक चोरी कर ली और वहां से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही थाना सेक्टर-20 पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पुलिस टीम ने मैनुअल इंटेलिजेंस और सीसीटीवी फुटेज की सहायता से घटना का खुलासा करते हुए भगत सिंह पार्क, सेक्टर-31 से चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान दिव्यांशु शुक्ला उर्फ भूरी, शिवम, साहिल शर्मा और आर्यन सिंह के रूप में हुई है।

तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से सुरक्षा गार्ड की चोरी की गई लाइसेंसी बंदूक डिसमेंटल अवस्था में, 12 बोर के चार कारतूस, सुरक्षा गार्ड की सीटी, बैंक पासबुक तथा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की गई। इसके अतिरिक्त दिव्यांशु शुक्ला और शिवम के पास से एक-एक अवैध चाकू भी बरामद हुआ है।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि गिरफ्तार अभियुक्त दिव्यांशु शुक्ला उर्फ भूरी और शिवम का आपराधिक इतिहास रहा है तथा उनके विरुद्ध पूर्व में भी विभिन्न थानों में मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस अब आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड और अन्य संभावित घटनाओं में उनकी संलिप्तता की जांच कर रही है।

थाना सेक्टर-20 पुलिस ने चारों आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जनपद में अपराधियों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा तथा कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दादरी पुलिस ने चोरी के दो आरोपियों को किया गिरफ्तार, स्टील गेट और पीतल के बर्तन बरामद

समाज जागरण संवाददाता

नोएडा। थाना दादरी पुलिस ने चोरी की घटनाओं का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी किया गया स्टील का गेट, पीतल के बर्तन तथा घटना में प्रयुक्त ट्रैक्टर-ट्रॉली बरामद की है।

पुलिस के अनुसार स्थानीय सूचना एवं गोपनीय जानकारी के आधार पर कार्रवाई करते हुए निखिल भाटी और भरत भाटी को जारचा अंडरपास से सिकंदराबाद जाने वाले मार्ग से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने चोरी की घटनाओं में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि बरामद स्टील का गेट उन्होंने राधा कुंज कॉलोनी से तथा चार पीतल के बर्तन सेक्टर म्यू-1 क्षेत्र से चोरी किए थे। इन दोनों घटनाओं के संबंध में थाना दादरी में पूर्व से मुकदमे दर्ज हैं और पुलिस उनकी जांच कर रही थी।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान निखिल भाटी (20 वर्ष) तथा भरत भाटी (22 वर्ष) निवासी ग्राम लुहारली, थाना दादरी, जनपद गौतमबुद्धनगर के रूप में हुई है।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी का एक स्टील गेट, चार पीतल के बर्तन तथा चोरी की घटनाओं में प्रयुक्त ट्रैक्टर-ट्रॉली बरामद की है। दोनों आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

थाना दादरी पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में चोरी और अन्य आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा तथा अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जमीनी विवाद में चार लोग गिरफ्तार, जारचा पुलिस की तत्परता से टला संभावित बवाल

समाज जागरण संवाददाता

नोएडा। जनपद गौतमबुद्धनगर में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से थाना जारचा पुलिस ने जमीनी विवाद में आमदा फसाद की स्थिति उत्पन्न करने वाले चार व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र में संभावित विवाद और शांति भंग होने की आशंका को समय रहते टाल दिया गया। पुलिस के अनुसार 31 मई 2026 को ग्राम खणगौड़ा और ऊंचा अमीरपुर क्षेत्र में भूमि संबंधी विवाद को लेकर कुछ लोगों के बीच कहासुनी और तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। सूचना मिलने पर थाना जारचा पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझाने तथा मामला शांत कराने का प्रयास किया। पुलिस का कहना है कि समझाने के बावजूद संबंधित व्यक्ति उत्तेजित होकर झगड़ा करने पर आमादा रहे, जिससे क्षेत्र में शांति व्यवस्था भंग होने और किसी संज्ञेय अपराध के घटित होने की संभावना बन गई थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए चारों व्यक्तियों को हिरासत में ले लिया। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों में कपिल निवासी ग्राम खणगौड़ा, शिवम निवासी ग्राम ऊंचा अमीरपुर, अनिल निवासी ग्राम ऊंचा अमीरपुर तथा जीशान निवासी ग्राम कलौंदा शामिल हैं। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तारी के कारणों से अवगत कराते हुए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की संबंधित धाराओं के अंतर्गत कार्रवाई की और उन्हें न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया। यह कार्रवाई उपनिरीक्षक ऋषिपाल कटारिया एवं थाना जारचा पुलिस टीम द्वारा की गई। थाना जारचा पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी प्रकार के विवाद का समाधान कानून के दायरे में रहकर शांतिपूर्ण ढंग से करें तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करें।

हत्या कांड का मुख्य आरोपी 25 हजार का इनामी गिरफ्तार, हथियार और मोटरसाइकिल बरामद

समाज जागरण संवाददाता

नोएडा। थाना इकोटेक-3 पुलिस ने हत्या के एक चर्चित मामले में फरार चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी मुख्य आरोपी समेत दो अभियुक्तों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त पिस्टल, तमंचा, कारतूस तथा वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल बरामद की है।

पुलिस के अनुसार थाना इकोटेक-3 क्षेत्र के ग्राम वेदपुरा में दीपक नागर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस संबंध में थाना इकोटेक-3 में मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की जांच के दौरान पुलिस पहले ही छह अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है, जबकि मुख्य आरोपी प्रीत नागर अपने सहयोगियों के साथ फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

मैनुअल इंटेलिजेंस और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की सहायता से पुलिस ने मुख्य आरोपी प्रीत नागर पुत्र कल्लू उर्फ कालू तथा उसके सहयोगी दीपक उर्फ क्रिश नागर पुत्र जगत नागर को खैरपुर गोलचक्कर के पास सर्विस रोड से गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान प्रीत नागर के कब्जे से घटना में प्रयुक्त .32 बोर की पिस्टल तथा दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए। वहीं दीपक उर्फ क्रिश नागर के पास से एक तमंचा, एक खोखा कारतूस और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली गई।

पूछताछ में मुख्य आरोपी प्रीत नागर ने बताया कि वर्ष 2011 में उसके पिता कल्लू उर्फ कालू की हत्या हुई थी। उस मामले में मृतक दीपक नागर के पिता आरोपी थे, लेकिन बाद में न्यायालय से बरी हो गए थे। इसी बात को लेकर वह लंबे समय से रंजिश रखता था। बदले की भावना से उसने अपने साथियों के साथ मिलकर दीपक नागर की हत्या की साजिश रची और घटना को अंजाम दिया। गिरफ्तार अभियुक्त प्रीत नागर और दीपक उर्फ क्रिश नागर दोनों ग्राम वेदपुरा, थाना इकोटेक-3 क्षेत्र के निवासी हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हत्या कांड के मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी से मामले का सफल अनावरण हुआ है तथा प्रकरण में आगे की जांच जारी है। अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई भविष्य में भी जारी रहेगी।

जनसंवाद कार्यक्रमों में पहुंचे विधायक पंकज सिंह, नागरिक समस्याओं के त्वरित समाधान के दिए निर्देश

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा। नोएडा के विधायक एवं भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज सिंह ने रविवार को शहर के विभिन्न सेक्टरों में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रमों में भाग लेकर स्थानीय नागरिकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित समाधान के निर्देश दिए।

विधायक पंकज सिंह ने सेक्टर-100, आम्रपाली सफायर-2 (सेक्टर-45), सेक्टर-29 में आयोजित 'मन की बात' कार्यक्रम, सेक्टर-22 स्थित एफ ब्लॉक कम्युनिटी सेंटर, सेक्टर-35 के गरिमा विहार, आम्रपाली प्लेटिनम तथा एल्डिको आमंत्रण (सेक्टर-119) में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रमों में सहभागिता की। इस दौरान उन्होंने क्षेत्रवासियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं और सुझावों को गंभीरता से सुना।

जनसंवाद कार्यक्रमों में नागरिकों ने सड़क, सीवर, जल निकासी, पार्कों के रखरखाव, स्वच्छता और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं विधायक के समक्ष रखीं। सेक्टर-35 के निवासियों ने विशेष रूप से क्षेत्र के खुले नाले को ढकने की मांग उठाते हुए जनसुरक्षा एवं स्वच्छता के दृष्टिकोण से आवश्यक कार्रवाई की मांग की।

इसके अलावा कई क्षेत्रों के निवासियों ने हाल ही में खुली शराब की दुकानों पर भी आपत्ति जताई। लोगों का कहना था कि कुछ दुकानें नियमों के विपरीत संचालित की जा रही हैं। इस पर विधायक पंकज सिंह ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

विधायक पंकज सिंह ने नोएडा प्राधिकरण एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों से कहा कि जनता की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध और स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनहित से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

उन्होंने कहा कि नोएडा के नागरिकों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। क्षेत्रीय समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर समीक्षा की जाएगी तथा जनता के साथ संवाद का यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा।

कार्यक्रमों में विभिन्न आरडब्ल्यूए पदाधिकारी, स्थानीय निवासी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं भाजपा कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

नोएडा, ग्रेटर नोएडा, यमुना प्राधिकरण और यूपीसीडा में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा। उत्तर प्रदेश सरकार ने औद्योगिक विकास संस्थाओं और विकास प्राधिकरणों में व्यापक प्रशासनिक फेरबदल करते हुए नोएडा, ग्रेटर नोएडा, यमुना प्राधिकरण तथा उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) के अधिकारियों और कर्मचारियों के बड़े पैमाने पर तबादले किए हैं। शासन द्वारा जारी आदेश के बाद संबंधित विभागों में नई तैनातियों की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

जारी आदेश के अनुसार उप महाप्रबंधक, वरिष्ठ प्रबंधक, प्रबंधक, सहायक निदेशक, विशेष कार्याधिकारी, सहायक प्रबंधक, निजी सचिव, लेखाकार, वरिष्ठ सहायक तथा कनिष्ठ सहायक सहित विभिन्न श्रेणियों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का स्थानांतरण किया गया है।

तबादला सूची में उप महाप्रबंधक (सिविल) विजय कुमार रावल को यूपीसीडा से ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। उल्लेखनीय है कि कुछ समय पूर्व ही उनका स्थानांतरण नोएडा प्राधिकरण से यूपीसीडा में किया गया था। इसी प्रकार सत्येंद्र गिरी को नोएडा प्राधिकरण से यमुना प्राधिकरण, धर्मेंद्र कुशवाहा को यूपीसीडा से नोएडा प्राधिकरण, राजीव कुमार को यूपीसीडा से ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण तथा फिरोज अहमद को यूपीसीडा से यमुना प्राधिकरण भेजा गया है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में प्रबंधक (सिविल) के पद पर कार्यरत नरोत्तम का तबादला नोएडा प्राधिकरण में किया गया है। नरोत्तम पूर्व में भी नोएडा प्राधिकरण में कनिष्ठ अभियंता के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

सरकारी सूत्रों के अनुसार यह व्यापक प्रशासनिक फेरबदल विकास प्राधिकरणों और औद्योगिक संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने, कार्यकुशलता बढ़ाने तथा विकास परियोजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को ध्यान में रखकर किया गया है। प्रशासनिक हलकों में इस तबादला आदेश को महत्वपूर्ण निर्णय माना जा रहा है, जिसके दूरगामी प्रभाव देखने को मिल सकते हैं।

भारत विकास परिषद नोएडा ने लगाया नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर, 350 लोगों ने उठाया लाभ

नोएडा। भारत विकास परिषद नोएडा द्वारा सेक्टर-19 स्थित कम्युनिटी सेंटर में रविवार को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन सुमित्रा हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ. वी.के. गुप्ता के सहयोग से किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण एवं चिकित्सकीय परामर्श का लाभ प्राप्त किया।

शिविर में लगभग 350 लोगों की विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी जांचें की गईं। इनमें रक्त शर्करा परीक्षण, रक्तचाप जांच, सर्वाइकल कैंसर जांच, ईसीजी, नेत्र परीक्षण, रक्त जांच तथा ट्रेडमिल टेस्ट (टीएमटी) सहित अन्य आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण शामिल रहे। विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने प्रतिभागियों को स्वास्थ्य संबंधी परामर्श भी प्रदान किया।आयोजकों ने बताया कि शिविर का मुख्य उद्देश्य आमजन को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना तथा समाज के प्रत्येक वर्ग तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना था।

भागूवाला मंडल के सभी बुथो पर सुना गया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 134वां एपिसोड

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर नजीबाबाद पभागूवाला मंडल के सभी बूथों पर सुना गया माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मन की बात कार्यक्रम का 134 वा एपिसोड भारतीय जनता पार्टी नजीबाबाद विधानसभा क्षेत्र के भागूवाला मंडल में आज सभी शक्ति केंद्रो के सभी बूथ पर मन की बात कार्यक्रम को सुना गया जिसमें मुख्य रूप से भाजपा नेता चौधरी ईशम सिंह ने शेखपुरा आलम शक्ति केंद्र के बूथ संख्या 114 लाहक कला पर करण सिंह के आवास पर बूथ अध्यक्ष, शक्ति केंद्र संयोजक एवं ग्राम के गणमान्य नागरिकों के साथ बैठकर आज आयोजित हुऐ 134 वा एपिसोड सुना इस अवसर पर नरदेव सिंह जितेंद्र शर्मा विकास चौहान रिंकू कुमार राहुल कुमार आदि उपस्थित रहे बूथ संख्या 115 लाहक खुर्द पर शक्ति केंद्र संयोजक सहदेव प्रजापति ने राहुल चौहान के आवास पर कार्यक्रम को सुना पूर्व मंडल अध्यक्ष राजकुमार प्रजापति ने बूथ संख्या 134 साहनपुर पर, 113 शेखपुरा आलम ,117 शाहपुरा उमराव सिंह पर अनुज काकरान, 102 जटपुरा पर संजीव भुईयार, 162 रानीपुर पर डा नरेन्द्र सिंह,16 रामदास वाली पर सुदेश कुमार गुप्ता,164 वीरुवाला पर तरुण चौहान,167 बढ़िया पर मनजीत सिंह,144 साहनपुर पर अजीम अहमद,8 भागूवाला प्रथम पर दीपक सैनी, 21 काशीराम पुर पर सुदेश गुप्ता,111 मुस्सेपुर पर सुमित गुर्जर, मंडावली में अनुज चौधरी, मोहनपुर में मुकेश गुप्ता,महामंत्री सचिन देशवाल, कपिल राजपूत,मंडल अध्यक्ष कमल सैनी ,गदायिका में नौबाहर सिंह, साहनपुर में अजीम अहमद,राहतपुर में केशव पाल , नरपाल सिंह,सहित सभी दायित्व वान कार्यकताओं ने बूथ कमेटियों पार्टी कार्यकताओं के साथ मन की बात कार्यक्रम को सुना चौधरी ईशम सिंह ने सभी कार्यकर्ताओ पदाधिकारियों से इसी प्रकार मन की बात कार्यक्रम को सुनकर उसे अपने जीवन में उतारने का आह्वान किया उन्होंने कहा कि यह चुनावी वर्ष है इसलिए हम सभी कार्यकताओं को पार्टी शीर्ष नेतृत्व द्वारा दिए गए निर्देशों का अनु पालन करते हुए पार्टी की रीति नीति जन-जन तक पहुंचाने के लिए कार्य करना है ताकि हम पुनः उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाकर फिर से प्रदेश की बागडोर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी को सौंप कर अपने दायित्व का निर्वहन करें

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर गायत्री शक्तिपीठ द्वारा रैली निकाल कर जागरूक किया

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर नजीबाबाद । नगर के शांतिकुंज जोनल कार्यालय गायत्री शक्तिपीठ में पंडित सोमेश्वर दत्त शर्मा , नरेश कश्यप ने नौ कुंडीय गायत्री यज्ञ संपन्न कराया गया । गायत्री महामंत्र ,महामृत्युंजय मंत्र से आहुतियां समर्पित कराते हुए गोला ,सुपारी से पूणार्हुति की।

रविवार को विश्व तंबाकू निषेध दिवस के उपलक्ष में गायत्री शक्तिपीठ के समीपवर्ती कॉलोनी जयनगर ,विजयनगर में नशा मुक्त भारत संकल्प रैली निकाली गई । रैली का शुभारंभ जिला समन्वयक पुखराज सिंह , जिला सहसंवयक इंद्र देव शर्मा , विनोद चौहान तहसील समन्वयक नगीना ने पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य उपवन से कराया। बीड़ी,सिगरेट , पान, तंबाकू तन - मन - धन के यह सब डाकू , बीड़ी पीकर खास रहा है मौत के आगे नाच रहा है । गुटखा खाओ गाल गलाओ । नहीं पियेंगे भारत के बेटे बंद करो शराब के ठेके । पिटती पत्नी बिकती जेवर छोड़ शराबी ऐसे तेवर नशा नाश की जड़ है भाई - फल इसका अतिशय दुखःदाई ।जैसे नारे लगाते हुए हाथ में दुर्व्यसन विरोधी पट्टी लिए गायत्री साधकों ने व्यक्ति को दुर्व्यसन से दूर व समाज को कुरीतियों से मुक्त रहने का संदेश दिया ।

गायत्री परिवार की जिला स्तरीय कार्यकर्ता गोष्ठी में जनपद ने 108 कुण्डीय गायत्री यज्ञ हरगनपुर व चांदपुर में 51 कुंडीय गायत्री यज्ञ ,उदयपुर अफजलगढ़ में 24 कुण्डीय गायत्री यज्ञ राजा का ताजपुर में तथा विशाल युवा सम्मेलन मोरना में कराने का निर्णय लिया।गायत्री शक्तिपीठ व्यवस्थापक व स्थानीय जोन समन्वयक डॉ दीपक कुमार ने कहा कि तंबाकू को ना कहे,स्वास्थ्य को हा कहे ।सदगुण है सच्ची संपत्ति दुर्गुण है सबसे बड़ी विपत्ति।इस दौरान शक्तिपीठ अध्यक्ष कमल शर्मा , सचिव जितेंद्र सिंह , हरीश शर्मा ,सुमन वर्मा ,कामेश शर्मा , पुष्पा शर्मा , सारिका अग्रवाल , एचपी गुप्ता , रोहिताश सिंह आदि रहे ।

श्रद्धा के साथ मनाया गया उर्स फारूकी हामिदी

हजरत अल्लामा मुफ़्ती मोहम्मद फारूक हामिदी का 15वाँ सालाना उर्स अकीदत के साथ मनाया गया।

समाज जागरण

संभल। संभल शहर की जानी-मानी शख्सियत ईदगाह संभल के पूर्व इमाम, प्रसिद्ध इस्लामी विद्वान और कई धार्मिक किताबों के लेखक हजरत अल्लामा मुफ़्ती मोहम्मद फारूक हामिदी कादरी का 15वाँ सालाना उर्स आज बाद

नमाज-ए-मगरिब कादरी मंज़िल, कोट शकी संभल में बड़े सम्मान और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस मौके पर उलेमा, इमाम, सामाजिक लोगों के साथ बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। हजरत मुफ़्ती मोहम्मद फारूक हामिदी ने अपनी पूरी ज़िंदगी इस्लाम की शिक्षा फैलाने, लोगों की धार्मिक रहनुमाई करने, समाज की भलाई के कामों में बिताई। आप एक बड़े आलिम, अच्छे लेखक और बेहतरीन शिक्षक थे। आपकी किताबें और धार्मिक सेवाएँ आज भी लोगों के लिए मार्गदर्शन का स्रोत हैं।

कार्यक्रम की शुरूआत कारी मोहम्मद इमरान ने कुरआन शरीफ की तिलावत से की। इसके बाद सैयद मिन्हाजुल कादिर ने नात और मनकबत पेश की, इस मौके पर मुफ़्ती मिस्बाहुल हसन नईमी ने अपने खिताब में हजरत की धार्मिक, शैक्षिक और सामाजिक सेवाओं को उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मुफ़्ती साहब ने हमेशा मौहब्बत, भाईचारे और एकता का पैगाम दिया हे। इसके बाद मौलाना फैजान अशरफ हामिदी ने शजरा शरीफ पढ़ा,सलातो सलाम के बाद मौलाना सैयद यजदानी मियाँ ने दुआ कराई। उन्होंने मरहूम के लिए मगफि रत, मुसलमानों की तरक्की, देश में अमन और खुशहाली की दुआ की गई। कार्यक्रम के अंत में कारी बुरहान अशरफ हामिदी और कारी गाजी अशरफ हामिदी की ओर से लंगर का एहतेमाम किया गया जिसमें सभी लोगों ने भाग लिया।

यह उर्स की महफि ल हजरत मुफ़्ती मोहम्मद फारूक हामिदी रहमतुल्लाह अलैह की महान सेवाओं को याद करने का एक महत्वपूर्ण अवसर बनी। कार्यक्रम शांतिपूर्ण और आध्यात्मिक माहौल में सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर मौलाना नफीस अख़्तर अशरफी, मौलाना कारी इरफान लतीफी, मौलाना शुऐब अमजदी, मुफ़्ती मिस्बाहुल हसन नईमी, मौलाना सलीम अशरफ हामिदी, मौलाना मुज्तबा हसन अशरफी, कारी बद्र आलम निजामी, मौलाना नईम अशरफ, कारी मोहम्मद इमरान, कारी मोहम्मद बिलाल, मौलाना मुईन अशरफ, मुफ़्ती गुलफाम रजा, मुफ़्ती अय्यूब मिस्बाही, मौलाना अकमल रजा, मौलाना अहमद अशरफ, मुफ़्ती जैनुल आबिदीन, मौलाना सैयद मोहम्मद रिजवानी, कारी मआविया हसन, मुगीस अशरफ, कारी फाइक अशरफ हामिदी, सय्यद अरबाब नकवी, हाफिज असद बरकाती, हाफिज जाबिर, हाफिज वसीम अकरम, के साथ-साथ बहुत से लोग उपस्थित रहे।

जनपद के प्रथम साइंस घर कार्यक्रम के लिए विद्यार्थी विज्ञान समूह का किया गठन।

समाज जागरण

सिरसागंज। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश के अंतर्गत जिला विज्ञान क्लब, फिरोजाबाद के तत्वाधान में इस समर में जिला समन्वयक अश्वनी कुमार जैन के संयोजन में जनपद के प्रथम साइंस घर कार्यक्रम का आयोजन निःशुल्क रूप से जिला विज्ञान क्लब के कार्यालय पर 01जून से 30 जून 2026 तक आयोजित किया जाएगा। जिसके लिए विद्यार्थी विज्ञान समूह का गठन जिला विज्ञान क्लब के कार्यालय पर किया गया।

अश्वनी कुमार जैन ने बताया कि इस वर्ष समर में विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति दृष्टिकोण में वृद्धि के लिए वैज्ञानिक जागरूकता कार्यक्रम के रूप में साइंस घर कार्यक्रम का अभिनव आयोजन किया जा रहा है, जिसमें प्रतिदिन एक विद्यार्थी अपने विज्ञान मॉडल का प्रस्तुतिकरण करेगा। साइंस घर में 30 विद्यार्थियों क्रमशः कृष्णा, अनमोल, वाशुदेव, सत्यम गोस्वामी, विशु प्रताप, विवेक गोस्वामी, आर्यन दुबे, गुफरान, नीलेश, अंश प्रताप, सीटू यादव, सत्यम यादव, गिलक्रिस्ट, अनिरुद्ध, गिर्राज, प्रवीन कुमार, अमित कुमार, कु पावनी जैन, पूनम, प्रियंका, सिमरन, जानवी, आस्था, खुशी, अंजली, परी, मुस्कान, शिवानी, रिंकल, साक्षी एवं आशिका द्वारा अपने अभिनव मॉडलों का साइंस घर में प्रस्तुतिकरण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के नवाचार कार्यक्रम से विद्यार्थियों के प्रति विज्ञान के नवाचार एवं उनके वैज्ञानिक दृष्टिकोण में वृद्धि होगी। सभी विद्यार्थियों को जिला विज्ञान क्लब, फिरोजाबाद की ओर से प्रमाण पत्र भी प्रतिभागियों को प्रदान किए जाएंगे।

हथियार के साथ रील बनाकर सोशल मीडिया पर डालने का आरोप, वीडियो वायरल

थाना नारखी क्षेत्र का मामला, ताड़ी (एक तरह की शराब) पीते हुए भी वीडियो किया वायरल

समाज जागरण

फिरोजाबाद। थाना नारखी क्षेत्र में एक युवक द्वारा कथित तौर पर हथियार के साथ रील बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किए जाने का मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। युवक के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं, जिनमें वह हथियार के साथ दिखाई दे रहा है। इसके अलावा ताड़ी (स्थानीय स्तर पर प्रचलित एक प्रकार के मादक पेय) का सेवन करते हुए वीडियो साझा करने की भी चर्चा है।

जानकारी के अनुसार थाना नारखी के समीप रहने वाले कमल सिंह पुत्र विजय सिंह के नाम से सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद क्षेत्र में तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गई हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि सोशल मीडिया पर हथियारों के प्रदर्शन से युवाओं में गलत संदेश जाता है।

हालांकि वायरल वीडियो की सत्यता और उसमें दिखाई दे रहे हथियार की वैधता की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। पुलिस की ओर से भी अभी तक इस संबंध में कोई औपचारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

सूत्रों के अनुसार वायरल वीडियो पुलिस के संज्ञान में लाए गए हैं। यदि जांच में वीडियो सही पाए जाते हैं तो संबंधित धाराओं और नियमों के तहत कार्रवाई की जा सकती है।

अब लोगों की निगाहें पुलिस की कार्रवाई पर टिकी हैं कि वायरल वीडियो की जांच के बाद क्या कदम उठाए जाते हैं।

तन और मन तरो ताजा रखने के लिए योग आवश्यक--मोदी।

समाज जागरण - ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर फिरोजाबाद जिले की लगभग 1306 बूथों पर बूथ समिति की बैठक आयोजित की गई जिसमें एस आई आर के बाद प्राप्त वोटर लिस्ट का अवलोकन जिले के सभी बूथ पर कार्यवाही रजिस्टर तैयार किया गया तदोपरांत जिले की सभी बूथों पर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मन की बात कार्यक्रम का 134 वां संस्मरण सुना गया इसी क्रम में विधानसभा टूंडला के बूथ संख्या 146 राधा नगर एटा रोड टूंडला पर बैठक आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता बूथ अध्यक्ष देवेश्वर बघेल ने की बैठक में मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष उदय प्रताप सिंह रहे इस संबंध में उन्होंने बताया देश के यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी ने तन और मन तरोताजा रखने के लिए योग बहुत आवश्यक है इस विषय पर विस्तार पूर्वक चर्चा करते हुए नागरिकों से बड़ती गर्मी में धूप से बचने की सलाह दी और यदि आवश्यक हो तो शरीर ढक कर निकले उन्होंने गर्मी के मौसम में स्वदेशी पेय पदार्थ जैसे आम पना दही लस्सी नींबू पानी मैंगो शेक एवं मौसम के फलों का उपयोग अत्यंत लाभकारी एवं उपयोगी साबित होगा इसी क्रम में लोकमाता अहिल्याबाई होलकर जी की 301 भी जयंती पर भारतीय जनता पार्टी के जिला कैंप कार्यालय पर उनके चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पार्जन कर मनाई गई इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा के पूर्व जिलाअध्यक्ष वृंदावन लाल गुप्ता ने कहा की लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर न्याय की देवी थी महान शिव भक्तनी थी उनके द्वारा 16000 से अधिक मंदिरों का जीणोर्धार एवं निर्माण कार्य कराया गया पूर्व विधायक शिव सिंह चक ने कहा कि प्रातः स्मरणीय पुण्यश्लोका देवी अहिल्याबाई होल्कर ने हिंदू हिंदुत्व एवं हिंदू देवी देवताओं के लिए अपना सर्वस्व निछावर कर दिया । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लोकप्रिय मन की बात कार्यक्रम को कोटला व डीएवी शक्ति केंद्र पर डॉ . अमित गुप्ता* जिला प्रवक्ता/ मीडिया प्रभारी ने पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ सुना।

प्रधानमंत्री ने भीषण गर्मी के दौरान स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने का संदेश दिया। साथ ही, ह्यलोकल से ग्लोबलह्न तक भारतीय उत्पादों की बढ़ती पहचान, उभरती खेल प्रतिभाओं, नवाचार, युवाओं में विज्ञान एवं खगोल विज्ञान के प्रति बढ़ती रुचि, जल संरक्षण में जनभागीदारी तथा भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और वैश्विक सम्मान जैसे प्रेरक विषयों पर अपने विचार साझा किए।

मन की बात देश के अनसुने नायकों और जनभागीदारी के प्रयासों को राष्ट्रीय पहचान देने का एक सशक्त मंच है, जो हम सभी को सकारात्मक बदलाव के लिए प्रेरित करता है।

इस अवसर पर चौधरी भवर सिंह शिव शंकर शर्मा, आकाश शर्मा, दिनेश गुप्ता, अंकित शर्मा ,सत्येंद्र पथरिया, संजय चक, गिरवान निषाद, जुबिन भारद्वाज , मालती धनगर गोपाल कृष्ण सिंह , ,दीपक टेनुआ, विनोद बाबू ,गौरव सिसोदिया, आनंद प्रताप, ईश्वर दयाल कुशवाहा , लक्ष्मी नारायण कुशवाहा सहित आदि उपस्थित रहे।

चोरो ने भगवान का घर भी नहीं छोड़ा श्याम बाबा के छत्र कुंडल और मुकुट ले गए।

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। थाना मक्खनपुर स्थित खाटू श्याम बाबाके मंदिर में चोरों ने

शनिवार की रात ताला तोड़कर छत्र कुंडल और मुकुट ले गए पुलिस सीसीटीवी कैमरा खगाल रही है।

थाना मक्खनपुर क्षेत्रमें खाटूश्याम का मंदिर स्थित है यहां श्रद्धालु हजारों की संख्या मे दर्शन करने के लिए आते हैं। और अपनी मनौती भी चढ़ाते हैं शनिवार की देर रात अज्ञात चोर मंदिर पहुंचे और उन्होंने ताले तोड़कर भगवान के आसन के समीप पहुंच गए उन्होंने खाटू श्याम का छत्र कुंडल और मुकुट के अलावा चढ़ाए हुई नगदी भी ले गए जिसकी जानकारी रविवार की प्रातः उस समय हुई जब मंदिर में सफाई करने लिए सफाई कर्मी पहुंचा देखा तो मंदिर का ताला टूटा हुआ है उसने सूचना मंदिर के पदाधिकारियों को दी तो वह भी मौके पर पहुंच गए उन्होंने सूचना पुलिस को दी सीओ शिकोहाबाद और क्षेत्रीय पुलिस के अलावा फॉरेंसिक टीम भी पहुंच गई उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया तथा वहां लगे सीसीटीवी कैमरे भी खगाले पुलिस ने चोरों को पकड ने के लिए चार टीमों का गठन किया है पुलिस चोरों की तलाश में जुटी है।

डेढ़ वर्षीय बालक की पटक-पटककर हत्या के कुछ घण्टे बाद हत्यारा पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

दोनो पैर में लगी गोली, पुलिस अभिरक्षा में जिला अस्पताल में भर्ती

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। थाना शिकोहाबाद क्षेत्र के यादव कॉलोनी में शादी के जनून में आकर डेढ़ साल के मासूम की चॉकलेट दिलाने के बहाने ले जाकर उसे जमीन पर पटक-पटक कर चाचा ने हत्या कर दी थी जिसे पुलिस ने कुछ ही घण्टो में मुठभेड़ के दौरान गोली लगने से घायल अवस्था मे गिरफ्तार कर लिया

शिकोहाबाद क्षेत्र के यादव कॉलोनी में उस समय सनसनी फैलप गयी जब एक युवक ने शादी के जनून में डेढ़ वर्षीय मासूम की जमीन पर आठ बार पटक-पटक कर हत्या कर दी। जिसकी पूरी घटना पास में लगे सीसीटीबी कैमरे में कैद हो गयी। जो सोशल मीडिया पर बायरल हो गयी। घटना को अंजाम देने के बाद हत्यारा युवक बच्चे के शव को मृतक बालक की ननिहाल के दरबाजे पर छोड़कर फरार हो गया। और फरार हो गया।

इस घटना के बाद पूरे इलाके में सन्नाटा पसर गया।

मृतक बच्चे की नानी की तहरीर पर थाना शिकोहाबाद पुलिस ने धारा 103(1) में विराज उर्फ जितेन्द्र के नाम मुकदमा पंजिकृत कर उसकी तलाश शुरू कर दी।

रती कुछ महीनों से अपने मायके यादव कॉलोनी में रह रही थी।

इसी बीच पति सुमित के फुफेरे भाई विराज उर्फ जितेन्द्र ने रती व उसके परिवार से नजदीकियां बढ़ानी शुरू कर दी। और पति सुमित के खिलाफ कानूनी कार्यवाही में साथ देने का भरोसा देकर विश्वास हासिल कर लिया। और सुमित को तलाक देकर अपने साथ शादी करने का दबाब बनाने लगा। जिसका रती ने स्पष्ट शब्दों में मना कर दिया।

जिसके बाद विराज के सर पर खून सवार हो गया। और उसे ऐसा लगने लगा, कि बालक (आरव) के कारण ही रती उससे शादी के लिये मना कर रही है। और उसने शनिबार को मासूम को चाकलेट दिलाने के बहाने ले जाकर उसकी जमीन पर पटक-पटक कर हत्या कर दी। और फरार हो गया।

इधर अपर पुलिस महानिदेशक आगरा जोन के निर्देशन में पुलिस उपमहानिरीक्षक आगरा परिक्षेत्र के पर्यवेक्षण व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद के नेतृत्व में जनपद में अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे। अभियान के अन्तर्गत थाना शिकोहाबाद पुलिस टीम द्वारा हत्या को अंजाम देने वाले युवक विराज उर्फ जितेन्द्र पुत्र बिजेन्द्र पाल निवासी शेखुपुर थाना सिविल लाइन जनपद बदायूं को मुखबिर की सूचना पर घेराबन्दी कर बूढ़ा भर्थरा मोड़ से कुछ ही घण्टे बाद मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया।

मुठभेड़ के दौरान उसने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी।जिसके आत्मरक्षार्थ पुलिस टीम द्वारा की गयी फायरिंग में उसके पैर में गोली लग गयी जिससे वह घायल हो गया। पुलिस ने उसके कब्जे से 01 तमंचा 315 बोर, 02 खोखा, 05 जिंदा कारतूस 315 बोर बरामद किये है। और घायल होने के बाद पुलिस अभिरक्षा में जिला अस्पताल में उपचार के लिये भर्ती कराया है।

लोक माता अहिल्याबाई धर्म परायण शासक थी - रामनिवास यादव

समाज जागरण

फिरोजाबाद। जिला कांग्रेस कमेटी फिरोजाबाद द्वारा लोकमाता अहिल्याबाई

होल्कर जी की जयंती के अवसर पर उनकी मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित की गई इस अवसर पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामनिवास यादव ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर मलावा क्षेत्र की विनम्र और उदार शाशिका थीं वे महान शिवभक्त थीं उनके अंदर गरीबों , जरुरतमंदो तथा असहाय व्यक्तियों के लिये परोपकार कूट कूट कर भरी हुई थीं उन्होंने देश भर में मंदिर , घाट , कुआ वावढ़ियों का निर्माण कराया सोमनाथ और काशी विश्वनाथ मंदिरों जीढ़ोद्वार एवं पुननिर्माण भी कराया '

उन्होंने महिला सशक्तिकरण , शिक्षा का अधिकार तथा उन्हें आगे बढ़ाने को आजीवन कार्य किया जिसके चलते लोकमाता को मानवता के कल्याण के लिये विशेष रूप में याद किया जाता है '

इस मोकेपर जिला उपाध्यक्ष राजवीर सिंह यादव , जितेंद्र तिवारी , गुलाम जिलानी , सुरेन्द्र शर्मा , अमन द्वबेदी , अजय यादव , धर्मेन्द्र यादव , अजय शर्मा , जिला महासचिव शान्तिदास शंखवार , जिला सचिव संजय यादव , अलोक यादव , कल्याण यादव , इंद्रभान यादव , संदीप कुमार , राजेंद्र कुमार वशिष्ठ आदि कांग्रेसी मौजूद रहे '

राजीव कृष्ण संभालेंगे प्रदेश पुलिस की कमान, डीजीपी के रूप में स्थायी नियुक्ति का आदेश जारी

- कार्यवाहक डीजीपी के रूप में पहले से संभाल रहे थे जिम्मेदारी
- 1991 बैच के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी हैं राजीव कृष्ण
- विजिलेंस, पुलिस भर्ती बोर्ड और फील्ड पुलिसिंग का लंबा अनुभव

समाज जागरण

लखनऊ, 31 मई। उत्तर प्रदेश सरकार ने 1991 बैच के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी राजीव कृष्ण को प्रदेश का पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नियुक्त किया है। वह फिलहाल कार्यवाहक डीजीपी के रूप में प्रदेश पुलिस की कमान संभाल रहे थे। इस संबंध में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा आधिकारिक आदेश जारी कर दिया गया है।

राजीव कृष्ण ने तत्कालीन डीजीपी प्रशांत कुमार के सेवानिवृत्त होने के बाद कार्यवाहक डीजीपी का पदभार संभाला था। इससे पहले वह डीजी विजिलेंस और उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा चुके हैं। पुलिस विभाग में उनकी पहचान एक अनुभवी, अनुशासित और परिणामोन्मुख अधिकारी के रूप में रही है।

गौतमबुद्ध नगर निवासी राजीव कृष्ण ने इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में स्नातक की शिक्षा प्राप्त की है। अपने तीन दशक से अधिक पुलिस सेवाकाल में उन्होंने प्रदेश के विभिन्न जिलों और महत्वपूर्ण इकाइयों में कार्य किया है। आगरा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) के रूप में उनका कार्यकाल विशेष रूप से चर्चित रहा, जहां उन्होंने संगठित अपराध और अपहरण गिरोहों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई कर अलग पहचान बनाई थी। पुलिस मुख्यालय, विजिलेंस और भर्ती बोर्ड में काम करने का व्यापक अनुभव रखने वाले राजीव कृष्ण प्रशासनिक दक्षता और संस्थागत सुधारों के लिए भी जाने जाते हैं।

पाकिस्तान से विस्थापित 1645 परिवारों को भूमिधरी अधिकार पत्र देंगे मुख्यमंत्री

- बिजनौर में होगा भव्य कार्यक्रम, 50 पूर्व सैनिकों/ लीजधारकों को भी मिलेगा लाभ
- प्रधानमंत्री आवास योजना तथा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के लाभार्थियों को करेंगे आवंटन पत्र व चेक वितरण
- कॉमन सर्विस सेंटर और स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा संचालित विदुर प्रेरणा कैफे का भी उद्घाटन करेंगे सीएम योगी
- शोषित-वंचित समुदाय और विस्थापितों को निरंतर समाज की मुख्यधारा से जोड़ रहे सीएम योगी

समाज जागरण

लखनऊ, 31 मई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में शोषित-वंचित समुदाय तथा विस्थापितों को निरंतर भूमिधरी अधिकार पत्र मिल रहा है। ऐसे लोगों को समाज की मुख्यधारा से जोड़कर नए भारत के नए उत्तर प्रदेश में सुरक्षा, सुविधा व सम्मान मिल रहा है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री सोमवार को बड़े पैमाने पर पाकिस्तान से विस्थापित परिवारों को भी उनका अधिकार दिलाएंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को बिजनौर के आलमपुर गांवड़ी, अफजलगढ़, धामपुर में विकास की बड़ी योजनाओं से स्थानीय लोगों को जोड़ेंगे। वह पाकिस्तान से विस्थापित 1645 परिवारों तथा 50 पूर्व सैनिकों/लीजधारकों को भूमिधरी अधिकार पत्र देंगे। मुख्यमंत्री यहां प्रधानमंत्री आवास योजना तथा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के लाभार्थियों को आवंटन पत्र व चेक वितरित करेंगे। साथ ही कॉमन सर्विस सेंटर और स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा संचालित विदुर प्रेरणा कैफे का उद्घाटन भी करेंगे।

गौरतलब है कि इससे पहले मुख्यमंत्री ने अप्रैल में लखीमपुर खीरी में भी बांग्लादेश से विस्थापित 331 परिवारों को भूमिधरी अधिकार पत्र वितरित किया था। साथ ही चंदन चौकी (पलिया) में आयोजित कार्यक्रम में नदियों द्वारा भूमि क्षरण से प्रभावित पूर्वी उत्तर प्रदेश के 2350 परिवारों व थारू जनजाति के 4356 परिवारों को भौमिक अधिकार पट्टों का आवंटन किया था। सीएम योगी ने मार्च में भी बहराइच के ग्राम पंचायत सेमरहना में आयोजित कार्यक्रम में भरथापुर गांव के 118 लाभार्थियों को 15 लाख रुपये प्रति हितग्राही की दर से पुनर्वास धनराशि एवं कृषि भूमि आदि परिसंपत्तियों के समतुल्य 21.55 करोड़ से अधिक की राशि का अंतरण किया था। इसके साथ ही उन्होंने 136 परिवारों को मुख्यमंत्री आवास, शौचालय और आवास के लिए भूमि के पट्टों का वितरण भी किया था।

लखनऊ हिल गया! बड़ौत की जन सम्मान पदयात्रा बना चुनावी सेंटर पॉइंट, 6 गांवों में चौधरी रामवीर सिंह के सामने जनता ने खोल दिया विकास का सच

"एसी कमरे में फाइलें हिलाने से गांव नहीं सुधरते" - चौधरी रामवीर सिंह ; जलभराव - सड़कों पर भड़की जनता, सत्ता-विपक्ष दोनों सकते में

समाज जागरण बड़ौत/बागपत। बड़ौत की 'जन सम्मान पदयात्रा' ने रविवार को सियासत की धुरी ही बदल दी। जैसे ही समाजसेवी चौधरी रामवीर सिंह का काफिला बाम, सदुल्लापुर, ढोढरा, गठीना, क्यामपुर और सुजरा पहुंचा, हर चौपाल 'जनता की अदालत' बन गई। ढोल-नगाड़े, पुष्पवर्षा और आर्तियों के बीच गांव-गांव से उमड़ा जनसैलाब देख सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के कान खड़े हो गए। लखनऊ के सियासी गलियारों में अब एक ही चर्चा - बड़ौत में क्या हो रहा है?

गांव-गांव वही कहानी: नाली का पानी, टूटी सड़क

जैसे ही काफिला गलियों में पहुंचा, विकास के दावों की पोल खुल गई। बाम से सुजरा तक हर गांव में सड़क पर बहता नाले का गंदा पानी, टूटी सड़कें और जर्जर संपर्क मार्ग। स्कूली बच्चों को किताबें ऊंची कर निकलना पड़ा, महिलाएं साड़ी समेटकर रास्ता काट रही थीं। आक्रोशित ग्रामीणों को सुनकर चौधरी रामवीर सिंह का पारा चढ़ गया। चौपाल से गरजे - "ये बेहद शर्मनाक है। एसी के कमरों में बैठकर फाइलें हिलाने वाले अफसरों को शायद पता ही नहीं कि बड़ौत का किसान कीचड़ में फंसकर खेत कैसे पहुंचे। राजनीति सेवा का नाम है, चुनावी ड्रामा का नहीं। जब तक धरातल पर उतरकर गांव की तकलीफ नहीं समझोगे, तब तक विकास कागजों से आगे नहीं बढ़ेगा।"

लखनऊ में हलचल, दिल्ली तक पहुंची गूंज

राजनैतिक पंडित कह रहे हैं कि पदयात्रा की रफ्तार और गांव-गांव मिल रहा बेइंतहा प्यार देखकर लखनऊ के दोनों खेमों की नींद उड़ गई है। सत्ता पक्ष इसे 'असंतोष का बवंडर' मान रहा है तो विपक्ष इसे 'विकल्प की दस्तक'। बड़ौत का ये उभार अब विधानसभा की रणनीतियों को भी प्रभावित कर रहा है।

युवाओं का जोश, बुजुर्गों का आशीर्वाद

हर गांव में एक तस्वीर कॉमन थी - बुजुर्ग माथा चूमकर आशीर्वाद दे रहे थे, युवा कंधे से कंधा मिलाकर नारे लगा रहे थे। "हमें भाषण नहीं, समाधान चाहिए" के पोस्टर हाथों में थे। छहों गांवों की समस्याएं कागज पर नोट की गईं। चौधरी रामवीर सिंह ने ऐलान किया - "जल निकासी, सड़क और स्वास्थ्य ही हमारी पहली लड़ाई होगी। इसका ब्लूप्रिंट गांव की चौपाल से बनेगा, सचिवालय से नहीं।" अंत में बाम, सदुल्लापुर, ढोढरा, गठीना, क्यामपुर और सुजरा की मातृशक्ति, किसान भाइयों व युवाओं का धन्यवाद करते हुए कहा - "ये पदयात्रा मेरी नहीं, बड़ौत के सम्मान की यात्रा है।"

रटौल पहुंचे टीवी कलाकार श्रीकांत द्विवेदी, युवाओं से बोले- मेहनत के बल पर सपने साकार करो

मिस्टर इंडिया २०१७ से किसान का बेटा तक का सफर सुनकर भावुक हुए लोग, नागिन-वार-डाग के अभिनेता का हुआ भव्य स्वागत

समाज जागरण चांदीनगर। रटौल में रविवार को टीवी कलाकार श्रीकांत द्विवेदी के पहुंचते ही कस्बे में जश्न का माहौल बन गया। सुहैल फैय्याज व भेडापुर निवासी सोनू चाहर के निजी कार्यक्रम में शिरकत करने आए कलाकार का लोगों ने फूल-मालाओं से भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम में श्रीकांत ने युवाओं को मोटिवेशन का डोज दिया। कहा, "सपनों को साकार करने के लिए मेहनत जरूरी है। युवा लगन से काम करे तो एक्टिंग में भी बड़ा करियर बना सकता है। बड़े सपने देखो, रास्ता खुद बनता चला जाता है। किसान परिवार से ताल्लुक रखने

वाले श्रीकांत ने बताया कि पहले दिल्ली में जॉब करते थे। एक्टिंग का शौक और सपना लेकर मुंबई गए। कड़ी मेहनत के बाद सीरियल में एंट्री मिली, फिर फिल्मों तक पहुंचे। 2017 में मिस्टर इंडिया का खिताब जीतकर इंटरनेशनल लेवल पर देश का नेतृत्व किया। उन्होंने 'लक्ष्मी नारायण', 'शिव शक्ति', 'नागिन' जैसे सीरियल और 'वॉर', 'डाग' जैसी फिल्मों में काम किया है। फिलहाल 'मेरे कृष्णा' सीरियल में अर्जुन का किरदार निभा रहे हैं। देश-विदेश में स्टेज शो भी कर चुके हैं। इस मौके पर रटौल चेयरमैन हाजी मुंतजिर, श्याम सिंह, प्रवीण, सुहेल, उमेश सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

सरूरपुर कला में गूंजा '12 साल बेमिसाल', मोदी-मंत्र पर उमड़ा जनसैलाब

कुलदीप भारद्वाज बोले- गरीब का माथा ऊंचा किया, राजनीति को सेवा का संकल्प बनाया

समाज जागरण बागपत।

शक्तिकेंद्र सरूरपुर कला-1 में आज पीएम मोदी के 'मन की बात' 134वें एपिसोड का सामूहिक श्रवण हुआ। भाजपा जिला उपाध्यक्ष कुलदीप भारद्वाज मुख्य अतिथि रहे। कार्यकर्ताओं व ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कुलदीप भारद्वाज ने कहा कि मोदी जी के 12 साल 'सत्ता नहीं, सेवा' के साल रहे। इन सालों में भारत ने विकास, सुशासन, गरीब कल्याण और राष्ट्रीय सुरक्षा में नए कीर्तिमान बनाए। आज गांव का आखिरी आदमी भी विकास की मुख्यधारा से जुड़ा महसूस कर रहा है। 'मन की बात' को देशवासियों से पीएम का आत्मीय संवाद बताते हुए कहा कि इसने स्वच्छता, नारी शक्ति और लोकल फॉर वोकल को नई ऊर्जा दी। अंत में सभी ने विकसित भारत के निर्माण का संकल्प लिया। इस मौके पर मास्टर तेजपाल, मोहनपाल शर्मा, सोहनवीर चौधरी, कपिल शर्मा, अरविंद शर्मा, गोलू शर्मा, मोहित शर्मा, विजय शर्मा, हरेंद्र, मोनू नैन, रकम सिंह, सुधीर, तेजवीर प्रधान, महिपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

बागपत पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष विपिन भारद्वाज, शिक्षकों की समस्याएं सुन विधायक ने दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

चैन वेतनमान, CCL-EL लंबित, इएड को 34% सीट देने का विरोध, छपरौली विधायक डॉ. अजय बोले- शिक्षक राष्ट्र के निमार्ता

समाज जागरण बागपत। राजकीय शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष विपिन भारद्वाज का जनपद बागपत में पहली बार आगमन हुआ। रविवार को राजकीय हाईस्कूल फतेहपुर पुठी की प्रधानाचार्य रेखा रानी के बिनौली रोड, बड़ौत स्थित निवास पर शिक्षकों ने भव्य स्वागत किया। प्रांतीय उपाध्यक्ष गुलबीर सिंह के नेतृत्व में राजकीय कन्या इंटर कॉलेज बावली की प्रधानाचार्या कविता चौधरी, राजकीय हाईस्कूल चौबली की प्रधानाचार्या सरोज किशमिशिया, पूजा उज्जवल, जितेन्द्र

कुमार, सचिन पंवार, अवगेंद्र प्रजापति, अश्वनी टांक, अंजली चौधरी, सरोज वर्मा, सुरेश राणा, नितिन कुमार शास्त्री ने माल्यार्पण, पटका व स्मृति चिन्ह भेंट किए। शिक्षकों ने प्रदेश अध्यक्ष के सामने विद्यालयों की ज्वलंत समस्याएं रखीं। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल छपरौली विधायक डॉ. अजय कुमार से मिला। प्रमुख मांगेंः चैन वेतनमान की फाइलों का लंबित होना, CCL-मेडिकल लीव समय पर स्वीकृत न होना, समर कैंप की EL मानव संपदा पोर्टल पर अपडेट न होना, क्लास-2 प्रोन्नति में BEO को 34% सीट का अनाधिकृत कब्जा, लंबित प्रकरणों का निस्तारण। विधायक डॉ. अजय कुमार ने फोन पर अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि शिक्षकों की समस्याएं तत्काल निपटाई जाएं। उन्होंने कहा, "शिक्षक राष्ट्र निमार्ता हैं। उन्हें समाधान के लिए भटकना पड़े, यह दुखद है। अधिकारी खुद संज्ञान लेकर काम करें। मेरा दायित्व है कि शिक्षकों की हर समस्या तुरंत सुलझे।" बाद में प्रांतीय उपाध्यक्ष गुरबीर सिंह के निवास पर बैठक हुई। प्रदेश अध्यक्ष विपिन भारद्वाज ने डॉ. अजय कुमार व जनपद टीम का आभार जताया और भविष्य में कंधे से कंधा मिलाकर काम करने का संकल्प लिया।

बागपत की सियासत में नई हलचल: शिक्षाविद् दिनेश शर्मा को 'राम' की कमान , बड़ौत में गूंजा समर्थन का शंखनाद

पूर्व अफसर अलंकार अग्निहोत्री के 'राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा' का बड़ा दांव; पगड़ी-शॉल से लदे दिनेश शर्मा बोले- घर-घर पहुंचेगी अलख

समाज जागरण बड़ौत। पश्चिमी यूपी की सियासी जमीन पर रविवार को नया भूचाल आया। राष्ट्रवाद और सनातन के एजेंडे पर निकले 'राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा (राम)' ने बागपत की कमान उस चेहरे को सौंप दी जिसकी सादगी के चर्चे हर जुबान पर हैं।

पूर्व प्रशासनिक अधिकारी अलंकार अग्निहोत्री ने शिक्षाविद् दिनेश शर्मा के सिर पर जिला अध्यक्ष का ताज सजाकर साफ कर दिया कि लड़ाई अब आर-पार की होगी। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की राह पर चलते हुए कुर्सी को ठोकर मारने वाले पूर्व अफसर अलंकार अग्निहोत्री ने यूजीसी एक्ट के खिलाफ जो बिगुल फूंका है, उसकी गूंज अब बागपत तक पहुंच गई है। और इस गूंज को घर-घर तक ले जाने का जिम्मा उठाया है दिनेश शर्मा ने। ऐलान होते ही बड़ौत के उतना रोड स्थित फार्म

हाउस में माहौल बदल गया। वरिष्ठ अधिवक्ता राधेश्याम शर्मा और दीपक शर्मा की मेजबानी में जुटे बुद्धि जीवियों का हुजूम ऐसा उमड़ा कि सियासी पंडित भी चौंक गए। मंच पर जैसे ही दिनेश शर्मा पहुंचे, मालाओं से लद गए, सिर पर पगड़ी सजी और कंधे पर शॉल। तालियों की गड़गड़ाहट के बीच साफ हो गया कि 'राम' का ये दांव खाली नहीं जाने वाला। इस मौके पर महामंडलेश्वर आचार्य कृष्ण विश्रुतपाणि, ब्राह्मण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र दत्त शर्मा, प्रधान कृष्ण दत्त शर्मा, सोहनवीर सिंह, रविंद्र सिंह, इंस्पेक्टर राधेश्याम, आचार्य प्रवीण पुलत्स्य, आचार्य उमेश कौशिक, भाकियू किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष सहदेव सिंह, विनीत, सचिन समेत सैकड़ों चेहरों ने आशीर्वाद दिया।

बड़ौत में गूंजा 'जय हिंद': 22 लाख सदस्यों वाले मंच के अध्यक्ष सुरेश शर्मा का जोरदार स्वागत, अनिल शर्मा बने राष्ट्रीय प्रवक्ता

कोताना रोड पर जुटी ब्राह्मण समाज की नामचीन हस्तियां; सुरेश शर्मा बोले - तिरंगा थामो, देश सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं

समाज जागरण बड़ौत। रविवार को कोताना रोड का नजारा बदला-बदला था। समाजसेवी रविंद्र भारद्वाज के शोरूम में जैसे ही जय हिंद मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश शर्मा पहुंचे, फूल-मालाओं से उनका जोरदार स्वागत हुआ। ब्राह्मण समाज के दिग्गजों की मौजूदगी में हुई इस बैठक में राष्ट्र सेवा का संकल्प दोहराया गया। जय हिंद मंच के केंद्रीय संस्थापक सुरेश शर्मा ने मंच से साफ कहा, "हाथ में तिरंगा लेकर देश के लिए खड़े हो जाओ। आज दुनिया में देश सेवा से बड़ा कोई धर्म

नहीं है। इंसान की सबसे बड़ी पहचान उसके देश का सम्मान है। उन्होंने बताया कि जय हिंद मंच आज 375 जिलों में फैल चुका है और 22 लाख लोग इससे जुड़कर देश सेवा में लगे हैं। सुरेश शर्मा ने शहर के गणमान्य लोगों से मंच की सदस्यता लेकर संगठन को और मजबूती देने की अपील की। बैठक का सबसे बड़ा पल तब आया जब वरिष्ठ समाजसेवी अनिल शर्मा निवासी जागौश को मंच की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का राष्ट्रीय प्रवक्ता घोषित किया गया। घोषणा होते ही तालियों से हॉल गूंज उठा। इस मौके पर गृह मंत्रालय की डायरेक्टर चित्रलेखा शर्मा, दो बार राष्ट्रपति अवार्ड से सम्मानित फायर ब्रिगेड चीफ धर्मपाल भारद्वाज और हवाई जहाज एसोसिएशन दिल्ली के अध्यक्ष सीनियर पायलट अनिल शर्मा का भी विशेष सम्मान किया गया। बैठक का संचालन रमेश वशिष्ठ ने संभाला, जबकि अध्यक्षता पं. विजयपाल शर्मा ने की। कार्यक्रम में राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा के बागपत जिला अध्यक्ष दिनेश शर्मा, महा मंडलेश्वर आचार्य कृष्ण विश्रुतपाणी, ब्राह्मण समाज अध्यक्ष पं. विजयपाल शर्मा, डॉ. रमेश वशिष्ठ, श्रद्धानंद शर्मा, रविंद्र भारद्वाज, राधेश्याम शर्मा, पं. गोपाल शर्मा, उत्तम कुमार बाछोड़ समेत शहर के तमाम जाने-माने चेहरे मौजूद रहे।

पीएम स्वनिधि: गुजारे से आत्मनिर्भरता की ओर

पीएम स्वनिधि भारत की अनाधिकारिक शहरी अर्थव्यवस्था में काम करने वाले आपूर्तिकताओं को सहायता देने वाली एक बड़ी पहल के तौर पर उभरी है। बिना किसी गारंटी के ऋण देने के अलावा, इस योजना ने डिजिटल तरीकों को अपनाने को बढ़ावा दिया है, संस्थागत ऋण तक पहुंच को बेहतर बनाया है और सामाजिक सुरक्षा के दायरे को बढ़ाया है। वर्ष 2020 में शुरू होने के बाद से, अब तक 1.12 करोड़ से ज्यादा ऋण वितरित किए जा चुके हैं। इस पहल से शहरों और कस्बों में 75 लाख से ज्यादा लाभार्थियों को फायदा हुआ है। इस योजना के तहत 17,800 करोड़ रुपये से ज्यादा के ऋण दिए गए हैं। इसका असर न सिर्फ. सरकारी आंकड़ों में दिखता है, बल्कि उन लोगों की रोजमर्रा की ज़िंदगी में भी नजर आता है जो अपनी आजीविका को ज्यादा मजबूत और टिकाऊ बना रहे हैं।

भारत के रेहड़ी-पटरी वालों की बदलती कहानी

किसी भीड़भाड़ वाले बाजार में सब्जी बेचने वाला और किसी व्यस्त दफ़्तर के बाहर चाय बेचने वाला– ये भारतीय शहरों में आम नजारे हैं। गलियों में घूमकर फल बेचने वाला और सड़क के किनारे फुटपाथ पर जूते ठीक करने वाला मोची भी रोजमर्रा की शहरी ज़िंदगी के लिए उतने ही जरूरी हैं। ये लाखों रेहड़ी-पटरी वाले मिलकर हर दिन भारत की शहरी अर्थव्यवस्था को चलाते रहते हैं। वे स्थानीय बाजारों और आस-पड़ोस की आपूर्ति श्रृंखला को बनाए रखते हुए किफायती सामान और जरूरी सेवाएं देते हैं। हालांकि, औपचारिक ऋण तक उनकी पहुंच बहुत कम थी, जिसकी वजह से कई विक्रेताओं को बहुत ज्यादा ब्याज दरों पर अनौपचारिक ऋण पर निर्भर रहना पड़ता था। उनकी इन मुश्किलों को दूर करने के लिए, जून 2020 में 'प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि' (पीएम स्वनिधि) योजना शुरू की गई। यह अपनी तरह की पहली सूक्ष्म वित्त (माइक्रो-क्रेडिट) पहल थी, जो रेहड़ी-पटरी वालों पर केंद्रित थी और जिसे सरकार की क्रेडिट गारंटी का सहारा मिला हुआ था। इस योजना का मकसद रेहड़ी-पटरी वालों को "स्वरोजगार, स्वावलंबन और स्वाभिमान" देना था। आज, पीएम स्वनिधि सिर्फ. एक ऋण देने वाली सामान्य योजना से कहीं आगे बढ़कर एक देशव्यापी आंदोलन बन गई है, जो भारत की अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में काम करने वाले लाखों लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, डिजिटल दुनिया से जोड़ने और सामाजिक सुरक्षा देने का काम कर रही है।

पिछले कुछ वर्षों में, इस योजना ने देश भर के शहरों और कस्बों में जबरदस्त तरक्की की है। 75.5 लाख से ज्यादा लाभार्थियों ने 1.12 करोड़ से ज्यादा ऋण लिए हैं, जिनकी कुल रकम 17,800 करोड़ रुपये से ज्यादा है। इस योजना के तहत 55 लाख से ज्यादा लाभार्थियों को डिजिटल माध्यम से जोड़ा गया है। एक साथ मिलकर, उन्होंने लगभग 8.96 लाख करोड़ रुपये के 841 करोड़ से ज्यादा डिजिटल ट्रांजैक्शन किए हैं। पीएम स्वनिधि के तहत लाभार्थियों को डिजिटल कैशबैक प्रोत्साहन और ब्याज सब्सिडी के जरिए लगभग 800 करोड़ रुपये भी मिले हैं। इन मजबूत उपलब्धियों और महसूस किए जाने वाले प्रभाव को देखते हुए, इस योजना को मार्च 2030 तक बढ़ा दिया गया है।

पीएम स्वनिधि योजना की मुख्य विशेषताएं

कार्यशील पूंजी ऋणः बिना किसी गारंटी के 15,000 रुपये, 25,000 रुपये और 50,000 रुपये के ऋण, ब्याज सब्सिडी और क्रेडिट गारंटी सहायता के साथ, तीन चरणों में दिए जाते हैं।

यूपीआई -लिंक्ड रुपे क्रेडिट कार्डः जो विक्रेता दूसरे चरण का ऋण सफलतापूर्वक चुका देते हैं, वे 30,000 रुपये तक की सीमा वाले यूपीआई -लिंक्ड रुपे क्रेडिट कार्ड के लिए पात्र होते हैं।

डिजिटल प्रक्रिया को अपनानाः डिजिटल प्रक्रिया को अपनाने और वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए, स्ट्रीट वेंडरों को खुदरा/थोक डिजिटल ट्रांजैक्शन के लिए 1,600 रुपये तक के कैशबैक प्रोत्साहन दिए जाते हैं। स्वनिधि से समृद्धि (एसएसएस): लाभार्थियों और उनके परिवारों का सामाजिक-आर्थिक विश्लेषण किया जाता है, ताकि उन्हें आठ चुनी हुई केंद्रीय कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जा सके और एक व्यापक सामाजिक सुरक्षा जाल बनाया जा सके। क्षमता निर्माण और उद्यमिता विकासः विक्रेताओं को एफएस एसएआई के सहयोग से वित्तीय साक्षरता, डिजिटल साक्षरता, और खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता में प्रशिक्षण दिया जाता है।

पीएम स्वनिधि योजना का असर

पीएम स्वनिधि का स्वतंत्र असर मूल्यांकन 2023 और 2025 में किया गया था। इन अध्ययनों में निम्नलिखित महत्वपूर्ण सुधार सामने आएः

आर्थिक सशक्तिकरण

इस योजना ने देश भर के विक्रेताओं के लिए व्यापार की स्थिरता को मजबूत किया है और उनकी आमदनी में सुधार किया है। लगभग 95 प्रतिशत लाभार्थियों ने पीएम स्वनिधि के तहत पहली बार औपचारिक संस्थागत ऋण प्राप्त किया। लगभग 30 प्रतिशत लोगों ने बाद में स्वनिधि ऋणों के अलावा अतिरिक्त ऋण भी प्राप्त किया, जो उनकी बेहतर ऋण पात्रता और वित्तीय समावेशन को दशार्ता है। लाभार्थियों की आय में भी औसतन लगभग 20 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई।

पारिवारिक कल्याण में सुधार

पीएम स्वनिधि के तहत हुए आर्थिक लाभों ने लाभार्थियों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस योजना ने आवास की अधिक स्थिरता और पौष्टिक भोजन, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा तक बेहतर पहुंच में सहायता प्रदान की। पीएम स्वनिधि ने शहरी क्षेत्रों के कमजोर समुदायों के बीच सामाजिक समावेशन को भी मजबूत किया है। इस योजना के तहत लगभग 46 प्रतिशत लाभार्थी महिलाएं हैं, जो इसमें मजबूत लैंगिक समावेश को दशार्ता है। लगभग 70 प्रतिशत लाभार्थी हाशिए पर रह रहे समुदायों से हैं, जो इस योजना की समावेशी पहुंच को उजागर करता है।

दृढ़ता और सशक्तिकरण की आवाजें

आंकड़ों और ऋण वितरण के पीछे दृढ़ता, साहस और नई उम्मीदों की कहानियां हैं। कई विक्रेताओं के लिए, पीएम स्वनिधि ने स्थिरता, विकास और उन अवसरों के दरवाजे खोल दिए हैं, जिन्हें कभी उनकी पहुंच से बाहर माना जाता था। देश के अलग-अलग हिस्सों से मिले ये अनुभव इस बात को उजागर करते हैं कि कैसे सही समय पर मिली मदद छोटे व्यवसायों को उबरने, खुद को ढालने और ज्यादा आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने में मदद कर रही है।

एक छोटी स्टॉल से एक दुकान तक

गाज़ियाबाद के नंदग्राम की बबीता शर्मा, एक स्थानीय मंदिर के पास पूजा का सामान बेचने वाली एक छोटी सी दुकान चलाती हैं। हर दिन, श्रद्धालु अगरबत्ती, दीये, फूल, नारियल और पूजा के लिए जरूरी अन्य सामान खरीदने के लिए उनके स्टॉल पर आते हैं। हालांकि इस व्यवसाय से उनके परिवार का गुजारा हो जाता था, लेकिन सीमित पूंजी के कारण उन्हें अक्सर अपने व्यवसाय का विस्तार करने और ग्राहकों की मांग को पूरा करने में मुश्किल होती थी। जुलाई 2020 में, बबीता को शहरी स्थानीय निकाय (यूएलबी) के अधिकारियों के माध्यम से पीएम स्वनिधि योजना के बारे में पता चला। अपनी आजीविका को बेहतर बनाने के एक अवसर के रूप में देखते हुए, उन्होंने इस योजना के तहत ऋण के लिए आवेदन किया। पहला पीएम स्वनिधि ऋण मिलने के बाद, बबीता ने उस राशि का निवेश अतिरिक्त स्टॉक खरीदने और अपने स्टॉल पर और भी नए उत्पाद लाने में किया। उत्पादों की इस विस्तृत श्रृखला ने ज्यादा ग्राहकों को आकर्षित किया और उनकी दैनिक बिक्री और आय को बढ़ाने में मदद की। अपने व्यवसाय में हुए सुधार से उत्साहित होकर, उन्होंने समय पर ऋण चुका दिया और दूसरी किस्त के लिए पात्र हो गईं। उन्होंने इस ऋण का उपयोग एक ठेला खरीदने और अपने बिक्री के सेटअप को बेहतर बनाने के लिए किया।

उद्यम के माध्यम से सीमाओं का विस्तार

तिरुवनंतपुरम की शांति आर, एक दशक से भी ज्यादा समय से सूखी मछली के अपने व्यवसाय के माध्यम से अपने परिवार की मुख्य कमाने वाली सदस्य रही हैं। पीएम स्वनिधि से पहले, वह ऊंची ब्याज दरों वाले सूक्ष्म वित्त ऋण पर निर्भर थीं, जिनकी साप्ताहिक किस्तें चुकाना बहुत मुश्किल होता था। इन वित्तीय दबावों ने उनके व्यवसाय के विकास को सीमित कर दिया था और उनके दैनिक कामकाज पर भी असर डाला था। पीएम स्वनिधि ने शांति को आसानी से उपलब्ध संस्थागत ऋण के माध्यम से धीरे-धीरे अपने व्यवसाय को मजबूत बनाने में मदद की। जैसे-जैसे उनका व्यवसाय स्थिर हुआ, उन्होंने केवल सड़क पर बेचने तक ही खुद को सीमित न रखते हुए, सूखी मछली की पैकिंग और स्थानीय दुकानों में आपूर्ति करने के क्षेत्र में भी अपने व्यवसाय का विस्तार किया। शांति को इस योजना के तहत पहली किस्त के रूप में 10,000 रुपये मिले और बाद में वह तीसरी किस्त के रूप में 50,000 रुपये का ऋण पाने की पात्र हो गईं। इससे उनके पास नकदी का प्रवाह बेहतर हुआ और उन्हें अपने स्टॉक का प्रबंधन ज्यादा कुशलता से करने में मदद मिली। जनवरी 2026 में उन्हें एक स्वनिधि क्रेडिट कार्ड भी मिला, जिसने उनके बढ़ते व्यवसाय को और भी अधिक मजबूती प्रदान की।

आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया को पीएम-सेतु के अंतगत पहली रणनीतिक निवेश योजना की मंजूरी मिली; आंध्र प्रदेश उद्योग-नेतृत्व वाली आईटीआई रूपांतरण में अग्रणी बनकर उभरा

विशाखापत्तनम आईटीआई क्लस्टर को राष्ट्रीय संचालन समिति की मंजूरी मिली, इससे यह 60,000 करोड़ रुपये की पीएम-सेतु योजना के अंतगत पहली परिचालन उद्योग साझेदारी बनी

राष्ट्रीय संचालन समिति (एनएससी) ने एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में उन्नत आईटीआई के माध्यम से प्रधानमंत्री कौशल विकास एवं रोजगार क्षमता उन्नयन योजना (पीएम-सेतु) के अंतर्गत आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया (एएम/एनएस इंडिया) और उनके शैक्षणिक साझेदार न्यू एज मेकर्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (नेमटेक) द्वारा आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम आईटीआई क्लस्टर के लिए प्रस्तुत रणनीतिक निवेश योजना (एसआईपी) को मंजूरी दे दी है। यह मंजूरी पीएम-सेतु के अंतर्गत स्वीकृत होने वाली पहली रणनीतिक निवेश योजना है और इसके साथ ही आंध्र प्रदेश इस योजना के अंतर्गत उद्योग साझेदारी को लागू करने वाला पहला राज्य बन गया है। यह स्वीकृति कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई), भारत सरकार द्वारा नई दिल्ली स्थित कौशल भवन में आयोजित तीसरी राष्ट्रीय संचालन समिति की बैठक के दौरान प्रदान की गई। यह उपलब्धि पीएम-सेतु के उस दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में पहला ठोस प्रयास है जिसके अंर्गगत सरकारी आईटीआई को उद्योग-प्रबंधित, परिणामोन्मुखी संस्थानों में परिवर्तित किया जाएगा। यह परिवर्तन राज्य सरकारों और उद्योग जगत के प्रमुख भागीदारों के बीच गहन साझेदारी के माध्यम से होगा।

श्रीमती देबाश्री मुखर्जी, सचिव, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) के महानिदेशक श्री दिलीप कुमार और राष्ट्रीय संचालन समिति के सदस्य उपस्थित थे। इस चर्चा में क्षमता विकास आयोग (सीबीसी), राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी), वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारी उद्योग मंत्रालय, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, सहभागी राज्य सरकारों, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल),

हीरो मोटोकॉर्प, बजाज ऑटो, आईटीसी लिमिटेड और आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील (एएम/एनएस) इंडिया, नेमटेक सहित उद्योग जगत के प्रमुखों के साथ ही एशियाई विकास बैंक (एडीबी) और विश्व बैंक जैसे विकास साझेदारों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया।

इस बैठक का एक महत्वपूर्ण परिणाम आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम आईटीआई क्लस्टर के लिए आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया द्वारा प्रस्तुत रणनीतिक निवेश योजना की स्वीकृति थी। इस स्वीकृति के साथ, आंध्र प्रदेश पीएम-सेतु के अंतर्गत एंकर इंडस्ट्री पार्टनर (एआईपी) को शामिल करने वाला पहला राज्य बन गया है जो इस योजना के तहत परिकल्पित उद्योग-नेतृत्व वाले हब-एंड-स्पोक मॉडल के संचालन में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। विशाखापत्तनम क्लस्टर की मंजूरी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों को उद्योग-प्रबंधित, परिणाम - उन्मुख संस्थानों में बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है

जो कार्यबल की बदलती आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम होंगे। इस प्रस्ताव की सफल मंजूरी अन्य राज्यों के लिए एक आदर्श के रूप में काम करेगी जो व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण में उद्योग की भागीदारी को मजबूत करना चाहते हैं और देश भर में पीएम-सेतु पहलों के कार्यान्वयन में तेजी लाना चाहते हैं।

राष्ट्रीय संचालन समिति ने प्रतिभागी राज्यों में पीएम-सेतु कार्यान्वयन की समग्र प्रगति की समीक्षा की और उद्योग की भागीदारी को मजबूत करने, संस्थागत शासन में सुधार करने, विशेष प्रयोजन माध्यमों (एसपीवी) की वित्तीय स्थिरता को बढ़ाने और योजना के अंतर्गत परियोजनाओं के संचालन में तेजी लाने के उद्देश्य से नीति और कार्यान्वयन उपायों पर विचार-विमर्श किया। इन चचाओं का मुख्य उद्देश्य उद्योग-नेतृत्व वाले शासन तंत्र को आगे बढ़ाना, परिणाम-आधारित कौशल विकास को बढ़ावा देना और उद्योग, राज्य सरकारों और प्रशिक्षण संस्थानों के बीच साझेदारी को मजबूत करना था ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि

भारत का व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण व्यवस्था उभरती क्षेत्रीय मांगों और भविष्य की कार्यबल आवश्यकताओं को पूरा कर सके। पीएम-सेतु भारत सरकार की प्रमुख पहल है। इसका बजट 60,000 करोड़ रुपये का है और इसका उद्देश्य उद्योग-आधारित हब-एंड-स्पोक मॉडल के माध्यम से 1,000 सरकारी आईटीआई का आधुनिकीकरण करना है।

सपा कार्यालय पर मनाई गई अहिल्याबाई होलकर की जयंती

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) रविवार को समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय पर महारानी अहिल्याबाई होल्कर की जयंती धूमधाम के साथ मनाई गई। इस दौरान सपा कार्यकताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण करते हुए जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। रविवार को शहर के करनाल रोड स्थित सपा कार्यालय पर अहिल्याबाई होलकर की 301वीं जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई। विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह ताना ने बताया कि अहिल्याबाई होल्कर का जीवन साहस, त्याग और लोक कल्याण का उदाहरण है। उन्होने पति और पुत्र की मृत्यु के बाद कुशलता और करूणा से राज्य को संभाला। प्रतिकूल परिस्थितियों में अदम्य साहस का परिचय देते हुए उन्होने दुशमनों को धाराशाई किया। उन्होने सशक्त और निष्पक्ष न्याय व्यावस्था बनाई। उन्होने धर्म निरपेक्षता और संस्कृति का संरक्षण किया। इस दौरान कार्यकताओं ने अहिल्याबाई होल्कर के चित्र पर माल्यार्पण किया और उनके द्वारा बताए गए रास्तों पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर ठाकुर शेर सिंह राणा, सतीश चौयरमेन नोजल, चौधरी कलीम हसन, पूर्व चेयरमैन दीपा पंवार, चौधरी शमशेर जंग, ठाकुर जमीर चौहान, इमरान राणा, चौधरी अश्वनी गुर्जर, बसंत धारियां, राजन तेजान, रविन्द्र जोगी, राव इकराम, विजियंत दहिया, चिराग दहिया आदि मौजूद रहे।

आत्मचिंतन, प्रेम और संस्कार ही सुखी एवं समृद्ध परिवार की वास्तविक नींव, जैन मुनि

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग)शहर के जैन धर्मशाला में अपने प्रवास के अंतिम दिन आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य विनिश्चय सागर महाराज ने कहा कि आत्मचिंतन, प्रेम और संस्कार ही सुखी एवं समृद्ध परिवार की वास्तविक नींव हैं। उन्होंने कहा कि आज अधिकांश लोग सुख, शांति और सुकून की तलाश में भौतिक साधनों एवं बाहरी संसाधनों की ओर दौड़ रहे हैं, जबकि वास्तविक और स्थायी शांति

आत्मज्ञान, आत्मचिंतन तथा सही समझ से प्राप्त होती है। उन्होने कहा कि तीर्थ यात्रा, पूजा-पाठ और धार्मिक गतिविधियां मन को प्रसन्नता अवश्य प्रदान करती हैं, लेकिन जब तक व्यक्ति स्वयं को पहचानने और अपने भीतर झांकने का प्रयास नहीं करता, तब तक उसे जीवन के वास्तविक आनंद की अनुभूति नहीं हो सकती। आत्मचिंतन ही व्यक्ति को सच्चे सुख और संतोष की ओर ले जाता है। उन्होंने कहा कि परिवार मनुष्य के जीवन का सबसे महत्वपूर्ण आधार है। परिवार की खुशहाली केवल धन-संपत्ति से नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास, सम्मान और सहयोग से बनी रहती है। यदि आर्थिक समृद्धि बढ़ती जाए और संस्कार तथा आपसी प्रेम कम होते जाएं, तो परिवार बिखरने लगता है। इसलिए जीवन में त्याग, समझदारी और अच्छे संस्कारों को विशेष स्थान देना आवश्यक है। कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को समय-समय पर अपने व्यवहार, वाणी और संबंधों का मूल्यांकन करना चाहिए। मधुर वाणी और विनम्र व्यवहार लोगों के दिल जीत लेते हैं, जबकि कटु शब्द रिश्तों में दूरियां पैदा कर देते हैं। परिवार में प्रेम और सम्मान बनाए रखने के लिए एक-दूसरे की अच्छाइयों की सराहना करना आवश्यक है।

प्रांतीय शिशु वाटिका नवीन आचार्य प्रशिक्षण वर्ग का समापन

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) शहर के सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में विद्या भारती मेरठ प्रांत द्वारा आयोजित प्रांतीय शिशु वाटिका नवीन आचार्य प्रशिक्षण वर्ग का समापन समारोह रविवार को उत्साह एवं अनुशासनपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण वर्ग में उत्तर प्रदेश के 14 जिलों से लगभग 110 शिक्षिकाओं ने प्रतिभाग किया।

समापन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता शिव कुमार शर्मा ने कहा कि शिशु के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षण प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए, जिसमें पंचतत्व, कर्मेंद्रियां एवं ज्ञानेंद्रियां सक्रिय रूप से जागृत हों। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यालय में प्रभावी शिक्षण व्यवस्था के साथ विद्या भारती के लक्ष्य को स्पष्ट रूप से ध्यान में रखा जाना चाहिए। शिशु वाटिका का वातावरण आकर्षक, प्रेरणादायी, धार्मिक एवं ऐतिहासिक चित्रों से सुसज्जित होना चाहिए, क्योंकि बच्चे अपने आसपास के वातावरण से ही सीखते हैं। उन्होंने आचार्य बहनों से आग्रह किया कि प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त उपयोगी एवं सकारात्मक बातों को अपने व्यवहार में उतारें तथा बच्चों को भी उसके लिए प्रेरित करें। प्रांत संगठन मंत्री प्रदीप गुप्ता ने भारतीय जीवन मूल्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि परिवार में घर का बना भोजन करना, जन्मदिन पर हवन कराना, दान देना तथा बड़ों का आशीर्वाद प्राप्त करना जैसी परंपराएं बच्चों में संस्कारों का विकास करती हैं। कार्यक्रम में चंचल गोयल, विवेक संगल, गुलशन राय संगल, सुमित गुप्ता, चन्द्रदेव, संजय सैनी, रविंद्र कुमार, पल्लवी ऐरन, ममता शर्मा, मीनाक्षी शर्मा, प्रीति शर्मा उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की बैठक का आयोजन

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग)उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की एक आवश्यक बैठक रविवार को एक हाउस में संगठन के संरक्षक बाल कृष्ण शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक का संचालन संगठन के संरक्षक राजेंद्र प्रसाद शुक्ला ने किया।

बैठक में संगठन के महामंत्री प्रवेंद्र कुमार ने शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) के संबंध में उच्चतम न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णय पर चर्चा प्रारंभ की। इस दौरान जिला संयोजक बृजेश शर्मा ने कहा कि संकट की इस घड़ी में जनपद का कोई भी शिक्षक हताश और निराश न हो। उन्होंने कहा कि अभी देश की सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्था संसद के दरवाजे खुले हुए हैं और शिक्षक समाज अपनी मांगों को लेकर लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष करेगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 में संसद द्वारा बनाए गए कानून में आवश्यक संशोधन कराने के लिए शिक्षक संगठन सड़क से संसद तक संघर्ष करने को तैयार है। इसके लिए राष्ट्रीय, प्रदेश एवं जनपद स्तर पर आंदोलन की रूपरेखा शीघ्र ही शिक्षकों के बीच जारी की जाएगी। महामंत्री प्रवेंद्र कुमार ने कहा कि शिक्षक अपने भविष्य, अपने बच्चों के भविष्य तथा देश के करोड़ों विद्यार्थियों के हितों से जुड़े इस मुद्दे पर किसी भी स्तर तक संघर्ष करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने शिक्षकों से एकजुट रहकर संगठन के साथ खड़े रहने का आह्वान किया। बैठक में कवरपाल सिंह, रविंद्र कुमार, कुलदीप कुमार, उमेश कुमार, लोकेश कुमार, विक्रम सिंह, नदीश

घर में घुसकर मारपीट और पथराव, चार पर मुकदमा

समाज जागरण

कैराना। घर में घुसकर महिला के साथ मारपीट और पथराव करने के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। मोहल्ला इकबालपुरा निवासी समरीन ने कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि शुक्रवार शाम मोहल्ले के ही नदीम, अरशद, शमीम और शहादत उसके घर में घुस आए। आरोप है कि चारों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने लाठी-डंडों से उसके साथ मारपीट की। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, तो आरोपी पथराव करने लगे। पथराव का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

आठ वर्षीय बालक को उठाकर सड़क पर पटका

समाज जागरण

कैराना। गली में खेल रहे आठ वर्षीय बालक को पड़ोसी द्वारा उठाकर सड़क पर पटकने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया गया। मोहल्ला अफगानान निवासी शौकत ने मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि शुक्रवार रात करीब नौ बजे उसका आठ वर्षीय पुत्र अब्दुल आहत गली में पड़ोसी अनीस के बच्चों के साथ खेल रहा था। इसी दौरान बच्चों में आपस में कहासुनी और झगड़ा हो गया। आरोप है कि कुछ देर बाद अनीस मौके पर पहुंचा और उसके बेटे को उठाकर सड़क पर पटक दिया। घटना में बालक के सिर और गर्दन में गंभीर चोटें आईं। शोर सुनकर पहुंचे मोहल्ले के लोगों ने बीच-बचाव किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

सामान लेने बाजार गए बालक पर कुत्तों के झुंड ने किया हमला, हालत गंभीर

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) क्षेत्र के गांव सिक्का में सामान लेने बाजार गए बालक पर कुत्तों ने झुंड ने हमला बोलकर घायल कर दिया। घायल बालक को सीएचसी शामली में लाया गया और रैबीज का इंजेक्शन लगवाया गया। घाव गंभीर होने के कारण जिला अस्पताल के लिए रेफर किया गया है।

क्षेत्र के गांव सिक्का निवासी मुर्तजा का 11 वर्षीय पुत्र नवाजिश रविवार को अपने घर से बाजार सामान लेने के लिए गया था। बताया जाता है कि जब वह सामान लेकर लौट रहा था तो कुत्तों के एक झुंड ने बालक पर हमला बोल दिया, जिससे उसके सिर और कान में गंभीर घाव आये है। आसपास मौजूद ग्रामीणों ने दौडकर कुत्तों को भगाया, जिससे बालक की जान बच सकी। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने बालक को शामली सीएचसी में भर्ती कराया गया, जहां उसको रैबीन का इंजेक्शन लगाने के बाद जिला अस्पताल के लिए रेफर किया गया है। चिकित्सकों ने बताया कि सीएचसी में प्रतिदिन करीब 30 लोगों को रैबीज के इंजेक्शन लग रहे है, जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि कुत्तों का आतंक छाया हुआ है, लेकिन स्थानीय स्तर पर आवारा कुत्तों को पकडने के लिए कोई कार्यवाही नही की जा रही है।

दो टैंपोओ की भिड़ंत एक महिला व बच्चे सहित पांच घायल

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) बेटी की शादी के लिए पंडित से शुभ मुहुर्त निकलकर लौट रहे टैंपों सवार परिवार की हाईवे पर खडे दूसरे टैंपों से भीषण टक्कर होने से एक महिला, बच्चे सहित पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना पाकर पहुंची थाना आदर्शमंडी पुलिस ने डायल-108 एम्बुलेंस से जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां दो की दशा गंभीर होने के कारण हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया। थानाभवन निवासी विकास कुमार अपने बडे भाई जैगवार मोती, मोतीराम अपनी पत्नी बबीता तथा छोटे बेटे पंकज के साथ रविवार को अपने टैंपों में सवार होकर गांव लिसाढ स्थित एक पंडित के पास बेटी की शादी के लिए शुभ मुहुर्त निकलवाने के लिए गए थे। बताया जाता है कि जब वह गांव लिसाढ से वापस लौट रहे थे तो टैंपों चला रहे बडे भाई जैगवार मोती को शामली के कस्बा बनत चौराहे पर हाईवें पर खडा टैंपों दिखाई नही दिया और तेज रफ्तार टैंपों की दूसरे टैंपों से जोरदार भिडंत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि दोनों टैपों के परखच्चे उड गए। हादसे की सूचना पाकर थाना आदर्शमंडी पुलिस मौके पर पहुंची और डायल 108 एम्बुलेंस की मदद से सभी घायलों को शामली के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां जैगवार मोती, मोतीराम को गंभीर चोटे आई, जिनकी दशा गंभीर होने के कारण चिकित्सकों द्वारा मेरठ मेडिकल के लिए रेफर कर दिया गया। हादसे में मोतीराम के पैर की हडिडया पूरी तरह से टूट गई है, जिसकी हालत चिंता जनक बनी हुई है।

किशोरी को ले जाने का आरोप

समाज जागरण

कैराना। किशोरी को ले जाने के आरोप में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की। गांव पंजीठ स्थित अशरफ कॉलोनी निवासी एक महिला ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका पति मजदूरी के सिलसिले में बाहर रहता है। आरोप है कि गांव मवी निवासी अनस आए दिन उसके घर के बाहर आकर उसकी 14 वर्षीय बेटी को गलत इशारे करता था। मंगलवार दोपहर वह परिवार के साथ खेत पर मजदूरी करने गई हुई थी। इसी दौरान अनस उसकी बेटी को अपने साथ ले गया। जब वह शिकायत लेकर आरोपी के पिता रियाज के पास पहुंची, तो उसने गाली-गलौज करते हुए धमकी दी। मामले में पुलिस कार्रवाई में जुट गई है।

पुलिस पर अवैध हिरासत और वसूली का आरोप, युवक का दूसरा वीडियो वायरल

--न्याय न मिलने पर एसपी कार्यालय के सामने आत्महत्या की दी चेतावनी

समाज जागरण कांधला।

कस्बे के मोहल्ला खेल निवासी एक युवक ने पुलिस पर अवैध रूप से हिरासत में रखने और कथित तौर पर रुपये वसूलने का आरोप लगाते हुए रविवार को अपना एक और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। युवक ने न्याय न मिलने पर शामली स्थित पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सामने आत्महत्या करने की चेतावनी भी दी है कस्बे के मोहल्ला खेल निवासी आरिफ पुत्र लतीफ ने एडीजी मेरठ और एसपी शामली को भेजे शिकायती पत्र तथा वायरल वीडियो में आरोप लगाया है कि बीते शुक्रवार को मोहल्ले में दो पक्षों के बीच मारपीट हुई थी। घटना के बाद वह सरकारी अस्पताल पहुंचा था, जहां एक पक्ष के लोगों ने उसके साथ भी मारपीट की। आरोप है कि इसके बावजूद पुलिस ने कार्रवाई करने के बजाय उसे ही हिरासत में ले लिया।आरिफ का कहना है कि उसे अवैध रूप से थाने में बैठाकर रखा गया और छोड़ने के नाम पर उससे 16 हजार रुपये भी ले लिए गए। उसने कुछ पुलिस कर्मियों पर मारपीट करने तथा अपराधियों जैसा व्यवहार करने के आरोप भी लगाए हैं। युवक ने चेतावनी दी है कि यदि उसे जल्द न्याय नहीं मिला तो वह शामली स्थित एसपी कार्यालय के सामने आत्महत्या कर लेगा।

बताया जा रहा है कि आरिफ ने 24 घंटे के भीतर दूसरा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। वीडियो क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। मामले में पुलिस की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान या पुष्टि सामने नहीं आई है। वहीं, शिकायत के बाद प्रकरण की जांच की चर्चा है।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डालना पड़ा भारी, युवक गिरफ्तार

समाज जागरण कांधला।

सोशल मीडिया पर सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाली आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट करना एक व्यक्ति को महंगा पड़ गया। पुलिस ने सोशल मीडिया पर विवादित वीडियो पोस्ट करने के मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसका चालान कर दिया है।रविवार को थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार ने बताया कि पुलिस प्रशासन की ओर से समय-समय पर सोशल मीडिया उपयोगकताओं को चेतावनी दी जाती रही है कि किसी भी धर्म, जाति या समुदाय की भावनाओं को आहत करने वाली अथवा सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाली सामग्री पोस्ट न करें। इसके बावजूद एक व्यक्ति द्वारा फेसबुक पर आप त्तिजनक

वीडियो पोस्ट कर माहौल खराब करने का प्रयास किया गया।पुलिस के अनुसार थाना क्षेत्र के एक व्यक्ति द्वारा फेसबुक पर सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने संबंधी वीडियो पोस्ट किए जाने की सूचना मिलने पर मामले की जांच कराई गई। जांच में आरोप सही पाए जाने पर आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था।रविवार को पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी मोहम्मद असलम पुत्र जमीर अहमद निवासी मोहल्ला मौलानान, को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की और बाद में उसका चालान कर दिया।थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार ने कहा कि सोशल मीडिया पर अफवाह , भड़काऊ संदेश या सामाजिक सौहार्द को प्रभावित करने वाली किसी भी पोस्ट को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोगों से सोशल मीडिया का जिम्मेदारी के साथ उपयोग करने और किसी भी आपत्तिजनक सामग्री को साझा करने से बचने की अपील की है।

मारपीट के मामले में मुकदमा दर्ज

समाज जागरण

कैराना। घर में घुसकर दंपति और उनकी बेटियों के साथ मारपीट करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया गया। गांव बीनड़ा निवासी योगेश चौहान ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि पड़ोसी दीपक, उसका भाई विनय और पिता सुहेंद्र उनके रास्ते पर कब्जा करना चाहते हैं। गत सात मई को दोपहर करीब 12 बजे आरोपी उनके मकान के रास्ते पर कब्जा करने की नीयत से गेट तोड़ने लगे। आवाज सुनकर जब वह बाहर निकले, तो आरोपियों ने मारपीट शुरू कर दी। डर के कारण वह अपनी पत्नी के साथ घर के अंदर चले गए, लेकिन आरोपियों ने घर में घुसकर उसके, उसकी पत्नी और दो बेटियों के साथ भी मारपीट कर दी। बाद में आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भाई-बहन पर धारदार हथियार से हमला, तीन आरोपी गिरफ्तार

समाज जागरण कांधला।(फुरकान जंग)

थाना क्षेत्र के मोहल्ला मुस्तफाबाद में तीन दिन पूर्व घर में घुसकर भाई-बहन पर हमला करने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनका चालान कर दिया है। एक फरार आरोपी की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। कस्बे के मोहल्ला मुस्तफाबाद निवासी उमर पुत्र रशीद ने थाने में तहरीर देकर बताया था कि वह अपने घर पर बैठा हुआ था। आरोप है कि इसी दौरान शौकीन पुत्र शफीक, गय्यूर पुत्र शफीक, फरीद पुत्र शफीक तथा अबू शामी पुत्र गय्यूर लाठी, डंडे और धारदार हथियार लेकर उसके घर में घुस आए। आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए उसके भाई आसिफ और बहन बुशरा पर हमला कर दिया।हमले में आसिफ गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि बुशरा के हाथ में भी धारदार हथियार से चोट आई। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और दोनों को आरोपियों के चंगुल से छुड़ाया। इसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। घायल आसिफ का उपचार जिला अस्पताल शामली में चल रहा है।पुलिस ने पीड़ित

की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। रविवार को कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी गय्यूर, शौकीन और फरीद को गिरफ्तार कर उनका चालान कर दिया। जबकि चौथा आरोपी अबू शामी अभी फरार जिसकी पुलिस टीम तलाश कर रही है।थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार ने बताया कि मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चालान कर दिया गया है। फरार आरोपी की तलाश की जा रही है, जिसे जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

जयंत चौधरी की रैली को सफल बनाने में जुटे रालोद नेता, गांव-गांव किया जनसंपर्क

समाज जागरण
कांधला।(फुरकान जंग)

राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी की 10 जून को गांव काबडौत में प्रस्तावित जनसभा को लेकर पार्टी नेताओं ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। रैली को सफल बनाने के उद्देश्य से रविवार को रालोद के सदर विधायक प्रसन्न चौधरी ने क्षेत्र के आधा दर्जन से अधिक गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाकर लोगों से अधिक से अधिक संख्या में रैली में पहुंचने की अपील की।जनसंपर्क अभियान के दौरान विधायक प्रसन्न चौधरी ने गांव भनेड़ा कनियान, डांगरौल, रामपुर खेड़ी, भभीसा, सुन्ना, आजादपुर, भारसी, मतनावली समेत कई गांवों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से

संवाद करते हुए कहा कि जयंत चौधरी किसानों, युवाओं और आमजन के हितों की आवाज को मजबूती से उठा रहे हैं। उन्होंने लोगों से रैली में पहुंचकर अपने नेता का स्वागत करने और कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया। रालोद युवा नेता राजन जावला ने युवाओं से बड़ी संख्या में रैली में शामिल होने की अपील की और कहा कि जयंत चौधरी की नीतियां युवाओं, किसानों और मजदूरों के हित में हैं।जनसंपर्क अभियान के दौरान पार्टी कार्यकताओं और ग्रामीणों में उत्साह देखने को मिला। इस मौके पर प्रदीप हुड्डा, नवीन हुड्डा, सोमगिरि प्रधान, रविंद्र प्रधान, पप्पू भारसी, बलवीर मास्टर, उपेंद्र डांगरौल, योगेश सहित आदि कार्यकर्ता व ग्रामीण मौजूद रहे।

वाइस एडमिरल संजय वात्सायन, पीवीएसएम, एवीएसएम, एनएम ने पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग- इन- चीफ का पदभार संभाला

वाइस एडमिरल संजय वात्सायन, पीवीएसएम, एवीएसएम, एनएम ने 30 मई 2026 को मुंबई में आयोजित एक औपचारिक परेड में पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ का पदभार ग्रहण कर लिया है। इससे पहले, उन्होंने नौसेना मुख्यालय, नई दिल्ली में नौसेना स्टाफ के उप प्रमुख के रूप में कार्य किया। उन्होंने पदभार ग्रहण करने के अवसर पर गौरव स्तम्भ, नौसेना डॉकयार्ड, मुंबई में राष्ट्र की सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले बहादुरों को श्रद्धांजलि अर्पित की। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खडकवासला पुणे के पूर्व छात्र, फ्लैग ऑफिसर को 01 जनवरी 1988 को भारतीय नौसेना में नियुक्त किया गया था। तोप और मिसाइल प्रणालियों के विशेषज्ञ के तौर पर, तीन दशकों से अधिक के अपने विशिष्ट नौसेना करियर के दौरान, उन्होंने समुद्र और जमीन पर कमांड, परिचालन, स्टाफ और प्रशिक्षण से जुड़े विभिन्न प्रकार के दायित्वों का निर्वहन किया है। फ्लैग ऑफिसर ने विभिन्न फ्रंटलाइन युद्धपोतों पर अपनी सेवाएं दी हैं, जिसमें तटरक्षक पोत सी-05, मिसाइल पोत आईएनएस विभूति और नाशक, मिसाइल युद्धपोत आईएनएस कुठार तथा गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट आईएनएस सह्याद्री की कमान संभालना भी शामिल है। डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज, वेलिंगटन, नौसेना युद्ध महाविद्यालय, गोवा और प्रतिष्ठित राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय, नई दिल्ली के स्नातक, फ्लैग

ऑफिसर ने प्रमुख रणनीतिक और नीति-उन्मुख स्टाफ भूमिकाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उन्होंने नौसेना मुख्यालय में कार्मिक और योजना निदेशालयों में स्टाफ संबंधी दायित्वों का निर्वहन किया है, जिसमें 'फ्लैग रैंक' पर पदोन्नति के बाद 'सहायक नौसेना प्रमुख (नीति और योजना)' का पद भी शामिल है। इसके बाद, उन्होंने भारतीय नौसेना के पूर्वी बेड़े की कमान संभाली और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के उप-कमांडेंट तथा पूर्वी नौसेना कमान के चीफ ऑफ स्टाफ के रूप में अपनी सेवाएं दीं। उन्होंने मुख्यालय एकीकृत रक्षा स्टाफ (डीसीआईडीएस) में ऑपरेशन्स और डीसीआईडीएस (नीति, योजनाएं और सेना के विकास) के उप प्रमुख के रूप में भी कार्य किया है। इस दौरान उन्होंने ऑपरेशनों के समन्वय, एकीकरण और संयुक्तता को बढ़ाने, सेना के विकास तथा तीनों सेनाओं में स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने वाली नीतियां बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ का कार्यभार संभालने से पहले वे नौसेना स्टाफ के 47वें वाइस चीफ थे और भारतीय नौसेना की क्षमता बढ़ाने तथा भविष्य की तैयारियों के लिए उत्तरदायी थे। उन्हें परम विशिष्ट सेवा पदक, अति विशिष्ट सेवा पदक और नौ सेना पदक से सम्मानित किया गया है।

ओडिशा, मिजोरम, सिक्किम और मणिपुर राज्यों में गणना चरण शुरू हो गया है।

भारत निर्वाचन आयोग ने भारत के संविधान के अनुच्छेद 324 और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 21 के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए 14 मई, 2026 को 16 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का आदेश दिया है। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे और कोई भी अपात्र व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल न हो । भारत का प्रत्येक नागरिक , जिसकी आयु पात्रता तिथि पर अठारह वर्ष से कम न हो और जो किसी अन्य कानून के तहत अपात्र न हो, मतदाता सूची में पंजीकरण कराने का हकदार होगा।

चुनाव आयोग के दिनांक 14.05.2026 के आदेश के अनुसार, ओडिशा, मिजोरम, सिक्किम और मणिपुर राज्यों में 30.05.2026 से गणना चरण प्रारंभ हो गया है । वे सभी पात्र मतदाता जिनके गणना प्रपत्र निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) को 28.06.2026 या उससे पहले प्राप्त हो जाएंगे, उन्हें मसौदा मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा । जो मतदाता 28.06.2026 तक अपने गणना प्रपत्र जमा करने में असमर्थ हैं, वे दावा और आपत्ति अवधि के दौरान निर्धारित घोषणा पत्र के साथ प्रपत्र 6 के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं ।

एसआईआर की गणना के चरण के दौरान, बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर सभी मतदाताओं को गणना प्रपत्र प्रदान करते हैं। मतदाता विधिवत भरा हुआ प्रपत्र बीएलओ के माध्यम से या ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। अधिकतम कवरेज सुनिश्चित करने के लिए, बीएलओ प्रपत्रों के वितरण, संग्रहण और सत्यापन के लिए प्रत्येक घर का दौरा करेंगे।

घर-घर जाकर की जाने वाली गणना के दौरान, बीएलओ को कम से कम 30 खाली फॉर्म 6 के साथ-साथ खाली घोषणा पत्र भी ले जाने होंगे, ताकि वे नए मतदाता के रूप में पंजीकरण कराने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति को ये फॉर्म उपलब्ध करा सकें।

राजनीतिक दलों की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से, आयोग ने मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बूथ स्तरीय एजेंटों (बीएलए) को जनता से प्रतिदिन अधिकतम 50 प्रपत्र एकत्र करने और मसौदा प्रकाशन से पहले उन्हें बीएलओ को सौंपने की अनुमति दी है। राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल एसआईआर प्रक्रिया के सुचारू और प्रभावी संचालन में बीएलओ की सहायता के लिए अधिक बीएलए नियुक्त कर सकते हैं।

दो दिवसीय टी -20 मुकाबले का समापन, मीडिया टीम ने 7 रनों से जीता मुकाबला : अच्छे स्वास्थ्य के लिए नशा नहीं, खेलों को अपनाओ: लोहिया

: पुलिस अधीक्षक के मार्ग दर्शन में नशे पर कसी जा रही है नकेल: एसएचओ संजय

: वाहन चालक नशे में गाड़ी न चलाएं : ट्रैफिक एसएचओ

दैनिक समाज जागरण, जिला संवाददाता। (महेन्द्र जावला बहल)

भिवानी। विश्व हिंदी पत्रकारिता दिवस एवं विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर सामाजिक संस्था नेताजी सुभाष चंद्र बोस युवा जागृति सेवा समिति द्वारा आयोजित दो दिवसीय टी 20 मुकाबला में मीडिया इलेवन और बाला जी कोचिंग सेंटर टीम के बीच रोमांचक मुकाबला रहा। आज दूसरे दिन के टी 20 मुकाबले नशा मुक्ति के संदेश को लेकर गांव ढाणा नरसान के क्रिकेट ग्राउंड की पिच पर रहे। जिसका शुभारंभ महंत चरण दास महाराज के सानिध्य में मुख्य अतिथि एवं पीसीसीएआई अध्यक्ष सुरेंद्र लोहिया, मुख्य वक्ता ट्रैफिक एसएचओ संजय कुमार और सड़क सुरक्षा अभियान के सूत्रधार संदीप कुमार, समाजसेवी कृष्णा स्वामी, राजीव मित्तल ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार अजय मल्होत्रा ने की। स्वागत अध्यक्ष राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता अशोक कुमार भारद्वाज रहे। जिन्होंने सभी अतिथियों का स्वागत व सम्मान किया। जिसमें कोचिंग सेंटर की टीम ने टॉस जीतते हुए पहले फील्डिंग का निर्णय लिया। इस दौरान मीडिया एकादश की टीम ने तेज गेंदबाजी का सामना करते हुए बल्लेबाजी की और इस दौरान मीडिया एकादश के बल्लेबाज अनिल बेधड़क ने बेधड़क 7 चौके जड़ते हुए हुए 53 रनों का बड़ा स्कोर खड़ा किया और 15 ओवर तक क्रीज पर जमे रहे। नवीन कुमार, सुंदर कुमार, अमन, कप्तान जॉनी सहित अनेक खिलाड़ियों की सहभागिता के चलते मीडिया टीम ने कोचिंग सेंटर की टीम के समक्ष 174 रनों का टारगेट दिया। इस फाइनल मुकाबले में जवाब में खेलते हुए बाला जी कोचिंग सेंटर टीम पहले दो ओवर में लड़खड़ा गई, मीडिया के तेज गेंदबाज के सामने सेंटर के बल्लेबाज अमन हलवास ज्यादा देर तक रुक नहीं पाए और 13 रनों पर आउट हो गए। उसके साथ में पंकज कुमार क्रीज पर डटे रहे , उनका साथ देने के लिए केपी वर्मा पहुंचे,लेकिन 23 रन का स्कोर साझा कर केच आउट हो गए। उनके बाद मोर्चे को टीम मैनेजर भूपेंद्र कुमार ने संभाला और 16 ओवर तक मीडिया के लिए गले की फांस बन गए। जिसकी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी के चलते सेंटर की टीम का स्कोर 17ओवर में 147 रन का खड़ा हो गया, यहां खराब गेंदबाजी के चलते 18ओवर में 6 बोल वाईड रही और दोनों टीमों के बीच मुकाबला तुल गया। अंतिम छोर में मीडिया के टारगेट को छूने के लिए बाला जी कोचिंग टीम को एक ऑवर में 10रनों की जरूरत थी, जिसे वह बना नहीं पाई और यह मुकाबला मीडिया टीम ने 7 रनों से जीत लिया विजेता व उप विजेता टीमों से जुड़े खिलाड़ियों व ग्रामीण युवाओं को संबोधित करते हुए महंत चरण दास महाराज, पीसीसीएआई अध्यक्ष सुरेंद्र लोहिया, मुख्य वक्ता ट्रैफिक एसएचओ संजय कुमार, हरियाणा यूनियन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय मल्होत्रा , मिडिया टीम कोच अजय सैनी ने कहा कि भाग दौड़ की जिंदगी में इस प्रकार के खेल उत्सव हमारे स्वास्थ्य को सही रखते हैं, उन्होंने कहा कि खेल के माध्यम से हम अपने स्वास्थ्य को सही रख सकते हैं । इसलिए व्यक्ति के जीवन में खेलों का होना भी बहुत जरूरी है , उन्होंने कहा कि चाहे खेल हो या कोई भी उत्सव हमें नशे जैसी बुराई से दूर रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर हर युवा संकल्प ले कि हमें इस मीठे जहर से बचना है और लोगों को बचाना है। कहा कि तंबाकू के सेवन से देश में लाखों की जान जा रही है। अनेक बीमारियां जन्म ले रही हैं। आयोजक एवं राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता अशोक कुमार भारद्वाज ने बताया कि विश्व हिंदी पत्रकारिता दिवस और विश्व तंबाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस दो दिवसीय टी-20 प्रतियोगिता का उद्देश्य पत्रकारों को खेलों से जोड़ना और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ से जुड़े पत्रकार दिनभर तनावपूर्ण वातावरण में कार्य करते हैं। इस लिए खेल से वो अपने स्वास्थ्य को भी सही रख सकते हैं। इस अवसर पर प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिकस मीडिया से मंडन मिश्रा, इंद्रवेश दुहन, मयूर जांगडा, दीपक शर्मा, अनिल जुई, दीपक कुमार, दीपक, अमन कुमार , नवीन श्योराण ,

जगबीर दुग्गल, राजीव मित्तल, कृष्णा स्वामी , भगवद कौशिक,जॉनी कुमार, नवीन, कपिल वर्मा, प्रवीण गोलागढ़, सुंदर कुमार , जेडी कुमार, मिंटू सैनी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

ज्येष्ठ पूर्णिमा पर श्री बालाजी धाम डोभ में विशाल भंडारा , संकीर्तन, भक्त मेला एवं नि : शुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन

दैनिक समाज जागरण, जिला संवाददाता। (महेन्द्र जावला बहल)

भिवानी, 31 मई। श्री बालाजी धाम, गाँव डोभ में ज्येष्ठ पूर्णिमा के पावन अवसर पर विशाल भंडारा, संकीर्तन, भक्त मेला एवं निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः हवन-यज्ञ एवं श्री हनुमान चालीसा पाठ के साथ हुआ।

धाम के संस्थापक एवं प्रधान श्री पुरुषोत्तम दास बंसल ने बताया कि प्रत्येक माह पूर्णिमा के अवसर पर दोपहर 12:00 बजे से 3:30 बजे तक श्री बालाजी महाराज के दरबार में संकीर्तन, भंडारा, भक्त मेला एवं स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया जाता है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेकर पुण्य लाभ प्राप्त करते हैं। इस अवसर पर डॉ. चंदर गर्ग, डायरेक्टर, जेड ग्लोबल स्कूल, रोहतक ने मुख्य यजमान के रूप में सहभागिता कर श्री बालाजी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया। वहीं सी.ए. आदित्य सिंगला, सुपुत्र सी.ए. सुरेश चंद सिंगला एवं उनके परिवार द्वारा श्रद्धापूर्वक भंडारे की सेवा प्रदान की गई। भक्तों को भक्ति रस में सराबोर करने के लिए प्रसिद्ध भजन गायक रामकेश जीवनपुरिया, अंजू सहरावत (सोनीपत) एवं प्रणवी गोयल (रोहतक) ने मनमोहक भजनों की प्रस्तुति दी। वहीं रिंकू महादेव द्वारा प्रस्तुत सुंदर एवं आकर्षक झांकियों ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन विनोद गुप्ता ने किया। कार्यक्रम के दौरान यह भी बताया गया कि प्रत्येक रविवार को शनि देव मित्र मंडल, तेज कॉलोनी, रोहतक एवं अन्य श्रद्धालुओं द्वारा श्री दुर्गा भवन मंदिर, भिवानी स्टैंड, रोहतक से श्री बालाजी धाम, डोभ तक पैदल ध्वजा यात्रा निकाली जाती है। इस रविवार श्रद्धा, उत्साह एवं भक्ति भाव के साथ 91वीं पैदल ध्वजा यात्रा धाम में पहुँची, जहाँ यात्रियों का भव्य स्वागत किया गया।

निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर में आँखों, दाँतों, कान-नाक-गला रोगों की जाँच, कोरियन मशीनों द्वारा एक्यूप्रेशर सेवा, चिकित्सा परामर्श, देशी वैद्य सेवा, विभिन्न प्रकार की दवाइयाँ एवं चश्मे निःशुल्क वितरित किए गए। श्रद्धालुओं ने इस सेवा कार्य की सराहना करते हुए इसे जनकल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। इस अवसर पर रमेश गुप्ता, नवीन तनेजा, हर्षित कोचर, अधिवक्ता रमेश खुराना, राम कुंवर पंचाल, अधिवक्ता एन.के सिंगल बलवंत राय, राम

अवतार गर्ग, धर्मपाल रोहिल्ला, नीरज सैनी, बलदेव राज कत्याल, पवन सरीन, बिट्टू दुआ, रवि चिटकारा, राजेश गोयल, सुनील निमाड़ी, कविता निमाड़ी, ममता, सारिका सहित मंडल के सदस्यगण एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

तपोभूमि जटेला धाम आश्रम में पूर्णिमा महोत्सव में पधारे आरएसएस के वरिष्ठ प्रचारक बड़े दिनेश

आरएसएस के वरिष्ठ प्रचारक बड़े दिनेश ने आश्रम से माजरा मंडी तक बनने वाली सड़क एवं पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का किया उद्घाटन

तपोभूमि जटेला धाम आश्रम देश भर मे अध्यात्म,योग,आयुर्वेद,के साथ ही पर्यावरण संरक्षण की जगा रहा अलख : बड़े दिनेश

दैनिक समाज जागरण, जिला संवाददाता। (महेन्द्र जावला बहल)

भिवानी, 31 मई। स्वामी नितानंद महाराज की तपोभूमि जटेला धाम आश्रम में पीठाधीश्वर महंत श्री राजेंद्र दास महाराज के परम सानिध्य में पूर्णिमा महोत्सव में आरएसएस राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य,वरिष्ठ प्रचारक एवं विश्व हिन्दू परिषद् के संरक्षक माननीय श्री बड़े दिनेश ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की।

महंत श्री राजेंद्र दास महाराज के परम सानिध्य में आरएसएस राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, वरिष्ठ प्रचारक माननीय श्री बड़े दिनेश ने आश्रम से माजरा मंडी तक बनने वाली सड़क एवं पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण अभियान का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि तपोभूमि धाम आश्रम स्वामी नितानंद महाराज जी की तपोस्थली है। आश्रम द्वारा देश भर में अध्यात्म योग आयुर्वेद चिकित्सा के साथ ही पर्यावरण संरक्षण की अलख जगाई जा रही है जोकि बहुत ही सराहनीय कदम है। उन्होंने कहा कि हमारा धर्म एवं संस्कृति विश्व में सर्वश्रेष्ठ है, हमें अपने राष्ट्र,सनातन एवं संस्कृति पर पूर्णतया गर्व करना चाहिए।

उन्होंने पीठाधीश्वर महंत श्री राजेंद्र दास महाराज के परम सानिध्य में आश्रम द्वारा संचालित कार्यों की अत्यंत सराहना की और इन्हें राष्ट्र और समाज हित में जरूरी बताया।

पीठाधीश्वर महंत श्री राजेंद्र दास महाराज ने इस अवसर पर कहा कि हमें प्रकृति से मैत्रीपूर्ण भाव रखना चाहिए। हमें अपने संसाधनों का सदुपयोग करना चाहिए और पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है। हमें राष्ट्र के प्रति पूर्ण समर्पित भाव से काम कर विकसित भारत 2047 की संकल्पना को साकार करने के में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें मानव जीवन को यदि सार्थक बनाना है तो प्रभु का सुमिरन करते हुए जीवों की सेवा करते हुए प्रकृति संरक्षण के लिए कार्य करना चाहिए।

इस अवसर पर पूर्व चेयरमैन गोबिंद भारद्वाज, आर्यावर्त सेवा न्यास के संस्थापक विनीत पिलानिया, सुप्रसिद्ध समाजसेवी संजय अग्रवाल, हाजी मोहम्मद स्किल सैफी ने बतौर विशिष्ट अतिथि शिरकत की। पूर्णिमा महोत्सव में अनेक गणमान्य नागरिकों सहित हजारों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

धरती मां को बचाने का राष्ट्रीय संकल्प, 1 जून से रायसेन से शुरू होगा खेत बचाओ अभियान'

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने देशभर के कृषि तंत्र को किया आह्वान, बोले- कर्मकांड नहीं, पूरी अंतरात्मा से उतरें खेतों में

श्री शिवराज सिंह की पहल पर देशभर के केवीके, आईसीएआर के संस्थान, कृषि विश्वविद्यालय और सभी राज्य तंत्र एक मंच पर

अभियान के माध्यम से किसानों-खेतों के हित में चलेगा राष्ट्रव्यापी जनआंदोलन- केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान

संतुलित उर्वरक उपयोग, प्राकृतिक खेती, नकली खाद-बीज पर प्रहार- ह्यखेत बचाओ अभियानह्ण का बहुआयामी रोडमैप तैयार

एक जून को राष्ट्रीय शुभारंभ से पहले केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह ने किया उत्साहवर्धन, कहा- धरती मां की लाज रखना हम सबका दायित्व

श्री शिवराज सिंह की अभियान में शामिल होने के लिए सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से फोन पर चर्चा, केंद्रीय मंत्रियों से भी सहभागिता की अपील

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह भी अभियान के दौरान विभिन्न राज्यों में गांवों में जाकर किसानों से करेंगे सीधा संवाद

एक जून को मध्य प्रदेश के रायसेन जिले से होने वाले खेत बचाओ अभियान के राष्ट्रीय शुभारंभ से पूर्व, केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज देशभर के कृषि विज्ञान केंद्रों, आईसीएआर संस्थानों, कृषि विश्वविद्यालयों, केंद्र एवं राज्य सरकारों के वरिष्ठ कृषि अधिकारियों तथा किसान हित में कार्यरत साथियों से वर्चुअल संवाद कर अभियान को जनभागीदारी, वैज्ञानिक दृष्टि और राष्ट्रीय दायित्व के साथ आगे बढ़ाने का आह्वान किया। शिवराज सिंह ने इस महत्वपूर्ण अभियान में शामिल होने के लिए सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से फोन पर चर्चा की है, वहीं वे केंद्रीय मंत्रियों और अन्य सभी जनप्रतिनिधियों से भी सहभागिता की अपील कर रहे हैं।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने प्रेरक संबोधन में कहा कि यह केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि धरती मां को बचाने, खेती का भविष्य सुरक्षित करने और आने वाली पीढ़ियों के अधिकारों की रक्षा करने का राष्ट्रीय अभियान है। उन्होंने कहा कि बढ़ता तापमान, रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का असंतुलित उपयोग, मिट्टी के स्वास्थ्य में गिरावट और बदलते जलवायु संकट खेती के सामने गंभीर चुनौती बनकर खड़े हैं, इसलिए समय रहते व्यापक जागरूकता और व्यवहारिक हस्तक्षेप आवश्यक है।

श्री चौहान ने बताया कि 1 जून को रायसेन जिले के रामसिया गांव से प्रारंभ हो रहा राष्ट्रव्यापी खेत बचाओ अभियान किसानों को संतुलित उर्वरक उपयोग, मिट्टी परीक्षण, सॉयल हेल्थ कार्ड, प्राकृतिक खेती, फसल चयन, जल संरक्षण, हरी खाद, कम वर्षा की स्थिति में वैकल्पिक कृषि पद्धतियों तथा नकली खाद-बीज और पेस्टिसाइड की पहचान जैसे विषयों पर जागरूक करेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि केवल सलाह देना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि खेत स्तर पर डेमो, वैज्ञानिक प्रमाण और व्यवहारिक उदाहरणों के माध्यम से किसानों का विश्वास मजबूत करना होगा। केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि देशभर में 30 जून तक का विस्तृत रोडमैप तैयार किया जाए, जिसमें यह स्पष्ट हो कि कौन अधिकारी, वैज्ञानिक, संस्थान या टीम किस तिथि को किस गाँव में जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि हर जिले का कार्यक्रम पूर्व नियोजित हो, डैशबोर्ड आधारित मॉनिटरिंग हो, स्थानीय स्तर पर समुचित व्यवस्थाएँ सुनिश्चित हों और अभियान के हर चरण में प्रभावी समन्वय दिखाई दे। श्री चौहान ने राज्यों के कृषि विभागों की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इस अभियान को सफल बनाने के लिए केंद्र, राज्य, आईसीएआर, कृषि विश्वविद्यालय, कृषि विज्ञान केंद्र, जनप्रतिनिधि, विद्यार्थी और किसान हितैषी संस्थाएँ एकजुट होकर कार्य करें। उन्होंने सांसदों, विधायकों और अन्य जनप्रतिनिधियों को भी अभियान से जोड़ने तथा प्राकृतिक खेती व टिकाऊ कृषि के व्यवहारिक नमूने प्रस्तुत करने पर बल दिया।

श्री शिवराज सिंह ने कहा कि अभियान को बहुउद्देश्यीय स्वरूप देते हुए किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना, सॉयल हेल्थ कार्ड, मिनी बीज किट, दलहन-तिलहन मिशन तथा कृषि यंत्रीकरण जैसी योजनाओं का लाभ भी किसानों तक पहुँचाया जाए, इससे खेत बचाने के साथ-साथ किसान की आय, जागरूकता और कृषि प्रबंधन क्षमता को भी मजबूत किया जा सकेगा।

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह ने प्रचार-प्रसार पर जोर देकर इसे अभियान का अहम हिस्सा बताते हुए कहा कि यह देशहित का कार्यक्रम है और इसकी जानकारी जितनी तेजी से गाँव-गाँव पहुँचेगी, अभियान उतना ही प्रभावशाली बनेगा। उन्होंने अधिकारियों और वैज्ञानिकों से कहा कि वे बिना संकोच मीडिया से संवाद करें, क्योंकि यह अभियान धरती, खेती और अन्नदाता के भविष्य से जुड़ा हुआ है। श्री शिवराज सिंह चौहान ने विश्वास व्यक्त किया कि जैसे पूर्व में विकसित कृषि संकल्प अभियान ने व्यापक प्रभाव छोड़ा, उसी प्रकार खेत बचाओ अभियान भी देशव्यापी जनजागरण और कृषि सुधार का सफल अध्याय बनेगा। उन्होंने सभी साथियों से आह्वान किया कि वे पूरी निष्ठा, तैयारी और संवेदनशीलता के साथ गाँव-गाँव पहुँचकर किसानों को सही जानकारी दें और धरती माँ के संरक्षण का यह संकल्प जनआंदोलन में बदलें। केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह स्वयं भी इस अभियान के दौरान विभिन्न राज्यों में गांवों में जाकर किसानों से सीधा संवाद करेंगे।

नशा तस्करों और असामाजिक तत्वों पर शिकंजा

रेलवे स्टेशन व अन्य संदिग्ध स्थानों पर थाना कालांवाली *पुलिस का कांबिंग ऑपरेशन

समाज जागरण

कालांवाली 31 मई(सुरेश जोरा सिया) पुलिस अधीक्षक जसलीन कौर आईपीएस के दिशा-निदेर्शानुसार नशा तस्करी एवं अन्य अवैध गति विधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से थाना कालांवाली पुलिस टीम द्वारा रेलवे स्टेशन कालांवाली तथा अन्य संदिग्ध स्थानों पर विशेष कांबिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पुलिस टीम ने रेलवे स्टेशन परिसर, आसपास के सार्वजनिक स्थलों, सुनसान क्षेत्रों तथा अन्य संवेदनशील स्थानों की गहनता से जांच की। इसके साथ ही संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ कर उनकी गतिविधियों का सत्यापन किया गया। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि एसएचओ सब इंस्पेक्टर विजय कुमार के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान का मुख्य उद्देश्य नशा तस्करी नेटवर्क पर निगरानी रखना, नशा बेचने व सेवन करने वालों की पहचान करना तथा क्षेत्र में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है। पुलिस टीमों ने विभिन्न स्थानों पर सघन कांबिंग करते हुए संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखी तथा आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। पुलिस ने स्पष्ट किया कि नशा तस्करों एवं असामाजिक तत्वों के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा और किसी भी कीमत पर ऐसे तत्वों को बख्शा नहीं जाएगा। डबवाली पुलिस नशा मुक्त समाज के निर्माण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। आमजन से अपील है कि अगर आपके आसपास कोई व्यक्ति नशा बेचता है, नशा तस्करी में संलिप्त है तो इसकी सूचना मानस पोर्टल, हेल्पलाइन नंबर 1933 और डबवाली पुलिस के मोबाइल नंबर 9138999748 पर दें अथवा किसी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत अपने नजदीकी थाना, चौकी अथवा डायल-112 पर दें। नशा मुक्त एवं अपराध मुक्त समाज के निर्माण में आमजन का सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है।

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन ने 90 करोड़ 'आभा' खातों का रिकॉर्ड बनाया

2021 में आभा खातों की संख्या 14.7 करोड़ से बढ़कर 2026 में 90 करोड़ हुई

उत्तर प्रदेश 15.3 करोड़ से अधिक आभा खातों के साथ देश में सबसे आगे; राजस्थान और महाराष्ट्र ने 7 करोड़ का आंकड़ा पार किया

कुल आभा खाताधारकों में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग आधी, यह डिजिटल स्वास्थ्य तंत्र के समावेशी विकास को दशार्ता है

स्वास्थ्य सेवा तंत्र को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण द्वारा कार्यान्वित आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन ने पूरे देश में 90 करोड़ 'आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खातों' (आभा) को खोलने का रिकॉर्ड बनाया है। यह भारत की एक जुड़े हुए, परस्पर सुसंगत और नागरिक-केंद्रित डिजिटल स्वास्थ्य तंत्र की यात्रा में बड़ी उपलब्धि है।

आभा एक विशिष्ट 14-अंकीय डिजिटल स्वास्थ्य पहचान है, जो नागरिकों को उनकी सहमति से उनके स्वास्थ्य रिकॉर्ड को सुरक्षित रूप से जोड़ने, देखने और साझा करने में सक्षम बनाती है। 'आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन' के प्रमुख आधार स्तंभों में से एक के रूप में, आभा विभिन्न स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं, केंद्रों और डिजिटल स्वास्थ्य ऐप्स के बीच लंबे समय तक चलने वाले स्वास्थ्य रिकॉर्ड बनाने में मदद करती है, जिससे नागरिकों को उनकी स्वास्थ्य संबंधी जानकारी पर अधिक नियंत्रण और अधिकार मिलता है।

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन की शुरूआत के बाद से आभा खाते बनाने में लगातार बढ़ोतरी हुई है। कैलेंडर वर्ष के आधार पर, कुल आभा खातों की संख्या 2021 में 14.7 करोड़ से बढ़कर 2022 में 30.4 करोड़, 2023 में 50.6 करोड़, 2024 में 72.2 करोड़ और 2025 में 84.5 करोड़ हो गई। 2026 में इन खातों की संख्या ने 90 करोड़ के ऐतिहासिक आंकड़े को पार कर लिया। इस उपलब्धि पर बात करते हुए, राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, डॉ. सुनील कुमार बर्नवाल ने कहा कि, ह्य90 करोड़ से अधिक आभा खातों का खुलना आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन में नागरिकों, राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और इस तंत्र में बढ़ती भागीदारी को दशार्ता है। ह्यआभाह्ण नागरिकों को उनकी अपनी स्वास्थ्य संबंधी जानकारी तक सुरक्षित और सहमति-आधारित पहुंच प्रदान कर उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जैसे-जैसे आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन को अपनाने की संख्या और बढ़ेगी, आभा इलाज की निरंतरता सुनिश्चित होगी और कागजी रिकॉर्ड पर निर्भरता कम होगी साथ ही एक अधिक सुगम, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित स्वास्थ्य सेवा वितरण प्रणाली बनाने में मदद मिलेगी। इस उपलब्धि को हासिल करने में देश भर के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की मजबूत भागीदारी का बड़ा योगदान रहा है। उत्तर प्रदेश 15.3 करोड़ से अधिक आभा खातों के साथ देश में सबसे आगे है, इसके बाद राजस्थान और महाराष्ट्र प्रत्येक 7.1 करोड़ खातों के साथ दूसरे स्थान पर हैं, बिहार 6.3 करोड़ के साथ तीसरे और पश्चिम बंगाल 5.9 करोड़ आभा खातों के साथ चौथे स्थान पर है। मध्य प्रदेश, गुजरात, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और कर्नाटक ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जो डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को राष्ट्रव्यापी स्तर पर अपनाए जाने को दिखाता है। कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने अपनी आबादी के अनुपात में आभा खातों का उच्च स्तर भी हासिल कर लिया है। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, लद्दाख, लक्षद्वीप और दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव ने शत प्रतिशत खाते खोल लिए हैं। बड़े राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में, आंध्र प्रदेश ने 98.5% आभा खातों की संख्या दर्ज की है, इसके बाद ओडिशा (91.9%), चंडीगढ़ (90.8%), राजस्थान (89.7%), हिमाचल प्रदेश (88.9%) और छत्तीसगढ़ (86.6%) का स्थान है। जम्मू और कश्मीर, त्रिपुरा और तेलंगाना ने भी 75 प्रतिशत से अधिक आभा खाते खोले हैं। यह उपलब्धि भारत के डिजिटल स्वास्थ्य तंत्र में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को भी दशार्ती है। बनाए गए कुल आभा खातों में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग आधी है, जो कुल आभा खाता धारकों का 49.75% है। यह ग्रामीण क्षेत्रों सहित महिलाओं को उनके स्वास्थ्य रिकॉर्ड तक सुरक्षित डिजिटल पहुंच प्रदान कर उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आभा स्वास्थ्य प्रणाली के तहत पहली बार में ही इलाज कराने में सहायता कर सकता है, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल, टीकाकरण और अन्य आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं भी इसमें शामिल हैं।

बहुपक्षीय अभ्यास प्रगति 2026, मेघालय के उमरोई में संपन्न हुआ

मेघालय के उमरोई सैन्य स्टेशन में आयोजित बहुपक्षीय अभ्यास प्रगति 2026 का प्रथम आयोजन 72 घंटे के परीक्षण अभ्यास के साथ संपन्न हुआ। इसमें भाग लेने वाले सशस्त्र बलों की परस्पर सहयोग क्षमता, आपसी विश्वास और साझा सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के सामूहिक संकल्प का प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम में 13 मित्र देशों के छह उप प्रमुखों और 40 से अधिक वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने भाग लिया। सेना के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने सभी प्रतिभागी देशों के गणमान्य व्यक्तियों की मेजबानी की। प्रगति का पूरा नाम है हिंद महासागर क्षेत्र में विकास और परिवर्तन के लिए क्षेत्रीय सेनाओं की साझेदारी। इस अभ्यास में भारत, भूटान, कंबोडिया, मलेशिया, मालदीव, म्यांमार, नेपाल, फिलीपींस, सेशेल्स, श्रीलंका, वियतनाम, इंडोनेशिया और लाओस के 400 से अधिक सैनिक एक साथ आए। यह अभ्यास समानता, मित्रता और आपसी सम्मान की भावना से आयोजित किया गया था, जिसने क्षेत्रीय साझेदारों को अनुभव साझा करने, सर्वोत्तम विधियों को अपनाने और सैन्य सहयोग को मजबूत करने के लिए एक साझा मंच प्रदान किया। इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य अर्ध-पहाड़ी और जंगली इलाकों में आतंकवाद-विरोधी अभियान चलाना था। व्याख्यानों, प्रदर्शनों, अभ्यासों और विशेष कौशलों के माध्यम से व्यापक प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद, प्रतिभागियों ने 72 घंटे का परीक्षण अभ्यास किया, जिसने प्रशिक्षण के परिणामों को सुदृढ़ किया और अभ्यास के दौरान प्राप्त परिचालन तालमेल को प्रदर्शित किया।

इस प्रशिक्षण में चट्टानों पर निशान बनाना, घात लगाकर हमला करने और जवाबी हमले का अभ्यास, रेंगना, जंगल में गोलीबारी, कमरे और बस में घुसपैठ, गुप्त विस्फोट उपकरणों का पता लगाना, घायलों को निकालना और अन्य विशिष्ट कौशल सहित कई प्रकार की गतिविधियां शामिल थीं। प्रतिभागी देशों के सैन्य कर्मियों से बनी मिश्रित टीमों ने एक साथ प्रशिक्षण लिया, जिससे अंतर-संचालनीयता, क्षमता निर्माण और आपसी विश्वास को बढ़ावा मिला।

इस अभ्यास की एक प्रमुख विशेषता सभी प्रतिभागियों द्वारा प्रदर्शित सौहार्द और सैनिक एकजुटता की भावना थी। सभी सैन्य कर्मियों ने कठिन प्रशिक्षण परिस्थितियों में एक साथ मिलकर काम किया, जिससे विभिन्न देशों की सशस्त्र सेनाओं को जोड़ने वाली साझा सैनिक भावना और भी मजबूत हुई। इस अभ्यास ने सांस्कृतिक आदान-प्रदान और अनौपचारिक बातचीत के अवसर भी प्रदान किए, जिससे पेशेवर और व्यक्तिगत संबंधों को और भी मजबूती मिली। इस अभ्यास के अंतर्गत, भारतीय सेना ने फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) के सहयोग से भागीदार देशों के लिए रक्षा उपकरणों की प्रदर्शनी का आयोजन किया। भारतीय सेना के आर्मी डिजाइन ब्यूरो और फिक्की ने भारतीय रक्षा उद्योग द्वारा विकसित अत्याधुनिक स्वदेशी रक्षा उपकरणों और विशिष्ट तकनीकों की प्रदर्शनी में सहयोग दिया, जबकि भारतीय सेना ने वर्तमान में उपयोग किये जा रहे कुछ चुनिंदा नई पीढ़ी के उपकरणों का प्रदर्शन किया। इस अभ्यास ने आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत भारत की बढ़ती स्वदेशी रक्षा डिजाइन, विकास और विनिर्माण क्षमताओं को उजागर किया और उद्योग की भागीदारी, सहयोग एवं ज्ञान के आदान-प्रदान के माध्यम से रक्षा निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया।

अभ्यास के दौरान, सेना के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने रक्षा सहयोग को बढ़ावा देने के लिए भाग देशों के प्रतिनिधियों के साथ सकारात्मक द्विपक्षीय बैठकें कीं। इन वाताओं से आपसी समझ बढ़ी और प्रतिभागी सेनाओं के बीच सैन्य संबंध मजबूत हुए। प्रगति अभ्यास 2026 ने सहभागी देशों के बीच अंतर-संचालनीयता बढ़ाने, सामूहिक तत्परता को मजबूत करने और आपसी विश्वास को गहरा करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

विश्वनाथ धाम में पूजी गई माता अहिल्याबाई होल्कर

समाज जागरण रंजीत तिवारी

वाराणसी।। काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास ने अपनी सांस्कृतिक प्राथमिकताओं को दोहराया। न्यास की ओर से संकल्प लिया गया कि वे सनातन धारा के महापुरुषों और महनीय मातृशक्ति की महान एवं प्रेरणादायी कथाओं को न केवल संरक्षित करेंगे, बल्कि उनका व्यापक प्रचार-प्रसार कर लोकप्रचलित भी बनाएंगे।

न्यास का आधिकारिक संदेशः श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास सनातन प्रेरणापुंज को सदैव प्रज्वलित रखने हेतु कृतसंकल्प है। न्यास समाज में सनातन चेतना को जागृत रखने के अपने पावन दायित्व को अंगीकृत कर चुका है और इस दायित्व के सुचारू व निरंतर निर्वहन के लिए हमेशा सजग और तत्पर रहेगा इस गरिमापूर्ण कार्यक्रम में मंदिर न्यास के वरिष्ठ अधिकारीगण, अर्चक, सेवादार, सुरक्षाकर्मी तथा बाबा के दर्शन के लिए देश के कोने-कोने से आए सैकड़ों शिवभक्त उपस्थित रहे।

जन्मदिवस पर रक्तदान महादान का आयोजन

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी।। शौर्य शिखर सोलर एनर्जी एवं अभ्युदय सेवा समिति के संयुक्त तत्वाधान में रविवार को हरहुआ स्थित कार्यालय परिसर में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। श्रीमती पूजा दीक्षित के जन्मदिवस पर आयोजित इस शिविर में युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए 35 यूनिट रक्तदान किया।

मुख्य अतिथि श्रीमती पूजा दीक्षित ने रक्तदाताओं को सम्मानित करते हुए रक्तदान को मानवता की सबसे बड़ी सेवा बताया। मिशन समाज सेवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डंपी तिवारी बाबा ने कहा हम सभी को समय समय पर रक्तदान करते रहना चाहिए जिससे हम किसी के जीवन बचाने में सहयोग कर सके इस अवसर पर बड़गांव थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार सिंह ने भी शिविर में पहुंचकर आयोजन की सराहना की। शिविर में मनीष चौबे, सुजीत पाण्डेय (सिंटू), दिलीप दुबे, अमिताभ दुबे, रजत पाण्डेय, नीरज मिश्रा, राहुल सोनी, पवन तनया पाण्डेय सहित अनेक युवाओं ने रक्तदान किया। रक्त संग्रह का कार्य स्वामी हरसेवानंद ब्लड बैंक, सुंदरपुर की टीम द्वारा संपन्न कराया गया। सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र एवं काशी विश्वनाथ स्पर्श रुद्राक्ष माला भेंट कर सम्मानित किया गया।

दालमंडी में फिर चला ध्वस्तीकरण की कार्यवाही

समाज जागरण रंजीत तिवारी

वाराणसी।। जिले के दालमंडी में रविवार से पीडब्ल्यूडी और प्रशासन की टीम ने अवैध घोषित 14 मकानों के खिलाफ ध्वस्तीकरण अभियान शुरू कर दिया। बुलडोजर की गड़गड़ाहट के बीच मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा। पूरे इलाके को सुरक्षा घेरे में लेकर कार्रवाई की गई मजदूरों ने हथौड़ों से मकानों को तोड़ा। दालमंडी चौड़ीकरण परियोजना के तहत चल रही इस कार्रवाई के लिए 300 से अधिक पुलिसकर्मी, पीएसी और पैरामिलिट्री फोर्स के जवान तैनात रहे। ड्रोन कैमरों से निगरानी की गई। मकान मालिकों को पहले ही नोटिस जारी किया गया था। शनिवार को मुनादी कराकर भवन खाली करने की अंतिम चेतावनी दी गई थी। अब एडीएम सिटी राजेश कुमार, पीडब्ल्यूडी के एक्सईएन के.के. सिंह और एसीपी दशाश्वमेध अतुल अंजन त्रिपाठी की मौजूदगी में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई।

मंदिर से भगवान शंकर की शिवलिंग चोरी मौके पर पहुंची पुलिस जांच में जुटी

- चोरी हुई शिवलिंग को पुलिस ने किया बरामद
- मंदिर में दोबारा से हुई शिवलिंग की स्थापना

समाज जागरण

मीरजापुर /राजगढ़ थाना क्षेत्र के पुरैनिया गांव में स्थित मंदिर से शंकर जी की शिवलिंग चोरी होने का मामला सामने आया है। चोरों द्वारा शिवलिंग चोरी किए जाने के बाद गांव में आक्रोश और चिंता का माहौल है। घटना की जानकारी स्थानीय ग्रामीणों ने तत्काल राजगढ़ थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई है। ग्रामीणों से पूछताछ के साथ आसपास की गतिविधियों की भी जानकारी जुटाई जा रही है। जानकारी के अनुसार

गांव के लोग जैसे ही सुबह में मंदिर में घुसे शिवलिंग चोरी होने की सूचना प्राप्त हुई उन्होंने तत्काल इसकी सूचना राजगढ़ थाने को दिए राजगढ़ थाना प्रभारी वेद प्रकाश पांडे मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल में जुट गए। चोरी की घटना से ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। निकरिका गांव में भी चोरों ने समरसेबल का तार और स्टेबलाइजर चोरी कर लिया। चोरी की घटना से ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। मंदिर से शंकर जी की शिवलिंग चोरी हुई है और उसी के बगल में एक और शंकर जी की शिवलिंग है जिसे चोरों ने नहीं चुराया। यह शिवलिंग बहुत पुरानी भगवान शंकर की शिवलिंग थी। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। इस इस संबंध में जब राजगढ़ थाना प्रभारी वेद प्रकाश पांडे से बात हुई तो उन्होंने कहा कि गांव के ही किसी मधबुद्ध व्यक्ति ने शिवलिंग को हटा दिया था। दोबारा से वहां पर शिवलिंग को लगा दिया गया है।

बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने की तैयारी में जुटा झामुमो, बीएलए नियुक्ति और अनुशासन पर लिए अहम फैसले

समाज जागरण चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ)

जमशेदपुर : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की जिला समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को जमशेदपुर में आयोजित की गई। बैठक में जिला स्तर के पदाधिकारियों के साथ पार्टी की केंद्रीय समिति के कई वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना, आगामी राजनीतिक गतिविधियों की रणनीति तय करना तथा चल रही एसआईआर मैपिंग प्रक्रिया में सामने आ रही त्रुटियों की समीक्षा करना था। इस दौरान नेताओं ने संगठनात्मक मजबूती, कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी और पार्टी अनुशासन को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए।

बैठक में नेताओं ने एसआईआर मैपिंग प्रक्रिया के दौरान मतदाताओं के नाम, पते और अन्य जानकारियों में हो रही गड़बड़ियों पर गंभीर चिंता व्यक्त की। नेताओं ने कहा कि कई क्षेत्रों से मतदाता सूची में त्रुटियों की शिकायतें सामने आ रही हैं, जिससे आम मतदाताओं को परेशानी हो सकती है। इसे लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए भी गंभीर विषय बताते हुए पार्टी नेताओं ने कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने बूथ क्षेत्रों में सक्रिय होकर मतदाताओं की समस्याओं की पहचान करें और संबंधित अधिकारियों तक उन्हें पहुंचाकर जल्द सुधार सुनिश्चित कराएं।

बैठक में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि संगठन की वास्तविक ताकत बूथ स्तर पर सक्रिय कार्यकर्ताओं से ही आती है। इसी को ध्यान में रखते हुए सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि जिले के सभी बूथों पर पार्टी की ओर से बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) की नियुक्ति की जाएगी। नेताओं ने कहा कि बूथ स्तर पर मजबूत नेटवर्क तैयार होने से पार्टी की पकड़ और जनसंपर्क दोनों मजबूत होंगे तथा जनता की समस्याओं को भी प्रभावी तरीके से उठाया जा सकेगा।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि आगामी 2 जून को एक विशेष बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में पार्टी के केंद्रीय महासचिव विनोद पाण्डेय के नेतृत्व में बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने की विस्तृत रणनीति बनाई जाएगी। साथ ही विभिन्न पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियां भी तय की जाएंगी। पार्टी नेताओं ने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता को संगठन के प्रति जवाबदेही के साथ कार्य करना होगा और उन्हें दिए गए दायित्वों का पूरी निष्ठा के साथ पालन करना होगा।

बैठक के दौरान संगठनात्मक अनुशासन और पार्टी की पहचान को मजबूत करने के उद्देश्य से तीन महत्वपूर्ण प्रस्ताव भी पारित किए गए। पहले प्रस्ताव के तहत यह तय किया गया कि जिला स्तर से लेकर प्रखंड स्तर तक आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रमों के लिए जिला समिति की पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा। नेताओं ने कहा कि इससे संगठनात्मक गतिविधियों में एकरूपता आएगी और पार्टी की आधिकारिक पहचान मजबूत होगी।

दूसरे प्रस्ताव में निर्णय लिया गया कि पार्टी से बाहर का कोई भी व्यक्ति झामुमो का झंडा नहीं लगा सकेगा। नेताओं ने कहा कि कई बार गैर-पार्टी लोग राजनीतिक लाभ लेने या भ्रम की स्थिति पैदा करने के लिए पार्टी के झंडे और प्रतीकों का इस्तेमाल करते हैं, जिससे संगठन की छवि प्रभावित होती है। ऐसे मामलों पर रोक लगाने के लिए यह निर्णय लिया गया है।

वहीं तीसरे प्रस्ताव के तहत पार्टी के सभी सदस्यों को अपने-अपने घरों पर झामुमो का झंडा लगाने का निर्देश दिया गया। नेताओं ने कहा कि इससे पार्टी की पहचान मजबूत होगी और आम लोगों के बीच संगठन की उपस्थिति और सक्रियता का संदेश जाएगा। इसके साथ ही कार्यकर्ताओं में भी संगठन के प्रति जुड़ाव और उत्साह बढ़ेगा।

बैठक में उपस्थित नेताओं ने कहा कि झामुमो संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। पार्टी का लक्ष्य केवल राजनीतिक गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि जनता की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर उठाना भी है। नेताओं ने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे गांव, पंचायत और बूथ स्तर तक लोगों से संपर्क बनाए रखें और सरकार की योजनाओं तथा संगठन की नीतियों को आम जनता तक पहुंचाएं।

नेताओं ने विश्वास जताया कि बैठक में लिए गए निर्णयों से पार्टी की संगठनात्मक क्षमता और जनसंपर्क दोनों को नई मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि अनुशासित संगठन और सक्रिय कार्यकर्ता ही पार्टी की सबसे बड़ी ताकत हैं। आगामी दिनों में बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाने के लिए विशेष अभियान भी चलाया जाएगा, ताकि हर कार्यकर्ता पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को प्रभावी तरीके से जनता तक पहुंचा सके।

हलिया ब्लॉक में आरोग्य मेला का आयोजन 211 मरीजों का हुआ उपचार

समाज जागरण

मीरजापुर /हलिया ब्लॉक के अंतर्गत विभिन्न प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर आरोग्य मेला का आयोजन किया गया। मेले में ग्रामीणों की भारी भागीदारी देखी गई और सैकड़ों लोगों ने निःशुल्क स्वास्थ्य जांच व परामर्श का लाभ लिया। उच्चीकृत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया में चिकित्सक विमल कुमार ने 49 नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मतवार में चिकित्सक कामेश्वर तिवारी ने 38 नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बरौधा में चिकित्सक अभिषेक जायसवाल व शालिनी सिंह ने 45नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ड्रमण्डगंज चिकित्सक बालकृष्ण मिश्रा ने 45 नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मुड़पेली चिकित्सक मनीष कुमार ने 38 मरीजों का उपचार किया कुल 211 लोगों ने आरोग्य मेले में हिस्सा लिया।सामान्य स्वास्थ्य जांच, बीपी-शुगर टेस्ट, गर्भवती महिलाओं की जांच, टीकाकरण, निःशुल्क दवा वितरण और स्वास्थ्य परामर्श की सुविधा उपलब्ध कराई गई।

आरोग्य मेले का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को घर के पास उपलब्ध कराना और लोगों को रोगों की रोकथाम व प्रारंभिक उपचार के प्रति जागरूक करना था।

गुजरात में नवीनगर के मजदूर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

दैनिक समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार)औरंगाबाद जिला के नवीनगर नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड संख्या-12 भवानो खाप गांव निवासी कन्हाई ठाकुर (पिता- स्वर्गीय राजेंद्र ठाकुर) की गुजरात में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।घटना की सूचना मिलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। मृतक का शव गांव पहुंचते ही परिवार में चीख-पुकार

मच गई और माहौल गमगीन हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार कन्हाई ठाकुर अपने परिवार के भरण-पोषण के लिए गांव के ही साकेत साव सहित अन्य लोगों के साथ गुजरात के दहेज क्षेत्र में मजदूरी करने गए थे। वहां वे रिलायंस कंपनी में हेल्पर के रूप में कार्यरत थे। बताया जाता है कि जगेश्वर गांव के समीप रिलायंस कंपनी के गेट नंबर-3 के पास उनका शव संदिग्ध अवस्था में मिला। घटना के कारणों को लेकर अभी स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है, जिससे परिजनों और ग्रामीणों के बीच कई तरह की आशंकाएं बनी हुई हैं। मृतक के साथ काम करने वाले लोगों द्वारा शव को गांव लाया गया। शव के घर पहुंचते ही परिजन दहाड़ मारकर रोने लगे। ग्रामीणों की भीड़ मृतक के घर पर जुट गई और सभी ने शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाने का प्रयास किया। ग्रामीणों ने बताया कि कन्हाई ठाकुर परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे। उनकी मौत से परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। मृतक अपने पीछे पत्नी, दो पुत्र और दो पुत्रियों का भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। परिवार पहले से ही एक बड़े दुख का सामना कर चुका है। मृतक के बड़े पुत्र प्रिंस ठाकुर की 31 अक्टूबर 2022 को एक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। वहीं पुत्री कल्पना कुमारी की शादी हो चुकी है, जबकि दूसरी पुत्री सपना कुमारी और पुत्र पंकज कुमार अभी पढ़ाई कर रहे हैं। पति की मौत की खबर के बाद पत्नी शारदा देवी बेसुध हो गईं और उनका रो-रोकर बुरा हाल है। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है। ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा मृतक के आश्रितों को उचित मुआवजा एवं सरकारी सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर है, ऐसे में सरकार और संबंधित कंपनी को मानवीय आधार पर सहायता प्रदान करनी चाहिए।

योगी सरकार ने फिर पेश की महिला सशक्तीकरण की मिसाल

- राजस्व प्रशासन के तीन अहम पदों पर महिला आईएएस अधिकारियों की तैनाती
- अर्चना अग्रवाल बनीं राजस्व परिषद उत्तर प्रदेश की अध्यक्ष
- अपर्णा यू पहले से संभाल रहीं राजस्व विभाग में प्रमुख सचिव की जिम्मेदारी
- कंचन वर्मा राजस्व परिषद में सचिव एवं आयुक्त पद पर हैं तैनात

समाज जागरण

लखनऊ, 31 मई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रशासनिक व्यवस्था में महिला सशक्तीकरण का एक और महत्वपूर्ण उदाहरण पेश किया है। प्रदेश के राजस्व प्रशासन की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों में अब महिला अधिकारियों की मजबूत उपस्थिति देखने को मिल रही है। सरकार ने वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अर्चना अग्रवाल को राजस्व परिषद उत्तर प्रदेश का अध्यक्ष नियुक्त किया है, जबकि प्रमुख सचिव राजस्व की जिम्मेदारी पहले से आईएएस अपर्णा यू संभाल रही हैं। राजस्व परिषद में सचिव एवं आयुक्त स्तर की जिम्मेदारी आईएएस कंचन वर्मा के पास है।

1990 बैच की वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अर्चना अग्रवाल वर्तमान में अपर मुख्य सचिव परिवहन विभाग तथा उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) की अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। अब उन्हें राजस्व परिषद उत्तर प्रदेश की अध्यक्ष जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रशासनिक क्षेत्र में लंबे अनुभव और विभिन्न विभागों में नेतृत्वकारी भूमिका निभाने के कारण उन्हें प्रदेश की सबसे महत्वपूर्ण संस्थाओं में से एक राजस्व परिषद की कमान दी गई है।

राजस्व विभाग की प्रशासनिक और नीतिगत जिम्मेदारी पहले से 2001 बैच की आईएएस अधिकारी अपर्णा यू के पास है। उन्हें इसी वर्ष प्रमुख सचिव राजस्व बनाया गया था। राजस्व विभाग प्रदेश में भूमि, राजस्व प्रशासन, भू-अभिलेख, अधिग्रहण और संबंधित नीतिगत मामलों का प्रमुख विभाग है।

इसके अलावा 2005 बैच की आईएएस अधिकारी कंचन वर्मा राजस्व परिषद उत्तर प्रदेश में आयुक्त एवं सचिव के पद पर कार्यरत हैं। राजस्व परिषद के प्रशासनिक संचालन और विभिन्न महत्वपूर्ण मामलों के निस्तारण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है।

यह महत्वपूर्ण निर्णय योगी सरकार द्वारा महिलाओं को महत्वपूर्ण प्रशासनिक जिम्मेदारियां सौंपने की नीति का प्रमाण है। प्रदेश सरकार पहले भी विभिन्न विभागों, आयोगों, निगमों और विभिन्न प्रशासनिक इकाइयों में महिला अधिकारियों को अहम जिम्मेदारियां देती रही है। अब राजस्व प्रशासन की शीर्ष संरचना में महिला अधिकारियों की मजबूत उपस्थिति से सुशासन, प्रशासनिक दक्षता और महिला सशक्तीकरण को नई ताकत मिलेगी। राजस्व परिषद उत्तर प्रदेश राज्य की सबसे महत्वपूर्ण संस्थाओं में शामिल है, जहां भूमि, राजस्व विवाद, प्रशासनिक अपीलों और विभिन्न राजस्व मामलों से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाते हैं। ऐसे में परिषद के अध्यक्ष, राजस्व विभाग की प्रमुख सचिव और परिषद के सचिव स्तर पर महिला अधिकारियों की तैनाती प्रशासनिक दृष्टि से भी उल्लेखनीय उपलब्धि है।

शांतिपूर्वक सम्पन्न हुई संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा-2026

- योगी सरकार की पारदर्शी एवं तकनीक आधारित परीक्षा प्रणाली का सफल उदाहरण
- 72 जिलों के 1011 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित हुई परीक्षा, लगभग 90 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने किया प्रतिभाग
- एआई, फेस रिकग्निशन, बायोमैट्रिक अटेंडेंस, 22 हजार सीसीटीवी कैमरे और लाइव कमांड कंट्रोल सिस्टम से हुई निगरानी

समाज जागरण

लखनऊ, 31 मई। उत्तर प्रदेश में संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा-2026 रविवार को प्रदेश के 72 जिलों के 1011 परीक्षा केन्द्रों पर सफलतापूर्वक, शांतिपूर्ण एवं शुचितापूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा परीक्षा आयोजन की जिम्मेदारी बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसी को सौंपी गई थी। परीक्षा में पंजीकृत 4,44,958 अभ्यर्थियों में से लगभग 90 प्रतिशत अभ्यर्थी दोनों पालियों में शामिल हुए।

उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा-2026 के सफल आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश देश में पारदर्शी, नकलविहीन और तकनीक आधारित परीक्षा प्रणाली का मॉडल बनकर उभरा है। प्रदेश के 72 जिलों में स्थापित 1011 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा-2026 पूरी शुचिता, पारदर्शिता और शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई।

मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि परीक्षा में कुल 4,44,958 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें 2,72,659 महिला, 1,72,297 पुरुष तथा 2 ट्रांसजेंडर अभ्यर्थी शामिल थे। प्रथम पाली में सामान्य ज्ञान एवं भाषा विषय की परीक्षा तथा द्वितीय पाली में अभिरुचि परीक्षण एवं विषय योग्यता की परीक्षा आयोजित की गई। दोनों पालियों में लगभग 90 प्रतिशत अभ्यर्थियों की उपस्थिति दर्ज की गई। कासगंज और पीलीभीत में सर्वाधिक 95 प्रतिशत तथा गाजियाबाद और गौतमबुद्ध नगर में 84 प्रतिशत उपस्थिति रही।

उन्होंने कहा कि परीक्षा की निगरानी के लिए बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसी में अत्याधुनिक इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (क्छउउ) स्थापित किया गया, जहां से प्रदेश के सभी 1011 परीक्षा केन्द्रों की लाइव मॉनिटरिंग की गई। इसके लिए लगभग 22 हजार सीसीटीवी कैमरे और 5651 बायोमैट्रिक मशीनें लगाई गई थीं। परीक्षा के दौरान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित फेस रिकग्निशन तकनीक, फिंगर प्रिंट आधारित बायोमैट्रिक सत्यापन और रियल टाइम अटेंडेंस सिस्टम का उपयोग किया गया, जिससे केवल वास्तविक अभ्यर्थियों की उपस्थिति सुनिश्चित हो सके।

योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि आधुनिक एआई सिस्टम के माध्यम से परीक्षा केन्द्रों के स्ट्रांग रूम, प्रवेश एवं निकास द्वारों तथा परीक्षा कक्षों की लगातार निगरानी की गई। किसी भी संदिग्ध गतिविधि अथवा अनाधिकृत व्यक्ति की उपस्थिति पर तत्काल कंट्रोल रूम को अलर्ट प्राप्त हुआ और संबंधित केन्द्र से तुरंत संपर्क स्थापित कर स्थिति का सत्यापन किया गया। गोपनीय सामग्री के बॉक्स खोले जाने की सूचना भी सीधे कंट्रोल रूम में प्राप्त होती रही। उन्होंने कहा कि इस वर्ष पहली बार परीक्षा की शुचिता और पारदर्शिता को और मजबूत बनाने के लिए विश्वविद्यालय के प्रतिनिधियों को जीपीएस आधारित बॉडी बॉर्न कैमरे उपलब्ध कराए गए। इन कैमरों के माध्यम से प्रतिनिधियों की लाइव लोकेशन, परीक्षा केन्द्रों के निरीक्षण तथा गोपनीय सामग्री से जुड़ी गतिविधियों की निगरानी कंट्रोल रूम से की गई। 29 और 30 मई को आयोजित बैठकों का भी सीधा प्रसारण विश्वविद्यालय स्तर पर देखा गया।

मंत्री ने बताया कि सभी परीक्षा केन्द्रों को VoIP (वॉयस ओवर इंटरनेट प्रोटोकॉल) आधारित संचार प्रणाली से जोड़ा गया था। इसके माध्यम से आयोजक विश्वविद्यालय और परीक्षा केन्द्रों के बीच सुरक्षित एवं त्वरित संवाद स्थापित किया गया। परीक्षा के दौरान प्राप्त विभिन्न तकनीकी और प्रशासनिक अलर्ट का रियल टाइम समाधान सुनिश्चित किया गया।

उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि योगी सरकार युवाओं के भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं करेगी। पिछले वर्षों में प्रदेश ने भर्ती एवं प्रवेश परीक्षाओं में पारदर्शिता और तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में नई पहचान बनाई है। संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा-2026 का सफल आयोजन इस बात का प्रमाण है कि उत्तर प्रदेश में अब परीक्षा व्यवस्था पूरी तरह तकनीक आधारित, पारदर्शी, जवाबदेह और अभ्यर्थी हितैषी बन चुकी है।

उन्होंने बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मुकेश पाण्डेय, विश्वविद्यालय प्रशासन, जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन तथा परीक्षा आयोजन से जुड़े सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं के क्षेत्र में नवाचार और पारदर्शिता की इस प्रक्रिया को आगे भी निरंतर जारी रखेगी।

आंधी-बारिश को लेकर मुख्यमंत्री सख्त, अधिकारियों को राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश

समाज जागरण

लखनऊ, 31 मई। प्रदेश में पिछले तीन दिनों से जारी आंधी, बारिश और तेज हवाओं के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को पूरी सतर्कता बरतने और राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। रविवार को कई जिलों में आंधी, बारिश और तूफान की घटना के बाद मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन, राहत आयुक्त कार्यालय तथा संबंधित विभागों को लगातार निगरानी बनाए रखने और किसी भी आपदा की स्थिति में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है। उल्लेखनीय है कि मौसम विभाग ने रविवार को प्रदेश के सभी 75 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। कई जिलों में तेज हवाओं के साथ बारिश और ओलावृष्टि दर्ज की गई है।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि जिन जनपदों में तेज आंधी, बारिश, ओलावृष्टि अथवा अन्य प्राकृतिक आपदाओं से जनहानि अथवा पशुहानि हुई है, वहां प्रभावित परिवारों को तत्काल अनुमन्य राहत राशि वितरित की जाए। उन्होंने कहा कि राहत कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और प्रत्येक प्रभावित व्यक्ति तक समयबद्ध सहायता पहुंचनी चाहिए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि आंधी, बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान का तत्काल सर्वे कराया जाए। जहां भी कृषि क्षति की सूचना मिले, वहां राजस्व और कृषि विभाग की संयुक्त टीम मौके पर पहुंचकर आकलन करे तथा शासन को रिपोर्ट उपलब्ध कराए, ताकि किसानों को नियमानुसार सहायता प्रदान की जा सके।

मुख्यमंत्री ने विद्युत विभाग को भी आंधी और बारिश से प्रभावित क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति जल्द बहाल करने तथा टूटे तारों, खंभों से लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा है। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार भ्रमण कर स्थिति का जायजा लें और किसी भी आपात स्थिति में त्वरित राहत एवं बचाव कार्य संचालित करें।

जनता से सावधानी बरतने की अपील

मुख्यमंत्री ने जनता से भी अपील की है कि खराब मौसम के दौरान सावधानी बरतें, अनावश्यक रूप से खुले स्थानों में न जाएं तथा प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार हर स्थिति पर नजर बनाए हुए है और नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की जनकल्याणकारी योजनाओं का होगा प्रचार-प्रसार, चलेगा विशेष अभियान

सीएम योगी के निर्देश पर आगामी 5 से 21 जून तक प्रदेशव्यापी जनजागरूकता अभियान की तैयारी

जनहितकारी कार्यक्रमों की जानकारी समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे: जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह

जनपद स्तर पर भी आयोजित होंगी किसान गोष्ठियां, जनसंवाद कार्यक्रम और प्रदर्शनी

समाज जागरण

लखनऊ, 31 मईः उत्तर प्रदेश की योगी सरकार सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों का जनता के बीच प्रचार-प्रसार करेगी। इस अभियान से किसानों से लेकर हर वर्ग को सीधा लाभ मिल पाएगा। यह प्रचार अभियान 5 जून से शुरू होगा। इस संबंध में सिंचाई विभाग मुख्यालय में जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई।

बैठक में जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ह्यविकसित भारतह्व के लक्ष्य की ओर तेजी से अग्रसर है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए आवश्यक है कि सरकार द्वारा संचालित योजनाओं, उपलब्धियों एवं जनहितकारी कार्यक्रमों की जानकारी समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग प्रदेश में कृषि विकास, जल सुरक्षा, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार तथा किसानों की समृद्धि के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

उन्होंने निर्देश दिया कि आगामी 5 जून से ह्यएक पेड़ मां के नामह्व अभियान के साथ विभागीय जनजागरूकता कार्यक्रमों का शुभारंभ किया जाए। इसके अंतर्गत 5 से 21 जून 2026 तक प्रदेशभर में पदयात्रा, प्रदर्शनी, किसान संवाद, जनप्रतिनिधियों के साथ बैठकें एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से सिंचाई परियोजनाओं, राजकीय नलकूपों, नहर प्रणाली के सुदृढ़ीकरण, जल संरक्षण अभियानों, भूजल संवर्धन, आधुनिक सिंचाई तकनीकों तथा विभाग द्वारा किए गए विकास कार्यों की जानकारी आमजन एवं किसानों तक पहुंचाई जाएगी।

किसानों को मिले वास्तविक लाभ

बैठक में उपस्थित राज्य मंत्री दिनेश खटीक ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विभाग की विशाल परियोजनाओं, आधारभूत संरचनाओं एवं विकास कार्यों को प्रभावी ढंग से जनता के बीच प्रस्तुत किया जाए, जिससे आमजन विभाग की भूमिका एवं उपलब्धियों से अवगत हो सकें। वहीं राज्य मंत्री रामकेश निषाद ने कहा कि लिफ्ट नहर योजनाओं के माध्यम से किसानों को उपलब्ध कराई जा रही सिंचाई सुविधाओं तथा नहरों के टेल तक पानी पहुंचाने जैसी महत्वपूर्ण उपलब्धियों को विशेष रूप से जन-जन तक पहुंचाया जाए, ताकि किसानों को विभाग की योजनाओं का वास्तविक लाभ प्राप्त हो सके। बैठक में प्रमुख सचिव सिंचाई अनिल गर्ग ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनपद स्तर पर किसान गोष्ठियों, जनसंवाद कार्यक्रमों, प्रदर्शनी एवं अन्य जनसंपर्क गतिविधियों के माध्यम से विभाग की योजनाओं के प्रति व्यापक जागरूकता उत्पन्न की जाए।

पहले घर के सामान को लगाई आग, फिर तीन मासूम बेटियों को कीटनाशक चटाकर मां ने भी दे दी जान

समाज जागरण

शहडोल (मध्य प्रदेश): शहडोल जिले के पपौंध थाना क्षेत्र के हिरवार ग्राम से एक ऐसी दिल दहला देने वाली सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जिसने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। एक मां ने अज्ञात कारणों के चलते अपनी तीन मासूम बेटियों के साथ मौत का खौफनाक खेल खेला।

पहले सामान को लगाई आग, फिर चटाया जहर

घटना की शुरुआत बीती देर शाम बेहद खौफनाक तरीके से हुई। मां अनिता सिंह (32 वर्ष) ने अज्ञात कारणों के चलते पहले घर का लगभग सारा सामान एक जगह इकट्ठा किया और उसमें आग लगा दी। घर से उठती लपटों के बीच जो हुआ, उसकी कल्पना मात्र से रूह कांप जाती है। अनिता ने इसके बाद अपनी तीनों मासूम बेटियों–रितिका (7 वर्ष), कृष्णकुमारी (4 वर्ष), और अर्पिता (2 वर्ष)–को एक-एक करके घातक कीटनाशक जहर सीधे मुंह में खिला दिया। बेटियों को जहर देने के बाद मां ने खुद भी वही खौफनाक कदम उठाया और खुद भी कीटनाशक गटक लिया।

जीभ पर चटाते ही पसर गया मौत का सन्नाटा

बताया जा रहा है कि महिला द्वारा इस्तेमाल किया गया कीटनाशक इतना तेज और खतरनाक था कि वह सिर्फ जीभ में चटाने भर से अपना काम कर जाता है। तड़पते हुए हालत में चारों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान सबसे बड़ी बेटी रितिका ने दम तोड़ने से पहले पुलिस को हुए रोंगटे खड़े कर देने वाली पूरी दास्तान की हकीकत बयां की। उसने बताया कि कैसे उसकी मां ने पहले सामान जलाया और फिर उन्हें जबरन जहर चटाया। इस बयान के थोड़ी ही देर बाद मासूम रितिका की भी सांसें थम गईं। अस्पताल में इलाज के दौरान मां अनिता और तीनों मासूम बच्चियों की एक साथ मौत हो गई।

परदेश में था पति, गांव में पसरा मातम

मृतका अनिता सिंह अपनी तीन बेटियों के साथ घर पर अकेली रहती थी। उसका पति पेशे से ड्राइवर है, जो परिवार के पालन-पोषण और कमाने-खाने के लिए परदेश (दूसरे राज्य) गया हुआ था। उसे क्या पता था कि पीछे उसका पूरा परिवार इस तरह खत्म हो जाएगा। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस बल तुरंत मौके पर पहुंचा। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आस पास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है। इस दिल दहला देने वाली सामूहिक आत्महत्या और हत्या की खबर लगते ही पूरे हिरवार गांव में मातम पसर गया है और हर आंख नम है। पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है कि आखिर महिला ने इतना आत्मघाती कदम क्यों उठाया।

पाली महाविद्यालय में विज्ञान और वाणिज्य संकाय खोला जाय --- हर्ष अवधिया

भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन की महती माँग

समाज जागरण

बिरसिंहपुर पाली -- भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के प्रदेश सचिव हर्ष अवधिया ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से आग्रह किया है कि जिले के पाली महाविद्यालय में दशकों के बाद भी विज्ञान विषय मे स्नातकोत्तर आज तक संचालित नहीं है। वहीं पर वाणिज्य संकाय में स्नातक की कक्षाएं ही संचालित नहीं है। बिरसिंहपुर पाली में महाविद्यालय की स्थापना लगभग चार दशक पूर्व की गयी थी, तब से अब तक इस महाविद्यालय की व्यवस्थाओं में सुधार नही हुआ है। यहाँ पर वाणिज्य संकाय का शुभारंभ ही आज तक नही हुआ, जबकि विज्ञान संकाय में स्नातकोत्तर की कक्षायें संचालित नहीं होने से यहाँ के छात्रों को भारी असुविधाओं का सामना करना पड रहा है। प्रदेश सचिव ने बतलाया का छात्र हितों की इस महती माँग को लेकर भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन ने लगातार मुख्यमंत्री और उच्च शिक्षा मंत्री से मांग करते आ रहें हैं, लेकिन माननीय जनो ने छात्र हित में अभी तक ठोस निर्णय नहीं लिया है। हर्ष अवधिया ने इस संबंध में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार से मिलकर पाली महाविद्यालय की स्थिति के बारे में विस्तार से चर्चा करते हुए पाली महाविद्यालय की समस्याओं का निदान करते हुए पाली महाविद्यालय में विज्ञान और वाणिज्य संकाय संचालित कराने की मांग की है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार ने छात्र हितों को ध्यान में रखते हुए उच्च शिक्षा मंत्रालय को पत्र लिखकर तत्काल पाली महाविद्यालय में विज्ञान और वाणिज्य संकाय संचालित कराने की मांग की है।

हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष : अमरकंटक में राष्ट्रीय संगोष्ठी में विरासत, वर्तमान और भविष्य पर मंथन

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय में आयोजित संगोष्ठी में वक्ताओं ने कहा—सामाजिक चेतना और सत्यनिष्ठा ही हिंदी पत्रकारिता की असली ताकत

समाज जागरण

अनूपपुर। हिंदी पत्रकारिता के दो सौ वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर अनूपपुर जिले में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जन जातीय विश्वविद्यालय, अमर कंटक में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। हिंदी पत्र कारिता की द्विशताब्दी यात्राः विरासत, वर्तमान तथा भविष्य विषय पर आयोजित इस संगोष्ठी में देशभर के विद्वानों, शोधार्थियों और पत्रकारों ने भाग लेकर हिंदी पत्रकारिता की भूमिका, चुनौतियों और संभावनाओं पर व्यापक चर्चा की।

उद्घाटन सत्र में सामाजिक दायित्व पर जोर

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अवधेश कुमार शुक्ल ने हिंदी पत्रकारिता को समाज का दर्पण बताते हुए कहा कि इसका अतीत गौरवशाली रहा है और आज यह वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना चुकी है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता से समाज को बड़ी अपेक्षाएं रहती हैं, इसलिए इसे सदैव सामाजिक सद्भाव, सत्य की खोज और लोक कल्याण के प्रति समर्पित रहना चाहिए। उन्होंने वर्तमान चुनौतियों का उल्लेख करते

हुए विश्वास जताया कि हिंदी पत्रकारिता इन पर विजय प्राप्त करेगी।

इतिहास और मूल्यों पर वक्ताओं का फोकस

सारस्वत वक्तव्य में प्रख्यात चिंतक प्रो. आलोक श्रोत्रिय ने हिंदी पत्रकारिता की ऐतिहासिक भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि इसने समाज को जागरूक करने में अहम योगदान दिया है। उन्होंने सत्यनिष्ठा, वस्तुनिष्ठता और सकारा त्मक दृष्टिकोण को रचनात्मक पत्र कारिता की आधारशिला बताया। मुख्य वक्ता डॉ. सर्वेश त्रिपाठी (इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली) ने कहा कि हिंदी पत्रकारिता ने देश की स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने उदन्त मार्तंड के प्रकाशन को याद करते हुए पंडित युगलकिशोर शुक्ल के आदर्शों को आज भी प्रासंगिक बताया। उनके अनुसार तकनीक और हिंदी के बढ़ते बाजार ने पत्रकारिता के विस्तार में नई ऊर्जा दी है।

डिजिटल युग में बदलती पत्रकारिता भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली के डॉ. पवन कौंडल ने कहा कि डिजिटल मीडिया और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कारण पत्रकारिता के स्वरूप में तेजी से बदलाव आया है। उन्होंने बताया कि आज पाठकों की रुचि, समाचारों की प्रस्तुति और उन्हें ग्रहण करने के तरीकों में व्यापक परिवर्तन देखने को मिल रहा है।

तकनीकी सत्र में विशिष्ट अतिथि डॉ. सुनील कुमार मिश्र ने कहा कि हिंदी पत्रकारिता की आत्मा उसका लोक से जुड़ाव है। उन्होंने चेताया कि बाजार और तकनीक के प्रभाव के बीच पत्रकारिता को अपनी जड़ों से जुड़े रहना होगा। हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. जितेंद्र सिंह ने कहा कि हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता ने स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि आज हिंदी पत्रकारिता का दायरा व्यापक हो रहा है, ऐसे में इसके दायित्व भी बढ़ गए हैं।

पत्रकार और पूर्व छात्रों का हुआ सम्मान,

इंदिरा गांधी नेशनल जनजाति विश्वविद्यालय से पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में अध्यापन कर अनूपपुर जिले पत्रकारिता में विशेष स्थान रखने वाले पूर्व छात्र एवं अनूपपुर के वरिष्ठ पत्रकार शैलेन्द्र विश्वकर्मा और रामभुवन गौतम को अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं विभाग ने जानकारी दी की आगामी सत्र में पूर्व छात्रों का मिलन समारोह भी आयोजित किए जाने की संभावना है जिसमें विश्वविद्यालय के वह पूर्व छात्र जो वर्तमान में देश भर के अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग संस्थानों में अपनी सेवा दे रहे हैं और विश्वविद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं उनकी एक मिलन समारोह और संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। संगोष्ठी ने यह स्पष्ट किया कि हिंदी पत्रकारिता ने अपनी 200 वर्षों की यात्रा में सामाजिक चेतना, सत्यनिष्ठा और जनसरोकारों को हमेशा प्राथमिकता दी है। बदलते समय और तकनीकी चुनौतियों के बावजूद इसकी मूल भावना आज भी प्रासंगिक है और भविष्य में भी समाज के मार्गदर्शन में इसकी भूमिका महत्वपूर्ण बनी रहेगी।

देशभर से शोधार्थियों की सहभागिता

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुआ। विषय प्रवर्तन प्रो. राघवेंद्र मिश्रा ने किया, जबकि स्वागत भाषण प्रो. मनीषा शर्मा ने दिया। संचालन शुभी विश्वकर्मा और धन्यवाद ज्ञापन सुश्री अभिलाषा एलिस तिर्की द्वारा किया गया।

संगोष्ठी में कुल 53 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए, जबकि 12 राज्यों से ऑनलाइन और ऑफलाइन प्रति भागियों ने हिस्सा लिया। तकनीकी सत्रों में विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रोफेसरों ने शोधार्थियों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम का संयोजन अंशुल अग्रवाल, नितिन मिश्रा,

आकांक्षा चितवन, शुभी विश्वकर्मा सहित अन्य सदस्यों द्वारा किया गया।

जरवाही में सुने मकान में सेंधमारी कर चोरी करने बाले 02 आरोपी गिरफ्तार एक फरार

समाज जागरण

कटनी।पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. संतोष डेहरिया के मार्गदर्शन तथा नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती नेहा पच्चीसिया एवं थाना प्रभारी माधव नगर श्री संजय दुबे के नेतृत्व मे अपराधो मे लगातार अंकुश लगाने हेतु आदेशित किया गया था । मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि दिनांक 06/05/26 को प्रार्थी हेमचन्द्र कुशवाहा पिता रामचंद्र निवासी जरवाही चौकी उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 6/5/26 को परिवार सहित रिश्तेदारी में गया था जो बापस आया तो देखा कि इसके मकान के पीछे की दीवार को खोदकर घर पर रखे सोने चांदी के जेवरात और नगदी रकम अज्ञात चोर चोरी कर ले गए है की रिपोर्ट पर थाना माधव नगर में

अप.क्र .408 /26धारा 331(4) ,305 BNS का अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध कायम कर दौरान विवेचना आरोपी (1) अभिलाष पिता विनोद उर्फ बेजिंदी वासुदेव उम्र 22साल (2)इन्द्रजीत पिता तेजभान मांझी उम्र 32 साल दोनों निवासी ढूंढरी थाना कुठला से पूछताछ पर चोरी करना बताए जिनके कब्जे से बर्तन चांदी के जेवरात नगदी रकम एवं घटना में प्रयुक्त मोटर साइकिले करीब 900 00 रुपये का मशरूका जप्त कर गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। पुलिस कार्यवाही मे चौकी प्रभारी अंजनी मिश्र, राजेश कोरी,कमलेश्वर शुक्ला प्र.आर.गौरव सेन ,मनीष कुमार ,आरक्षक अरविंद, बक ील की अहम भूमिका रही ।

थाना दादरी पुलिस द्वारा चोरी करने वाला 01 अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से चोरी की 03 जोड़ी पाजेब बरामद।

समाज जागरण

संदीप गर्ग / नोएडाः थाना दादरी पुलिस द्वारा लोकल इंटेलिजेंस व गोपनीय सूचना के सहायता से चोरी करने वाला 01 अभियुक्त बिजेन्द्र सिंह पुत्र स्व0 शीशपाल को थाना क्षेत्रांतर्गत बिरयानी पुल के पास से गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्त के कब्जे से चोरी की 03 जोड़ी पाजेब (सफेद धातु) बरामद की गई हैं। पुलिस द्वारा पूछताछ के दौरान अभियुक्त ने बताया कि बरामद 03 जोड़ी पाजेब उसने थाना दादरी क्षेत्रांतर्गत काशीराम कॉलोनी से चोरी

किए थे, जिसके संबंध में थाना दादरी पर अभियोग पंजीकृत है। गिरफ्तार अभियुक्त बिजेन्द्र सिंह पुत्र स्व0 शीशपाल निवासी सेक्टर ज्यू-2, ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्धनगर का रहने वाला है और उम्र 58 वर्ष बताई जा रही है अभियुक्त का पुराना अपराधी के इतिहास भी सामने आया है विभिन्न थाना क्षेत्र में अभियुक्त के ऊपर पहले भी विभिन्न धाराओं में मुकदमे पंजीकृत हैं पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर कार्रवाई शुरू कर दी है और इसके पास से चोरी की 03 जोड़ी पाजेब (सफेद धातु) अपने कब्जे में ले ली है.

भूमि सुलभ न होने से अनुबंधित आश्रम शाला निर्माण कार्य पर लटक रही तलवार

दो वर्ष पूर्व हुये थे टेंडर और अनुबंध

समाज जागरण

उमरिया -- उमरिया जिले के प्रशासनिक अधिकारियों की गैर जिम्मेदाराना और लचर कार्य शैली की झलक तो जब तब देखने - सुनने में आती ही रहती है, ऐसे ही संवेदनशील मामला जिले के पाली विकास खंड के सुंदर दादर में प्रकाश में आया है। जहाँ पर आदिवासी आश्रम शाला भवन के निर्माण के लिए वर्ष 2024 में 50 सीटर आदिवासी आश्रम शाला भवन के निर्माण कराये जाने हेतु शासन के स्वीकृति पश्चात टेंडर जारी किया गया था, निविदा प्रक्रियाओं का पूर्ण पालन विधि संगत होने के कारण

संबंधित कार्य एजेंसी को कायार्देश भी जारी कर दिये गये थे, लेकिन इन दो वर्षों में आज तक कार्य एजेंसी को भूमि ही सुलभ नहीं करायी गयी, जिस वजह से शाला आश्रम का निर्माण कार्य अधर में लटका हुआ है। आदिवासी ग्राम पंचायत सुंदर दादर एक ऐसा गाँव है जहाँ पर अभी भी पर्याप्त राजस्व शासकीय भूमि उपलब्ध है ,जो कि राजस्व अभिलेखों में भी दर्ज हैं फिर भी भूमि उपलब्ध कराने के लिए जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारियों की उदासीनता के कारण यह शासकीय भवन निर्माण कार्य इन दो वर्षों में शुरू नहीं हो पाया है । ध्यान देने योग्य है की कायार्देश अनुबंध शर्तों के मुताबिक कार्य एजेंसी की निर्माण करने की बाध्यता समाप्त हो गयी है, और संबंधित कार्य एजेंसी इसका लाभ उठाते हुए बढी हुई सामग्री दरो से लगने वाली चपत से बचने के लिए बाहर निकलने का रास्ता ढूंढ रहा है। गौर तलब हैं कि अगर प्रशासनिक अधिकारी अपनी उदा सीन रवैया के चहारदीवारी से बाहर नहीं निकलते तो, याकि सदा के लिए शासकीय आदिवासी आश्रम शाला के निर्माण पर रोक लग जायेगी या इसकी लंबी कीमत चुकानी पड़ेगी। बहुत सरल बात है की दो वर्ष पूर्व हुये निविदा में उस दौरान की कीमतों को दृष्टि गत करते हुए टेंडर कोड किये गए रहे होंगे, इन दो वर्षों में वैसे भी निर्माण सामग्रियों के दरो में इजाफा होना स्वाभाविक ही था फिर अब तो खाड़ी देशों में हुये युद्ध परिणामों ने भारत की अर्थव्यवस्था और पेट्रोलियम पदार्थों में आग लगा कर रख दी है। स्वाभाविक है की अगर समय का समुचित लाभ प्रशासनिक अधिकारियों ने नहीं उठाया तो शासकीय खजाने को गहरी चोट लगने से नहीं रोका जा सकता। उमरिया जिले की नवागत कलेक्टर महोदय से जनापेक्षा है की शासकीय आदिवासी आश्रम शाला भवन निर्माण के लिए आवश्यक पहल करते हुए तत्काल आवश्यक पहल करेंगी, ताकि बरसाती उफान के पहले ही भवन की आधारशिला रखी जा सकें।

थाना जारचा पुलिस द्वारा 01 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार।

समाज जागरण

संदीप गर्ग / नोएडाः थाना जारचा पर वादी द्वारा सूचना दी गई कि उसके ग्राम के ही अभियुक्तों द्वारा वादी के भाई के साथ गाली-गलौच करते हुए डंडों से मारपीट की गई जिसमें वादी के भाई को चोटें आईं है। उक्त तहरीर के आधार पर थाना जारचा पर अभियोग पंजीकृत किया गया था, जिसमें 03 अभियुक्तों पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

थाना जारचा पुलिस द्वारा लोकल इंटेलिजेंस व बीट पुलिसिंग की सहायता से 01 वांछित अभियुक्त शनि पुत्र रवि कुमार को ग्राम सिद्धिपुर मोड़ के पास से गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त शनि पुत्र रवि कुमार निवासी ग्राम ततारपुर, थाना जारचा, गौतमबुद्धनगर का रहने वाला है और उम्र 20 वर्ष बताई जा रही है पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर धारा 109(1)/115/352 बीएनएस, मैं मुकदमा पंजीकृत कर कार्रवाई शुरू कर दी है.

थाना सेक्टर-20 पुलिस द्वारा 04 अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से चोरी की लाइसेंसी बंदूक मय 04 कारतूस .12 बोर, अवैध शस्त्र व घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद।

समाज जागरण

संदीप गर्ग / नोएडाः थाना क्षेत्र 20 जनपद गौतम बुध नगर मैं अभियुक्त गण अपनी मोटरसाइकिल पर सवार होकर जा रहे थे तभी उनकी नजर सड़क किनारें सोते हुए सुरक्षा गार्ड पर पड़ी तो उन्होनें देखा कि गार्ड के कंधे पर काले बैग में एक बंदूक टंगी हुई। अभियुक्तों द्वारा मोटरसाइकिल को रोककर बंदूक को चोरी करके वहाँ से चले गए। सूचना प्राप्त होते ही थाना सेक्टर-20 पुलिस द्वारा तत्काल अभियोग पंजीकृत हुए अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम गठित की गई थी। गठित की गई टीम ने थाना सेक्टर-20 पुलिस द्वारा मैनुअल इंटेलिजेंस व सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उक्त घटना का

सफल अनावरण करते हुए 04 अभियुक्तगण दिव्यांशु शुक्ला उर्फ भूरी पुत्र रितेश शुक्ला, शिवम पुत्र बबली ,साहिल शर्मा पुत्र अजय शर्मा और आर्यन सिंह पुत्र विजेंद्र सिंह को भगत सिंह पार्क सेक्टर-31 नोएडा से गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्तों के कब्जे से सुरक्षा गार्ड से चोरी की गई लाइसेंसी बंदूक (डिसमेंटल अवस्था), 04 कारतूस .12 बोर, सुरक्षा गार्ड की सीटी, बैंक पासबुक, घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल व अभियुक्त दिव्यांशु शुक्ला उर्फ भूरी, शिवम पुत्र बबली के कब्जे से 01-01 अवैध चाकू बरामद किए गए हैं।गिरफ्तार हुए अभियुक्तों का विवरण कुछ इस तरह है अभियुक्त दिव्यांशु शुक्ला उर्फ भूरी पुत्र रितेश शुक्ला निवासी काशीराम कॉलोनी, थाना गोला, लखीमपुर खीरी वर्तमान पता ग्राम चौड़ा, सेक्टर-22 नोएडा, थाना सेक्टर-24, गौतमबुद्धनगर, का रहने वाला है उम्र 19 वर्ष दूसरा अभियुक्त शिवम पुत्र बबली निवासी ग्राम बिशनपुरा, थाना सेक्टर-58, गौतमबुद्धनगर उमर 22 वर्ष तीसरा अभियुक्त साहिल शर्मा पुत्र अजय शर्मा निवासी खुर्जा नगर, थाना खुर्जा सिटी, बुलंदशहर का मूल निवासी और वर्तमान पता ग्राम बिशनपुरा, थाना सेक्टर-58, गौतमबुद्धनगर, उमर 21 वर्ष और इनका चौथा साथी आर्यन सिंह पुत्र विजेंद्र सिंह निवासी ग्राम नारायणपुर, थाना धौलाना, हापुड़ करने वाला और वर्तमान पता ग्राम चौड़ा, सेक्टर-22 नोएडा, थाना सेक्टर-24, गौतमबुद्धनगर, उम्र 19 वर्ष बताई जा रही है इनमें से अभी दिव्यांशु शिवम का पुराना आपराधिक इतिहास भी है विभिन्न थाना क्षेत्र में पहले भी कई मुकदमे इन पर पंजीकृत है पुलिस ने चारों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उचित धारों में मुकदमा पंजीकृत कर कार्रवाई शुरू कर दी है और उनके पास से सुरक्षा गार्ड से चोरी की गई लाइसेंसी बंदूक (डिसमेंटल अवस्था), 04 कारतूस .12 बोर, सुरक्षा गार्ड की सीटी, बैंक पासबुक, घटना में प्रयुक्त मोटर साइकिल और 02 अवैध चाकू अपने कब्जे में ले लिए हैं आगे की विधि कार्रवाई जारी है.

थाना दादरी पुलिस द्वारा चोरी करने वाले 02 अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से चोरी का 01 स्टील गेट, 04 पीतल के बर्तन व घटना में प्रयुक्त ट्रेक्टर-ट्रॉली बरामद।

समाज जागरण

संदीप गर्ग / नोएडाः थाना दादरी पुलिस द्वारा लोकल इंटेलिजेंस व गोपनीय सूचना के सहायता से चोरी करने वाले 02 अभियुक्त निखिल भाटी पुत्र हरिओम और भरत भाटी पुत्र जसराज को जारचा अंडरपास से सिकंदराबाद की ओर जाने वाले रास्ते से गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्तों के कब्जे से चोरी का 01 स्टील गेट, चोरी के 04 पीतल के बर्तन व घटना में प्रयुक्त ट्रेक्टर-ट्रॉली बरामद की गई हैं।

पूछताछ के दौरान अभियुक्तों द्वारा बताया गया कि बरामद स्टील का एक गेट उन्होनें राधा कुंज कॉलोनी

व पीतल के बर्तन सेक्टर म्यु -1 से चुराया था। उक्त चोरी की घटनाओं के संबंध में थाना दादरी पर अभियोग पंजीकृत है ।गिरफ्तार अभियुक्त निखिल भाटी पुत्र हरिओम निवासी ग्राम लुहारली, थाना दादरी, गौतम बुद्धनगर का रहने वाला है उम्र 20 वर्ष और दूसरा अभियुक्त भरत भाटी पुत्र जसराज निवासी ग्राम लुहारली, थाना दादरी, गौतमबु द्धनगर, और उमर 22 वर्ष बताई जा रही है पुलिस ने दोनों व्यक्तियों को गिरफ्तार कर धारा 305/317(2) बीएनएस, और धारा 305/31 7(2)बीएनएस मैं मुकदमा पंजीकृत कार्यवाही शुरू कर दिए और अभियुक्तों के पास से 1- चोरी का 01 स्टील गेट 2- चोरी के 04 पीतल के बर्तन 3- घटना में प्रयुक्त ट्रेक्टर-ट्रॉली अपने कब्जे में ले ली है.

थाना इकोटेक-3 पुलिस द्वारा 'हत्या' के अभियोग में वांछित 25,000/- रुपये का इनामी (मुख्य) अभियुक्त सहित कुल 02 अभियुक्त गिरफ्तार।

समाज जागरण

संदीप गर्ग / नोएडाः नोएडा थाना इकोटेक-3 पुलिस द्वारा मैनुअल इंटेलिजेंस व इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की सहायता से उक्त घटना के मुख्य आरोपी अभियुक्त प्रीत नागर पुत्र कल्लू उर्फ कालू व उसके सहयोगी अभियुक्त दीपक उर्फ क्रिश नागर पुत्र जगत नागर को खैरपुर गोल चक्कर के पास सर्विस रोड से गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्त प्रीत नागर के कब्जे से घटना में प्रयुक्त (आलाकत्ल) 01 पिस्टल मय 02 जिंदा कारतूस .32 बोर व अभियुक्त दीपक उर्फ क्रिश नागर के कब्जे से 01 तमंचा मय 01 खोखा कारतूस, 01 जिंदा कारतूस व निशानदेही से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की गई। पुलिस द्वारा पूछताछ के दौरान पता लगा कि थाना इकोटेक-3 क्षेत्रांतर्गत ग्राम वेदपुरा में मृतक दीपक नागर की गोली मारकर हुई 'हत्या' के संबंध में थाना इकोटेक-3 पर अभियोग पंजीकृत किया गया था। थाना इकोटेक-3 पुलिस द्वारा उक्त घटना में 06 अभियुक्तों की पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। हत्या का मुख्य आरोपी प्रीत नागर अपने सहयोगियों के साथ घटना कारित करने के बाद से फरार चल रहा था, जिसकी गिरफ्तारी हेतु 25,000/- रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

पूछताछ के दौरान अभियुक्त प्रीत नागर द्वारा बताया गया कि वर्ष 2011 में उसके पिता स्व0 कालू की हत्या हुई थी, जिसमें मृतक दीपक नागर के पिता बरी हो गए थे। अभियुक्त प्रीत नागर द्वारा बदले की भावना से अपने साथियों के साथ मिलकर दीपक नागर की हत्या की घटना कारित की गई थी। गिरफ्तार अभियुक्त प्रीत नागर पुत्र कल्लू उर्फ कालू निवासी ग्राम वेदपुरा, थाना इकोटेक-3, गौतमबुद्धनगर और दूसरा अभियुक्त दीपक उर्फ क्रिश नागर पुत्र जगत नागर निवासी ग्राम वेदपुरा, थाना इकोटेक-3, गौतम बुद्धनगर का रहने वाला है. पुलिस से दोनों अभिलेख की गिरफ्तार कर धारा 103(1) ,61(2) ,3(5) बीएनएस, मैं मुकदमा पंजीकृत कार्यवाही शुरू कर दी है और अभियुक्तों के पास से

1- घटना में प्रयुक्त (आलाकत्ल) 01 पिस्टल मय 02 जिंदा कारतूस .32 बोर 2- 01 तमंचा मय 01 खोखा कारतूस, 01 जिंदा कारतूस 3- घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल अपने कब्जे में ले लिया है आगे की विध क कार्रवाई जारी है.

थाना जारचा, जनपद गौतमबुद्धनगर

समाज जागरण

जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु थाना जारचा पुलिस द्वारा प्रभावी कार्यवाही करते हुए भूमि संबंधी आपसी विवाद एवं संभावित शांति भंग की स्थिति में 04 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। दिनांक 31/05/2026 को ग्राम खणगौड़ा एवं ऊंचा अमीरपुर क्षेत्र में जमीनी विवाद को लेकर निम्न व्यक्तियों के मध्य विवाद एवं आमदा फसाद की स्थिति उत्पन्न हो गई थी–

1- कपिल पुत्र हरिप्रकाश निवासी ग्राम खण्गौड़ा, थाना जारचा, जनपद गौतमबुद्धनगर। 2- शिवम पुत्र सुखवीर सिंह निवासी ग्राम ऊंचा अमीरपुर, थाना जारचा, जनपद गौतमबुद्धनगर, उम्र लगभग 25 वर्ष। 3- अनिल पुत्र मान सिंह निवासी ग्राम ऊंचा अमीरपुर, थाना जारचा, जनपद गौतमबुद्धनगर, उम्र लगभग 30 वर्ष। 4- जीशान पुत्र आस मोहम्मद निवासी ग्राम कलौंदा, थाना जारचा, जनपद गौतमबुद्धनगर, उम्र लगभग 19 वर्ष। उक्त व्यक्तियों द्वारा आपस में विवाद करते हुए शांति व्यवस्था भंग किए जाने की आशंका उत्पन्न हो रही थी। मौके पर पहुंची थाना जारचा पुलिस द्वारा सभी को समझाने एवं शांत कराने का प्रयास किया गया, किन्तु वे उत्तेजित होकर झगड़ा करने पर आमादा रहे। परिस्थितियों को देखते हुए क्षेत्र में शांति व्यवस्था भंग होने तथा संज्ञेय अपराध घटित होने की प्रबल संभावना थी। अतः पुलिस टीम द्वारा अभियुक्तगण को गिरफ्तारी के कारणों से अवगत कराते हुए धारा 170/126/135 बीएनएसएस के अंतर्गत हिरासत में लिया गया तथा उनके विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्यवाही करते हुए माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। उक्त कार्यवाही उपनिरीक्षक ऋषिपाल कटारिया एवं थाना जारचा पुलिस टीम द्वारा संपादित की गई। जारचा पुलिस आमजन से अपील करती है कि किसी भी प्रकार के विवाद का समाधान कानून सम्मत एवं शांतिपूर्ण तरीके से करें तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करें।

डी बी ए सोनभद्र विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर रुको, रोको और टोको अभियान चलायेगा

समाज जागरण/
अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र द्वारा विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर डी बी ए सभागार में पूर्व अध्यक्ष जगजीवन सिंह एडवोकेट की अध्यक्षता में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया !

इस अवसर पर बोलते हुए पवन कुमार सिंह एडवोकेट पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र ने कहा कि तंबाकू का सेवन न केवल सेवनकर्ता के स्वास्थ्य को नष्ट करता है, बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। कैंसर, हृदय रोग और श्वसन संबंधी बीमारियों का यह प्रमुख कारण है। अधिवक्ता समाज के जागरूक प्रहरी हैं, इसलिए हमारी जिम्मेदारी बनती है कि हम न्यायालय परिसर को पूर्णतः तंबाकू मुक्त बनाएं। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन का प्रत्येक सदस्य आज संकल्प ले कि न स्वयं तंबाकू का सेवन करेगा और न किसी को करने देगा।

डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के वरिष्ठ अधिवक्ता रियाजुद्दीन खान ने कहा कि कोटपा अधिनियम 2003 के तहत सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान दंडनीय अपराध है। इसलिए रुको, रोको और टोको अभियान से नशा मुक्ति का सन्देश दिया जायेगा ! संचालन वरिष्ठ अधिवक्ता राजेश कुमार यादव एडवोकेट ने किया।

संगोष्ठी में पंकज यादव, प्रदीप कुमार मौर्य, चंद्रपाल शुक्ल, संतोष कुमार यादव, राजेंद्र कुमार यादव, राजकुमार पटेल, सुरेश सिंह कुशवाहा, वीरेंद्र राव, सुरेश सिंह, टीटू प्रसाद गुप्ता, कामता यादव, आदर्श देव पांडेय, रामगुल्ली यादव, आशुतोष पटेल दसरथ यादव, कृष्णानंद सिंह, शाहिद कुरैशी, कृष्ण कांत आदि अधिवक्तागण उपस्थित है।

अवैध अस्पताल में प्रसूता की मौत मामले में बड़ी कार्रवाई , फरार आरोपियों पर ₹35 हजार का इनाम घोषित

समाज जागरण/
विजय कुमार अग्रहरी

सोनभद्र। कोन क्षेत्र स्थित अवैध रूप से संचालित ग्लोबल हॉस्पिटल में प्रसव के दौरान महिला की मौत के मामले में प्रशासन और पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। अस्पताल को सील कर दिया गया है, जबकि मामले में फरार चल रहे आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कुल ₹35 हजार का इनाम घोषित किया गया है।

जानकारी के अनुसार शनिवार को सीमा पत्नी देवनारायण, निवासी सोना सिंगा (पोस्ट बागेसोती, थाना कोन) को प्रसव पीड़ा होने पर कचनरवा पीएचसी लाया गया था। प्राथमिक जांच के बाद उन्हें एम्बुलेंस 108 से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कोन रेफर किया गया, लेकिन आरोप है कि एम्बुलेंस के ईएमटी द्वारा उन्हें निर्धारित अस्पताल के बजाय बिना पंजीकरण संचालित ग्लोबल हॉस्पिटल पहुंचा दिया गया। वहां ऑपरेशन के दौरान महिला की मौत हो गई, जबकि नवजात सुरक्षित बताया गया। घटना के बाद जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच के निर्देश दिए। उनके निर्देश पर उपजिलाधिकारी ओबरा विवेक कुमार सिंह, अपर मुख्य चिकि त्साधिकारी डॉ. गुलाब शंकर यादव, उप मुख्य चिकित्सा धिकारी डॉ. कीर्ति आजाद बिन्द तथा क्षेत्राधिकारी कोन की संयुक्त टीम ने अस्पताल पहुंचकर जांच की। जांच में अस्पताल को अवैध रूप से संचालित पाया गया, जिसके बाद शनिवार को उसे तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया। प्रशासन की ओर से अस्पताल संचालक नसीम अहमद के विरुद्ध मुकदमा अपराध संख्या 104/ 2026 में धारा 105, 318(4) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) एवं धारा 34 राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कराई गई है। प्रभारी निरीक्षक कोन अखिलेश कुमार मिश्रा ने बताया कि पुलिस अधीक्षक द्वारा फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए नसीम अहमद पर ₹25,000 तथा उसकी सहयोगी सलमा पर ₹10,000 का इनाम घोषित किया है। पुलिस लगातार दोनों की तलाश में दबिश दे रही है और संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि आरोपियों के संबंध में कोई भी सूचना मिलने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जनपद में अवैध रूप से संचालित अस्पतालों और स्वास्थ्य संस्थानों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा तथा दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त होने पर विश्वकर्मा समाज की बैठक, सम्मेलन की तैयारियों पर मंथन

समाज जागरण/
आदिवासी सुनील त्रिपाठी

ओबरा/ सोनभद्र। माननीय हंसराज विश्वकर्मा को राज्य मंत्री का दर्जा प्राप्त होने पर ओबरा स्थित विश्व कर्मा मंदिर परिसर में विश्वकर्मा समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का नेतृत्व मनीष विश्वकर्मा ने किया, जिसमें आगामी विश्वकर्मा सम्मेलन को भव्य एवं सफल बनाने के लिए विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में समाज के लोगों ने सम्मेलन की रूपरेखा, संगठन की मजबूती तथा अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने पर अपने विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि राज्य मंत्री का दर्जा मिलने से समाज में उत्साह का माहौल है और इसे लेकर व्यापक स्तर पर सम्मेलन आयोजित करने की तैयारी की जा रही है।मनीष विश्वकर्मा ने बताया कि सम्मेलन की तिथि अभी निर्धारित नहीं की गई है। इसके लिए तीन और बैठकें आयोजित की जाएंगी, जिसके बाद सर्वसम्मति से कार्यक्रम की तिथि एवं विस्तृत रूपरेखा घोषित की जाएगी। बैठक में बी.डी. विश्वकर्मा, मुरलीधर विश्वकर्मा, निरंजन विश्व कर्मा, दीनानाथ विश्वकर्मा, महंगी प्रसाद विश्वकर्मा, संतोष विश्व कर्मा, डॉ. दिनेश विश्वकर्मा, हरिओम विश्वकर्मा, बहादुर विश्वकर्मा, विमला विश्वकर्मा, इंद्र कुमार शर्मा, रामअवध शर्मा, दूधनाथ विश्वकर्मा, बृजेश शर्मा, राजू विश्वकर्मा, शैलेंद्र विश्वकर्मा, दीपू विश्वकर्मा एवं प्रशांत विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे। बैठक के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने विश्वकर्मा सम्मेलन को सफल बनाने के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया।

भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ ने पत्रकारिता दिवस पर विचार संगोष्ठी व सम्मान समारोह का किया गया आयोजन

पत्रकारिता दिवस पर विचार संगोष्ठी व सम्मान समारोह का हुआ आयोजन, समारोह में पत्रकार हुए सम्मानित

समाज जागरण/
विजय कुमार अग्रहरी

सोनभद्र। हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर शनिवार की सायं ओबरा नगर स्थित एक प्रेक्षागृह में भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ इकाई सोनभद्र के तत्वाधान में विचार संगोष्ठी व सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया।कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अथिति व विशिष्ठ अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती जी के फोटो चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया एवं आए हुए अतिथियों को सम्मानित कर संगोष्ठी का शुभारम्भ किया गया।आयोजित संगोष्ठी में हिंदी पत्रकारिता में परम्परा, परिवर्तन और जिम्मेदारी विषय पर गहन मंथन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित नगर पंचायत ओबरा अध्यक्षा चांदनी देवी ने सभी पत्रकार बंधुवों को पत्रकारिता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए समाज के प्रति पत्रकारों के योगदान की सराहना किया और कहा कि पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ है उनकी स्वतंत्रता ही लोकतंत्र की मजबूती है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ पत्रकार राहुल श्रीवास्तव ने कहा कि स्वतंत्र और निष्पक्ष पत्रकारिता तभी सम्भव है जब पत्रकारों को आर्थिक रुप से मजबूत और सुरक्षित रखा जाए। आर्थिक तंगी सीधे तौर पर उनके गुणवत्ता और स्वतंत्रता को प्रभावित करती है।

कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि के रुप में उपस्थित साहित्यकार एवं वरिष्ठ पत्रकार नरेन्द्र नीरव, सुनील तिवारी, एसपी तनेजा,समाज सेवी देव प्रकाश मौर्या, क्रेशर एसोसिएशन अध्यक्ष अजय सिंह एवं चोपन, डाला से आए पत्रकार बंधुओं नें संगोष्ठी में हिंदी पत्रकारिता के गौरवशाली इतिहास, कर्तव्य और जिम्मेदारी पर विस्तृत प्रकाश डाला एवं बताया कि पत्रकारिता समाज की वह आवाज है जो लोगो की समस्याओं को सामने लाकर न्याय और बदलाव का मार्ग प्रशस्त करती है। कार्यक्रम में उपस्थित ओबरा थाना प्रभारी सदानंद राय नें सकारात्मक पत्रकारिता को समाज हित में आवश्यक बताया।

कार्यक्रम में संगोष्ठी के पश्चात ओबरा, चोपन, डाला के तमाम पत्रकार बंधुवों को उनके उत्कृष्ट कार्य एवं समाज के प्रति समर्पण के लिए उन्हे सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार सतीश भाटिया को महसंघ में उत्तर प्रदेश का प्रदेश उपाध्यक्ष एवं भोला दूबे को विंध्याचल मंडल अध्यक्ष बनाए जाने पर अतिथियों ने उन्हे अंगवस्त्र व माल्यार्पण कर सम्मानित किया। और उनके स्पष्ट लेखनी और निर्भीक पत्रकारिता की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन कर रहे पत्रकार संजय यादव ने संचालन कर समरोह को सुंदर एवं भव्य बनाया।

जिला संरक्षक पत्रकार

सुरेन्द्र सिंह, मुख्य महासचिव ऋषि गुप्ता नें समारोह को मुख्य स्वरूप देकर कार्यक्रम को सफल व उत्कृष्ट बनाया।कार्यक्रम में जिला प्रभारी हरिओम विश्वकर्मा, जिला सचिव अरविन्द कुशवाहा, जिला मीडिया प्रभारी अजीत कुमार सिंह ने समारोह को सफल बनाने में अपनी सहभागिता प्रस्तुत की।

कार्यक्रम के अंत में विंध्याचल मंडल अध्यक्ष भोला दूबे एवं जिलाध्यक्ष महेश पाण्डेय ने इस सफल आयोजन के लिए सभी अतिथियों का एवं उपस्थित सभी पत्रकार बंधुवो का धन्यवाद ज्ञापित कर आभार प्रस्तुत किया। इस अवसर पर वरिष्ठ समाज सेवी श्रवण पासवान, पत्रकार आलोक भाटिया, शमशाद आलम, उत्तम सिंह, रामप्यारे सिंह, सतेंद्र सिंह, अरविन्द सिंह, राकेश अग्रहरी, नीरज भाटिया, मनोज चौबे, ज्ञानेंद्र पाठक, अरविन्द दूबे, शशि चौबे, प्रवीण विश्वकर्मा, राम आश्रय बिंद, अरविन्द गुप्ता, किरन गोंड, किरन साहनी, राज वंश चौबे,

नीरज पाठक, मुस्ताक अहमद, सन्तोष साहनी, विकास अग्रहरी, दीना नाथ शर्मा, अमरदीप सिंह साहित ओबरा चोपन डाला के तमाम पत्रकार बंधु उपस्थित रहे।

विश्व हिंदू महासंघ संगठन का सोनभद्र में विस्तार, महंत राधा नंदगिरी बनीं किन्नर प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष

मिशन 2027 को लेकर संगठन सक्रिय, दुद्धी में जनसंपर्क अभियान तेज

समाज जागरण/
विजय कुमार अग्रहरी

सोनभद्र। जनपद सोनभद्र के दुद्धी क्षेत्र में विश्व हिंदू महासंघ संगठन के विस्तार को नई गति मिली है। संगठन की ओर से महंत राधा नंदगिरी को किन्नर प्रकोष्ठ का सोनभद्र जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया। यह मनोनयन किन्नर प्रकोष्ठ की क्षेत्रीय अध्यक्ष महामंडलेश्वर किरन नंदगिरी के निर्देश पर किया गया। नियुक्ति के बाद क्षेत्र में संगठन कार्यकताओं और समर्थकों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष महंत राधा नंदगिरी ने संगठन से जुड़ने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति तथा किन्नर प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष काजल किरन के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि वे संगठन की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के साथ समाज सेवा के कार्यों को और अधिक गति देने का प्रयास करेंगी। इस अवसर पर संगठन पदाधिकारियों ने विश्वास जताया कि महंत राधा नंदगिरी के नेतृत्व में किन्नर प्रकोष्ठ सोनभद्र में और अधिक मजबूत होगा तथा सामाजिक कार्यों के क्षेत्र में नई पहचान स्थापित करेगा। इसी क्रम में संगठन के जिलाध्यक्ष विजय यादव द्वारा ग्राम दुद्धी में जनसंपर्क अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान ग्रामीणों को महामंडलेश्वर किरन नंदगिरी द्वारा किए जा रहे सामाजिक एवं जनसेवा कार्यों की जानकारी दी गई। साथ ही मिशन 2027 को लेकर संगठन को मजबूत बनाने, ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंपर्क बढ़ाने तथा गरीब, मजदूर और जरूरतमंद लोगों को उनके अधिकार दिलाने के मुद्दों पर

चर्चा की गई। कार्यक्रम के अंत में पदाधिकारियों ने समाज सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए संगठन को गांव-गांव तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया।

सेक्टर कमेटियों के गठन से मजबूत होगा संगठन, ओबरा में चुनावी तैयारी शुरू : आनन्द पटेल दयालु

समाज जागरण/
आदिवासी सुनील त्रिपाठी

ओबरा/ सोनभद्र। अपना दल (एस) के संगठन विस्तार एवं सेक्टर कमेटियों के गठन को लेकर ओम चौराहे पर ओबरा विधानसभा की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता ओबरा विधानसभा अध्यक्ष प्रभुनाथ खरवार ने की। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि आनन्द पटेल दयालु, प्रदेश उपाध्यक्ष युवा मंच, अपना दल (एस) ने कहा कि पार्टी को बूथ और सेक्टर स्तर तक मजबूत बनाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। सेक्टर कमेटियों के गठन से संगठन को नई मजबूती मिलेगी और कार्यकताओं को जनता के बीच पार्टी की नीतियों को पहुंचाने में आसानी होगी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में माननीय अनुप्रिया पटेल जी के नेतृत्व को मजबूत करने के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को जिम्मेदारी के साथ काम करना होगा। उन्होंने कहा कि अपना दल (एस) के संस्थापक डॉ. सोनेलाल पटेल का सपना था कि समाज के हर वर्ग को रोटी, कपड़ा और मकान जैसी मूलभूत सुविधाओं का अधिकार मिले। पार्टी उसी विचारधारा को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है। दयालु ने कार्यकताओं का आह्वान करते हुए कहा कि यदि संगठन को पूरी मजबूती के साथ खड़ा किया गया तो आने वाले विधानसभा चुनाव में ओबरा क्षेत्र में अपना दल (एस) मजबूती से अपनी दावेदारी पेश करेगा। इसके लिए सभी कार्यकताओं को अभी से जुटकर संगठन विस्तार और जनसंपर्क अभियान में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। बैठक में विशिष्ट अतिथि के रूप में महताब आलम (प्रदेश सचिव, अल्पसंख्यक मंच), शिवदत्त दुबे (जिला महा सचिव एवं ओबरा विधानसभा सह प्रभारी), विनोद यादव (जिला उपाध्यक्ष), शिब्बु शेख (जिला उपाध्यक्ष), संतोष कनौजिया (जिला सचिव) तथा रामलाल प्रजापति (जिला कार्यकारिणी सदस्य) उपस्थित रहे। बैठक का संचालन जोन अध्यक्ष मोतीलाल गौड़ ने किया। इस अवसर पर जनाब शरीफ खान (विधानसभा अध्यक्ष, अल्प संख्यक मंच), पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष शुखम्भर राव, लाल बहादुर खरवार (विधानसभा महासचिव), सुखदेव (विधानसभा कार्यकारिणी सदस्य), सेक्टर अध्यक्ष लल्लन कोल, सेक्टर अध्यक्ष साहिल खान,

सेक्टर अध्यक्ष विशेष सिन्हा सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जनपद में विशेष नाला सफाई एवं स्वच्छता अभियान प्रारंभ

जिलाधिकारी के निर्देश पर नगर निकायों में एक सप्ताह तक चलेगा विशेष अभियान

समाज जागरण/
विजय कुमार अग्रहरी

सोनभद्र। जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में जनपद की नगर पालिका परिषद एवं समस्त नगर पंचायत क्षेत्रों में आज विशेष नाला सफाई एवं स्वच्छता अभियान प्रारंभ किया गया। यह अभियान आगामी एक सप्ताह तक निरंतर संचालित किया जाएगा, जिसका उद्देश्य वर्षा ऋतु से पूर्व जल निकासी व्यवस्था को सुदृढ़ करना तथा नगर क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाना है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की गई निगरानी

अभियान के प्रथम दिवस पर नाला सफाई कार्यों की ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा एवं निगरानी श्री बगीश कुमार शुक्ला अपर जिलाधिकारी ने।की इस दौरान संबंधित अधिशासी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए तथा उन्हें निर्धारित समय सीमा के भीतर अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करने के लिए कहा गया कि नालों से निकाले गए कचरे का समयबद्ध निस्तारण कराया जाए तथा स्वच्छता मानकों का पूर्ण अनुपालन हो।

लापरवाही पर होगी कड़ी कार्रवाई : जिलाधिकारी

जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने सभी अधिशासी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश जारी करते हुए कहा है कि नाला सफाई एवं स्वच्छता कार्यों में किसी प्रकार की शिथिलता अथवा लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी नगर निकाय अभियान को सर्वोच्च प्राथमिकता पर संचालित करें। यदि किसी स्तर पर उदासीनता या लापरवाही पाई जाती है तो संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से भी स्वच्छता अभियान में सहयोग करने तथा अपने आसपास साफ-सफाई बनाए रखने की अपील की है।

गुड्डी-गुड्डा विसर्जन के दौरान घाघर नदी में डूबने से किशोरी की हुई मौत

•~ खुशियों का माहौल मातम में बदला, परिजनों में मचा कोहराम, रो - रो कर हुआ बुरा हाल

समाज जागरण/
अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। चोपन थाना क्षेत्र के सलखन ग्राम पंचायत के नौका टोला में खुशियों का माहौल उस समय गम में तब्दील हो गया जब गांव की कुछ लड़कियां अधिक पूर्णिमा के शुभ अवसर पर गुड्डी-गुड्डा विसर्जन तथा स्नान-ध्यान हेतु पटवध ग्राम पंचायत के मोरईया टोला स्थित घाघर नदी में रविवार की सुबह तकरीबन10 बजे गयी थी।जहां पर तीन लड़कियां घाघर नदी में गुड्डा गुड्डी विसर्जन हेतु पानी में उतरी ही थी की एक लड़की चांदनी गोड़ (16 वर्ष) पुत्री पुत्री राम केवल गोड़ अत्यधिक गहरे पानी में चले जाने की वजह से डूबने से उसकी तत्काल घटनास्थल पर ही मौत हो गई। यह देख साथ गई शेष लड़कियां शोरगुल मचाते हुए परिजनों को आकर आपबीती बतायी।इस हृदय विदारक घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया तथा उनका रो-रो कर काफी बुरा हाल था। सूचना पाकर आनन-फानन में चोपन पुलिस व परिजन तत्काल घटनास्थल पर पहुंच शव को नदी से बाहर निकाला। चोपन पुलिस घटनास्थल का मौका मुआवना करते हुए जांच पड़ताल कर युवती के शव को अपने कब्जे में लेते हुए आवश्यक कार्रवाई कर पोस्टमार्टम हेतु जिला चिकित्सालय सोनभद्र भेज दिया। बताते हैं कि रविवार को ज्येष्ठ मास की शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि है,इसे "अधिक पूर्णिमा" भी कहा जाता है। अधिक जेष्ठ पूर्णिमा के दिन पवित्र नदियों में लोग जप-तप, दान, पूजा-पाठ और स्नान का विशेष महत्व होता है।मान्यता है कि पुरुषोत्तम मास में पूर्णिमा के दिन किए गए शुभ कार्य फलित होते हैं तथा कई गुना पुण्य मिलते हैं।लेकिन परिजनों को क्या पता था कि पुत्री की घाघर नदी में डूबने से मौत हो जाएगी। पूरे इलाके में गमगीन तथा मातम का माहौल बना हुआ है। परिजनों को ढांढस बंधाने वालों की काफी भीड़ एकत्रित हो गई थी।

दुद्धी प्रेस क्लब के तत्वावधान में भव्य रूप से मनाया गया हिंदी पत्रकारिता दिवस

मशहूर कॉमेडियन अभय कुमार शर्मा ने अपनी प्रस्तुति से दर्शकों को किया लोटपोट

समाज जागरण/
विजय कुमार अग्रहरी

सोनभद्र। दुद्धी प्रेस क्लब के तत्वावधान में कस्बे स्थित डी.आर. होटल में शनिवार रात्रि हिंदी पत्र कारिता दिवस धूमधाम एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित भव्य समारोह में क्षेत्र के पत्रकारों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण प्रसिद्ध हास्य कलाकार एवं मिमिक्री आर्टिस्ट अभय कुमार शर्मा रहे। उन्होंने देश के चर्चित नेताओं एवं फिल्मी सितारों की आवाज की शानदार नकल प्रस्तुत करते हुए पत्रकारों के संघर्षपूर्ण जीवन को हास्य के माध्यम से मंच पर जीवंत कर दिया। उनकी एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियों पर पूरा सभागार ठहाकों और तालियों की गूंज से भर उठा।

समारोह के मुख्य वक्ता राजकीय महाविद्यालय दुद्धी के सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ. रामजीत यादव ने हिंदी पत्रकारिता के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान समय में पत्रकारिता अत्यंत चुनौतीपूर्ण हो गई है। निष्पक्षता, सत्यनिष्ठा और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ कार्य करना ही पत्रकारिता का वास्तविक धर्म है। उन्होंने दुद्धी प्रेस क्लब द्वारा पत्रकारिता के मूल्यों के संरक्षण एवं संवर्धन के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि इंद्रजीत राय एवं विशिष्ट अतिथि संजय गौड़ धुर्वे द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि ग्रामीण एवं तहसील स्तर पर पत्रकारिता करना अत्यंत कठिन कार्य है। सीमित संसाधनों के बावजूद पत्रकार समाज की समस्याओं को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण दायित्व निभाते हैं। इस अवसर पर समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को भी सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में शिक्षिका वर्षा जायसवाल, पंचायत सहायक मनीष अग्रहरि, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि निरंजन जायसवाल, संविदा विद्युत कर्मी भोला कुशवाहा, राजेश मोबाइल केयर, रक्तदाता विकास अग्रहरि, सुमित सोनी, डॉ. विनय, अधिवक्ता छोटेलाल अग्रहरि, आदि वासी समाज के हितैषी फौजदार परस्ते सहित अन्य समाजसेवी शामिल रहे।कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पंचायत अध्यक्ष कमलेश मोहन ने की। उन्होंने कहा कि पत्रकारों का सम्मान वास्तव में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ का सम्मान है। इसके उपरांत क्षेत्र के कर्मठ पत्रकारों को मंच पर आमंत्रित कर प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का सफल एवं आकर्षक संचालन रमेश यादव एवं राकेश गुप्ता ने संयुक्त रूप से किया। समारोह में बार संघ अध्यक्ष कुलभूषण पांडे, पूर्व जिला जज राजन चौधरी, पूर्वांचल प्रेस क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष अग्रवाल, रामेश्वर राय, अमरनाथ जाय सवाल, रविंद्र जायसवाल, विवेक पांडे, विष्णु गुप्ता सहित दुद्धी प्रेस क्लब के उपेंद्र कुमार तिवारी, जगत नारायण विश्वकर्मा,

अशोक कनौजिया, महासचिव रवि सिंह, दैवी शक्ति, दीपक जायसवाल, इब्राहिम खान, पप्पू यादव, सुशील गुप्ता, मनीष कुमार, श्याम, शमीम अंसारी, आनंद कुमार, प्रभात कुमार, वीरेंद्र गुप्ता, ओमप्रकाश रावत समेत बड़ी संख्या में पत्रकार, सदस्य एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

वो 5 भारतीय फूड्स जिनकी विदेशों में भी है खूब डिमांड

यहां आपको कई तरह के फूड मिलते हैं, जो अपने अनोखे स्वाद के लिए जाने जाते हैं. चलिए आज इस आर्टिकल में आपको भारत के ऐसे 5 फूड बताते हैं जिनकी डिमांड विदेशों में भी बढ़ रही है. भारत में आपको खाने के कई ऑप्शन मिल जाएंगे. भारत के हर कोने में आपके अलग-अलग स्वाद मिल जाएगा. गुजरात का ढोकला, हैदराबाद की बिरयानी से लेकर बिहार के लिट्टी-चोखे तकज्हर राज्य का अपना जायका है.

भारत में खाने के भी खूब शौकीन है. यहां चटपटा, मसालेदार और लजीज खाना खूब पसंद किया जाता है. समोसे लेकर जलेबी और बिरयानी का स्वाद हर किसी जुबान पर चढ़ा रहता है. भारत के कुछ फूड तो ऐसे हैं जिन्होंने विदेशों में भी अपनी पहचान बना ली हैं. चलिए जानते हैं ऐसे ही 5 भारतीय फूड्स के बारे में जिनकी विदेशों में भी खूब डिमांड है.

बटर चिकन की है खूब डिमांड

बटर चिकन भारत में खूब पसंद किया जाता है. लेकिन सिर्फ भारतीय ही नहीं बल्कि विदेशों में भी इसकी खूब डिमांड है. ये एक नॉर्थ इंडियन डिश है, जो क्रीमी और बटरी फ्लेवर की लिए जानी जाती है. इंग्लैंड और अमेरिका जैसे देशों में बटर चिकन काफी पसंद किया जाता है.

बिरयानी के भी है लोग दिवाने

लंबे-लंबे और खुशबूदार चावलों से बनी बिरयानी का स्वाद हर किसी को दीवाना बना देता है. भारत में हैदराबादी और मुरादाबादी बिरयानी बड़े शौक से खाई जाती है. वहीं, गल्फ देशों और यूरोप में भी बिरयानी के काफी शौकीन लोग हैं.

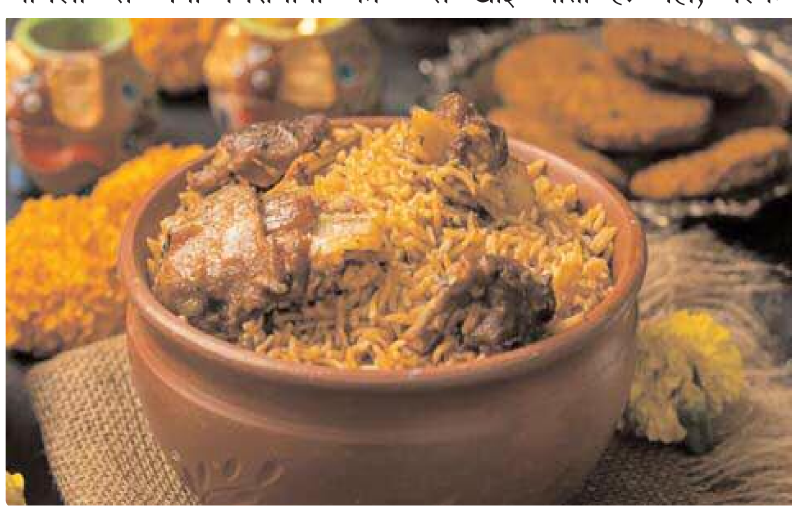

समोसा भी है लिस्ट में शामिल

समोसा भारतीय को फेवरेट स्ट्रीट फूड है. हर गली में आपको समोसा बिकता मिल जाएगा. शाम के नाश्ते में इसका स्वाद और बढ़ कर आता है. आलू, मटर और खड़े मसालों से भरा समोसा बेहद स्वादिष्ट लगता है. भारत के आलावा कनाडा, यूके और अमेरिका में भी समोसे की डिमांड अब बढ़ रही है.

मसाला चाय के शौकीन

भारत में तो चाय के बिना दिन ही अधूरा लगता है. कुछ लोगों की सुबह की शुरुआत ही चाय के साथ होती है. भारत में आपको कई तरह की चाय मिल जाएगी, जिसमें सबसे पॉपुलर है मसाला चाय. लेकिन सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि कई देशों में मसाला चाय को पसंद किया जा रहा है. इसे चाय लाटे के नाम से जाना जा रहा है.

दाल और नान की भी बढ़ रही डिमांड

विदेशों में इंडियन रेस्टॉरेंट्स में लोग दाल तड़का और गरमा-गरम नान को जरूर ऑर्डर करते हैं. ये कॉम्बो इंडियन कंफर्ट फूड की तरह ग्लोबल फेवरेट बन चुका है.

नकली पनीर खाने से शरीर में क्या होता है? ऐसे करें पहचान

पनीर को सिर्फ वेजिटेरियन ही नहीं बल्कि नॉन वेज खाने वाले भी खूब पसंद करते हैं. पनीर से बनी डिशेज भी काफी स्वादिष्ट लगती हैं. चाहे फिर पनीर भुर्जी हो , शाही पनीर है या फिर चिल्ली पनीर. स्वाद होने के साथ ही इसमें प्रोटीन की भी काफी अच्छी मात्रा पाई जाती है. मसल गेन करने वाले प्रोटीन इनटेक पूरा करने के लिए पनीर का सेवन करते हैं. प्रोटीन के अलावा पनीर कैल्शियम, गुड फैट और विटामिन का भी अच्छा सोर्स है. शादी-पार्टी से लेकर आम दिनों में भी पनीर का खूब खाया जाता है.

लेकिन आज कल मार्केट में नकली पनीर भी आने लगा है. इस पनीर को बनाने में स्टार्च और कई तरह के केमिकल का इस्तेमाल किया जाता है. ऐसे में सवाल ये बनता है कि अगर नकली पनीर खा लिया जाए तो इससे शरीर पर क्या असर पड़ता है. चलिए इस आर्टिकल में एक्सपर्ट से जानते हैं नकली पनीर सेहत को क्या नुकसान पहुंचा है और हम कैसे असली नकली पनीर की पहचान कर सकते हैं.

कैसे बनता है नकली पनीर?

नकली पनीर तैयार करने के लिए बेकिंग सोडा, पाम ऑयल, मैदा और डिटर्जेंट जैसी चीजों का इस्तेमाल किया जाता है. वहीं कुछ मिलावट खोर तो पनीर बनाने के लिए कोलतार डाई, यूरिया और सल्फ्यूरिक एसिड तक जैसे खतरनाक केमिकल का इस्तेमाल करते हैं, जो शरीर को नुकसान पहुंचा सकती हैं. इसको लेकर हमने सीनियर डाइटिशियन फारेहा शानेम से बातचीत की. उन्होंने नकली पनीर का सेवन करने के बाद होने वाले नुकसान के बारे में विस्तार से बताया है.

नकली पनीर खाने से शरीर में क्या होता है?

दिल्ली के गंगाराम हॉस्पिटल की सीनियर डाइटिशियन फारेहा शानेम बताती हैं कि, नकली पनीर खाने से शरीर को क्या नुकसान पहुंचाता है डिपेंड करता है कि पनीर में किस चीज की मिलावट की गई है. अगर पनीर में हार्मफुल केमिकल मिलाए गए हैं तो सबसे पहले इसका असर हमारे डाइजेशन पर पड़ता है. इससे पेट खराब हो सकता है, डायरिया होना, उल्टी होना और ब्लोटिंग जैसी समस्याएं हो सकती हैं. इसके अलावा फूड प्वाइजनिंग होने का भी खतरा रहता है.

अगर पनीर में स्टार्च या डिटर्जेंट की मिलावट की गई है, तो स्किन एलर्जी जैसी समस्याएं हो सकती हैं. स्टार्च होने की वजह से वेट गेन, डायबिटीज और हार्ट हेल्थ को नुकसान पहुंच सकता है. वहीं, डिटर्जेंट का यूज हमारे ऑर्गन जैसे किडनी, लीवर को खराब कर सकता है. यूरिया या कार्सिक सोडा जैसे केमिकल वाला पनीर खा लेते हैं तो कैंसर तक होने का खतरा बढ़ जाता है.

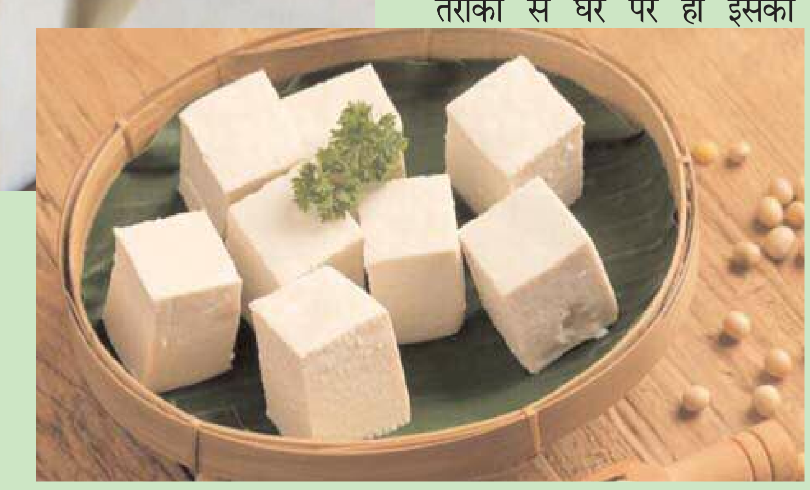

हालांकि, अगर आपने नकली पनीर 1-2 ही खाया है तो ये शरीर को नुकसान नहीं पहुंचाएगा. लेकिन अगर लंबे समय तक पनीर का सेवन किया जाए तो शरीर को नुकसान पहुंच सकता है.

कैसे करें नकली पनीर की पहचान?

नकली पनीर की पहचान करना भी आसान है. आप कुछ तरीकों से घर पर ही इसकी पहचान कर सकते हैं. चलिए बताते हैं नकली पनीर को पहचाने के तरीके-

फ्लेम टेस्ट- एक पनीर का टुकड़ा लें और उसे गैस की धीमी आंच पर रख दें. अगर पनीर जलते समय केरोसिन या प्लास्टिक जैसी गंध छोड़ रहा है तो ये नकली है. इस पनीर में डिटर्जेंट या साबुन की मिलावट की गई है.

टेक्सचर टेस्ट- अपने हाथ में पनीर का टुकड़ा लें और इसे हल्के से दबाएं. अगर पनी बहुत ज्यादा हार्ड या रबड़ जैसा फील हो रहा है तो ये नकली पनीर हो सकता है. क्योंकि असली पनीर सॉफ्ट होता है.

चख कर देखें- पनीर को टेस्ट करके भी आप असली और नकली की पहचान कर सकते हैं. खाने में अगर पनीर का स्वाद खट्टा, ज्यादा चबाने वाला या फिर साबुन जैसा लगे तो इसमें मिलावट हो सकती है.

वाटर इमर्शन टेस्ट- अगर पनीर में स्टार्च या सिंथेटिक की मिलावट की गई है तो इसकी पहचान आप वाटर इमर्शन टेस्ट करके कर सकते हैं. एक गिलास में गर्म पानी लें और उसमें पनीर का टुकड़ा डालें. अगर पनीर पानी में घुल जाता है या सफेद झाग निकलता है समझ जाएं की पनीर नकली है.

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर व्यवहार न्यायालय में शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित

तंबाकू एवं नशीले पदार्थों के सेवन से दूर रहने का लिया संकल्प

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

31 मई। बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना के निदेशानुसार विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर रविवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार, किशनगंज के तत्वावधान में व्यवहार न्यायालय परिसर में शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, किशनगंज, सुशांत कुमार ने की।

कार्यक्रम के दौरान न्यायिक पदाधिकारियों, न्यायालय कर्मियों एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार के कर्मचारियों को तंबाकू, सिगरेट, शराब तथा अन्य सभी प्रकार के नशीले पदार्थों के सेवन से दूर रहने की सामूहिक शपथ दिलाई गई। साथ ही सभी ने समाज को नशामुक्त बनाने तथा लोगों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने का भी संकल्प लिया। इस अवसर पर अध्यक्षीय संबोधन में सुशांत कुमार ने कहा कि तंबाकू एवं अन्य नशीले पदार्थ न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाते हैं, बल्कि परिवार और समाज को भी आर्थिक एवं मानसिक रूप से प्रभावित करते हैं। उन्होंने कहा कि जन-जागरूकता के माध्यम से ही नशे जैसी सामाजिक बुराई पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है।

कार्यक्रम में ओम शंकर, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, किशनगंज सहित अन्य न्यायिक पदाधिकारी, व्यवहार न्यायालय एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार के कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए अपनी सक्रिय सहभागिता निभाने का संकल्प व्यक्त किया।

पटना के फतुहा-खुसरूपुर सीमा पर युवक को मारी गोली

जख्मी हालत में 5 किमी बाइक चलाकर पुलिस तक पहुंचा पीड़ित

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ फतुहा और खुसरूपुर थाना क्षेत्र की सीमा पर स्थित बंजारा होटल के समीप बेखौफ अपराधियों ने दिनदहाड़े एक युवक को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। वारदात के बाद हमलावर मौके से फरार होने में सफल रहे। घायल की पहचान नालंदा जिले के इस्लामपुर निवासी विकास कुमार उर्फ सिकंदर (27) के रूप में हुई है। घटना के संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार, विकास किसी काम से बाइक से जा रहा था, तभी तीन अज्ञात बदमाशों ने उसे घेर लिया और फायरिंग कर दी। गोली लगने के बावजूद विकास ने अदम्य साहस का परिचय दिया। वह खून से लथपथ होने के बावजूद अपनी बाइक पर सवार होकर करीब पांच किलोमीटर तक चला और अंततः पुलिस वाहन के पास जा पहुंचा। युवक की हालत देखकर

पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाई और उसे तुरंत फतुहा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) पहुंचाया।सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकों ने विकास का प्राथमिक उपचार किया, लेकिन शरीर में गोली धंसी होने और स्थिति नाजुक होने के कारण उसे बेहतर इलाज के लिए पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल (PMCH) रेफर कर दिया गया। फिलहाल पीएमसीएच में उसका इलाज चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाए। प्रारंभिक जांच और स्थानीय लोगों की चचाओं के अनुसार, मामला जमीन विवाद से जुड़ा होने की आशंका जताई जा रही है। फतुहा पुलिस के अनुसार, घायल के बयान के आधार पर अज्ञात अपराधियों के हुलिए की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हमलावरों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी तेज कर दी गई है। जल्द ही मामले का खुलासा कर आरोपियों को सलाखों के पीछे भेजा जाएगा। इस दुस्साहसिक वारदात से क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

पटना में उड़ाही और नाला निर्माण की मांग पर एनएच-83 तीन घंटे जाम

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ फुलवारी शरीफ प्रखंड के कुरथौल पंचायत में पईन की उड़ाही और आरसीसी नाला निर्माण की लंबित मांग को लेकर रविवार को ग्रामीणों का आक्रोश सड़क पर उतर आया। समाजसेवी भाई दिलीप पटेल और शिव जी यादव के नेतृत्व में सैकड़ों ग्रामीणों ने एनएच-83 को तीन घंटे तक जाम रखा, जिससे वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और आवागमन पूरी तरह ठप रहा।प्रदर्शन से पूर्व ग्रामीणों ने कुरथौल से सिपारा होते हुए दरियापुर तक एक विशाल आक्रोश मार्च निकाला। इसके बाद एनएच-83 पर आमसभा आयोजित कर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की गई। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि पिछले एक दशक से वे पईन की सफाई और पक्के नाले के निर्माण की गुहार लगा रहे हैं, लेकिन अधिकारियों की उदासीनता के कारण समस्या जस की तस बनी हुई है। समाजसेवी भाई दिलीप पटेल ने

आरोप लगाया कि लघु जल संसाधन विभाग को कई बार आवेदन देने के बावजूद कोई ठोस पहल नहीं की गई। शिव जी यादव ने बताया कि पईन की सफाई न होने के कारण कुरथौलझ्रदरियापुर सड़क की स्थिति दयनीय हो गई है। बरसात में जलजमाव के कारण राहगीरों का चलना दूभर हो जाता है। ग्रामीणों ने यह भी स्पष्ट किया कि पटना के जिलाधिकारी द्वारा 9 मई 2026 को सचिव, लघु जल संसाधन विभाग को पत्र लिखे जाने के बावजूद कार्य शुरू नहीं हुआ है।प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि मानसून से पहले निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ, तो एनएच-83 को अनिश्चितकाल के लिए जाम कर दिया जाएगा। इस मौके पर बसंत कुमार सिन्हा, बैजनाथ गुप्ता, रमेश कुमार दास सहित कई अन्य वक्ताओं ने अपनी बात रखी। अंततः, फुलवारी शरीफ अंचलाधिकारी द्वारा पईन की उड़ाही जल्द शुरू कराने का आश्वासन दिए जाने के बाद ग्रामीणों ने जाम हटाया। इस प्रदर्शन के कारण यातायात के बाधित रहने से यात्रियों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा।

आदित्यपुर में 01 जून को निशुल्क अस्थमा शिविर का होगा आयोजन, आस पास के क्षेत्र के मरीज उठाएंगे लाभ

अभय कुमार मिश्रा,समाज जागरण, ब्यूरो चीफ

सरायकेला खरसावां (झारखंड) 31 मई 2026: सरायकेला खरसावां जिला अंतर्गत आदित्यपुर कॉलोनी रोड नंबर चार में एक निशुल्क अस्थमा, सांस एवं एलर्जी जांच शिविर का आयोजन शाम के पांच बजे से लेकर आठ बजे तक किया जाएगा । शिविर में अधिक से अधिक मरीजों स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठा सकते है। कुणाल रिलीफ सेंटर के परिसर में आयोजित इस

शिविर में मरीजों को उच्च स्तरीय फेफड़ों की जांच, शुगर, बीपी, रक्त जांच, विशेषज्ञ परामर्श और निशुल्क दवाइयां प्रदान की जाएगी।

डॉक्टर केतन वर्मा के तत्वावधान में हर महीने शिविर का होने जा रहा है आयोजन।

डॉ. केतन वर्मा ने मरीजों को बिना जांच इलाज कराने के खतरों के प्रति जागरूक करेंगे और साथ ही सही परामर्श भी देंगे। डॉक्टर वर्मा ने बताया कि ये अस्थमा की मुफ्त जांच हर महीने के पहले और आखिरी सोमवार को तकनीशियन विकाश कुमार के साथ आयोजन किया जाएगा। जिससे जरूरतमंद मरीजों को कभी मदद मिलेगी।

पटना में गंगा की लहरों पर गूंजा 'लायनोत्सव'

सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सराबोर हुए लायंस सदस्य

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ राजधानी पटना में गंगा नदी के शांत जल पर संचालित क्रूज पर लायंस क्लब्स इंटरनेशनल, जिला 322ए द्वारा आयोजित वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव 'लायनोत्सव' का भव्य आयोजन किया गया। इस अनूठे आयोजन में बिहार के विभिन्न जिलों से आए 300 से अधिक लायंस सदस्यों ने भाग लिया, जिससे गंगा तट का माहौल पूरी तरह उत्सवमय हो गया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन बिहार की सुप्रसिद्ध लोक गायिका और विधायिका मैथिली ठाकुर ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उनके आगमन से कार्यक्रम में नई ऊर्जा का संचार हुआ। इस अवसर पर राजद के राष्ट्रीय प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी सहित लायंस क्लब के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। महोत्सव के दौरान गंगा की लहरों के बीच गीत, संगीत, नृत्य और वादन की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं, जिसने उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रंगारंग छटा बिखेरते हुए कलाकारों

ने समां बांध दिया, जिसे देखकर दर्शक झूम उठे और तालियों की गड़गड़ाहट के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन प्रदीप खेतान ने अपने स्वागत संबोधन में सभी सदस्यों का अभिनंदन किया। उन्होंने संगठन की एकजुटता पर जोर देते हुए सेवा कार्यों को और अधिक मजबूती प्रदान करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के चेयरपर्सन डॉ. सुशील कुमार वर्मा ने आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए पूरी आयोजन समिति के अथक प्रयासों की सराहना की। इस यादगार आयोजन में डॉ. अमूल्य, डॉ. राजेश गोस्वामी, पूर्व जिलापाल आर.आर. सहाय, मधुसूदन जी और डॉ. शैलेष सहित अनेक प्रमुख हस्तियों ने शिरकत की। आयोजन को सफल बनाने में संजय अवस्थी, रचना खेतान, अंशु अवस्थी, किशन बाजोरिया और रंजोय रॉय की भूमिका सराहनीय रही। 'लायनोत्सव' केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसने लायंस सदस्यों, उनके परिवारों और आमंत्रित अतिथियों को एक मंच पर लाकर सांस्कृतिक सौहार्द और आपसी संवाद का अवसर प्रदान किया। देर शाम तक चले इस कार्यक्रम का समापन उल्लास और सकारात्मक ऊर्जा के साथ हुआ, जो उपस्थित सदस्यों के लिए एक यादगार अनुभव बन गया।

नबीनगर: नगर पंचायत की सशक्त स्थायी समिति का चुनाव संपन्न

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार) रविवार को प्रखंड मुख्यालय में सशक्त स्थायी समिति का चुनाव शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। चुनाव में वार्ड पार्षदों ने सर्वसम्मति से तीन सदस्यों पर अपना विश्वास जताया। नगर के चहुंमुखी विकास एवं जनहित के कार्यों को गति देने के लिए वार्ड पार्षदों ने एक बार फिर से अजय प्रसाद, रितेश कुमार उर्फ मुरारी सिंह एवं मंजूषा सिंह को सशक्त स्थायी समिति का सदस्य चुना। तीनों सदस्यों को पूर्व में भी समिति में कार्य करने का अनुभव है।चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद नगर पंचायत की अध्यक्षा प्रियंका सिंह ने नवनिर्वाचित समिति के तीनों सदस्यों को माला पहनाकर स्वागत

किया। उन्होंने सभी को बधाई देते हुए उज्ज्वल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। प्रियंका सिंह ने कहा कि सशक्त स्थायी समिति नगर पंचायत का सबसे महत्वपूर्ण अंग है। नगर के विकास कार्यों की योजनाएं, टेंडर पास करना और बजट पर मुहर लगाना इसी समिति का काम है। उन्होंने उम्मीद जताई कि नई समिति जनहित के फैसले लेगी और विकास कार्यों में तेजी लाएगी।इस मौके पर नवनिर्वाचित सदस्यों ने कहा कि पार्षदों ने जो भरोसा जताया है, उस पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे और समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने की बात कही। वहीं नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि बिपिन सिंह ने नवनिर्वाचित स्थाई समिति के सदस्यों को पुनः चुने जाने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दिया है।

पटना के पेंट दुकान और गोदाम में लगी भीषण आग

लाखों का सामान राख, दो घंटे की मशक्कत के बाद पाया काबू

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ पटना-खगौल-फुलवारी शरीफ मुख्य मार्ग पर रविवार की दोपहर एक पेंट दुकान और उसके गोदाम में लगी भीषण आग ने इलाके में अफरा-तफरी मचा दी। शॉर्ट सर्किट से लगी आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और गोदाम में रखा पेंट व अन्य कीमती सामान जलकर राख हो गया। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और आसपास के दुकानदार आग बुझाने के लिए दौड़ पड़े। आग की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि गोदाम से निकलती ऊंची लपटों ने आसपास के क्षेत्र में दहशत फैला दी। तत्काल दमकल विभाग को सूचित किया गया। दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और करीब दो घंटे की कड़ी

मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह नियंत्रण पाया। दमकल कर्मियों की तत्परता के कारण आग को आसपास की अन्य दुकानों और मकानों तक फैलने से रोक लिया गया, जिससे एक बड़ी त्रासदी टल गई। दुकान संचालक ने बताया कि आग की लपटों ने गोदाम में रखा सारा स्टॉक स्वाहा कर दिया। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, इस अग्निकांड में दो लाख रुपये से अधिक की संपत्ति का नुकसान हुआ है। नुकसान का सटीक आकलन अभी किया जा रहा है। घटना के दौरान मुख्य मार्ग पर दमकल वाहनों और भारी भीड़ के कारण यातायात काफी देर तक बाधित रहा। स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मोर्चा संभाला और यातायात को नियंत्रित कर स्थिति सामान्य कराई। पुलिस आग के सही कारणों की जांच कर रही है और प्रथम दृष्टया शॉर्ट सर्किट को ही घटना का मुख्य कारण माना जा रहा है। घटना के बाद से क्षेत्र के व्यापारियों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता देखी जा रही है।

घर-घर पहुंच रही कृत्रिम गभार्धान सेवा, पशुपालकों को मिल रहा सीधा लाभ

पंकज कुमार पाठक, दैनिक समाज जागरण

पदमा- पशुपालन को आधुनिक और लाभकारी बनाने की दिशा में कृत्रिम गभार्धान कर्मी (ए आई) ललन कुमार (लालू यादव) सराहनीय कार्य कर रहे हैं। झारखंड स्टेट इम्प्लॉयिंग एजेंसी फॉर कैटल एंड बफेलो डेवलपमेंट। जेएसआईएसीबीडी) से प्रशिक्षित ललन कुमार पदमा प्रखंड के विभिन्न गांवों में घर-घर जाकर कृत्रिम गभार्धान की सुविधा उपलब्ध करा रहे हैं। अब तक वे 400 से अधिक गाय एवं भैंसों का सफल कृत्रिम गभार्धान कर चुके हैं, जिससे

उच्च नस्ल के पशुओं की संख्या बढ़ी है और दुग्ध उत्पादन में भी वृद्धि हुई है। 35 से अधिक गांवों में उनकी सेवाओं का लाभ 300 से ज्यादा पशुपालकों को मिल रहा है। कृत्रिम गभार्धान के साथ-साथ वे पशुपालकों को पशु स्वास्थ्य, संतुलित आहार, टीकाकरण एवं वैज्ञानिक पशुपालन की जानकारी भी दे रहे हैं। ग्रामीणों का मानना है कि उनकी पहल से पशुपालन व्यवसाय को नई दिशा मिली है और किसानों की आमदनी बढ़ाने में मदद मिल रही है।

एम्स पटना में हाई-लेवल मॉक ड्रिल

इबोला जैसी स्वास्थ्य आपदाओं से निपटने की परखी गई तैयारी

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ किसी भी संभावित स्वास्थ्य आपातस्थिति से निपटने के लिए एम्स पटना पूरी तरह तैयार है। रविवार को संस्थान में इबोला वायरस रोग पर आधारित एक व्यापक मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य संक्रामक बीमारियों के प्रति अस्पताल की तैयारियों और चिकित्सा टीमों की त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता का परीक्षण करना था। एम्स के कार्यकारी निदेशक प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल के मार्गदर्शन और चिकित्सा अधीक्षक

प्रो. डॉ. प्रशांत कुमार सिंह की उपस्थिति में आयोजित इस अभ्यास में विभिन्न विभागों के चिकित्सक, माइक्रोबायोलॉजिस्ट, नर्सिंग अधिकारी और प्रशासनिक विशेषज्ञों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

मॉक ड्रिल का दृश्य एक काल्पनिक इबोला संदिग्ध मरीज के अस्पताल पहुंचने से शुरू हुआ। स्क्रीनिंग के दौरान मरीज की पहचान होते ही उसे निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन करते हुए सुरक्षित तरीके से आइसोलेशन वार्ड में स्थानांतरित किया गया। इस दौरान स्वास्थ्य कर्मियों ने व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) के उपयोग, संक्रमण नियंत्रण और जैव सुरक्षा मानकों के सख्त अनुपालन का प्रदर्शन किया। इस अभ्यास में आपातकालीन विभाग, क्रिटिकल केयर यूनिट और एम्बुलेंस सेवाओं सहित कई विभागों के बीच बेहतरीन तालमेल देखने को मिला। ड्रिल का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा संदिग्ध मरीज के नमूनों को ट्रिपल लेयर पैकेजिंग के साथ सुरक्षित रूप से नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी, पुणे भेजने की प्रक्रिया का अभ्यास था। प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल ने कहा कि वैश्विक स्तर पर उभरती संक्रामक बीमारियों के दौर में स्वास्थ्य संस्थानों की निरंतर तैयारी अनिवार्य है। वहीं, चिकित्सा अधीक्षक प्रो. डॉ. प्रशांत कुमार सिंह ने कहा कि ऐसे नियमित अभ्यास आपातकालीन स्थितियों में मरीजों और स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस सफल मॉक ड्रिल ने यह स्पष्ट कर दिया है कि एम्स पटना किसी भी सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट का सामना करने के लिए पूरी तरह सक्षम और सतर्क है। विशेषज्ञों का मानना है कि भविष्य में किसी भी संभावित महामारी से निपटने के लिए इस प्रकार के अभ्यास मील का पत्थर साबित होंगे।

पटना के परसा बाजार में विवाहिता की संदिग्ध मौत

हत्या या आत्महत्या की गुत्थी सुलझाने में जुटी पुलिस

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ परसा बाजार थाना क्षेत्र के लालू पथ इलाके में दो मासूम बच्चों की मां की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी है। मृतका की पहचान सुधीर कुमार की पत्नी राबड़ी देवी (मूल निवासी, रुकनपुर) के रूप में हुई है। इस घटना ने एक ओर जहां परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है, वहीं दूसरी ओर हत्या और आत्महत्या के दावों के बीच मामला उलझ गया है।सूचना मिलते ही परसा बाजार पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार, शव घर के अंदर पलंग पर पड़ा मिला। घटनास्थल पर आत्महत्या से संबंधित कोई भी साक्ष्य, जैसे कि रस्सी या दुपट्टा, नहीं पाया गया है। साक्ष्यों की कमी और ससुराल पक्ष की संदिग्ध गतिविधियों के कारण पुलिस मामले को बेहद गंभीरता से ले रही है। मृतका के पिता उमा राय ने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाते हुए हत्या की आशंका जताई है। वहीं, ससुराल पक्ष ने इसे आत्महत्या करार दिया है। दोनों पक्षों के विरोधाभासी बयानों ने पुलिस के लिए चुनौती बढ़ा दी है। स्थानीय लोगों के अनुसार, घटना के बाद ससुराल पक्ष के अधिकांश सदस्य घर से फरार हो गए हैं, जिससे संदेह और गहरा गया है। पुलिस अब इन फरार लोगों की तलाश कर रही है। थाना अध्यक्ष मेनका रानी ने बताया कि इस मामले की वैज्ञानिक तरीके से जांच के लिए फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटरी (FSL) की टीम को बुलाया गया है। एफएसएल टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि मृतका के परिजनों द्वारा लगाए गए आरोपों की पूरी गहराई से जांच की जाएगी। राबड़ी देवी अपने पीछे दो छोटे बच्चों को छोड़ गई हैं, जिनमें दो वर्ष का पुत्र और छह माह की दुधमुंही बेटी है। मां की मौत के बाद से दोनों मासूमों का रो-रोकर बुरा हाल है। फिलहाल, पुलिस अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट और एफएसएल जांच के नतीजों का इंतजार कर रही है, जिसके बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

नबीनगर: अलग-अलग थाना क्षेत्रों से दो वारंटी गिरफ्तार

दैनिक समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार) पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर नबीनगर प्रखंड के दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों से दो वारंटियों को गिरफ्तार किया है। दोनों पर न्यायालय से गैर-जमानती और डी डब्लू वारंट जारी था।नबीनगर थाना की

पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए थाना क्षेत्र के कोइरीडीह गांव में छापेमारी की। वहां से एक गैर-जमानती वारंटी अनूप ठाकुर को गिरफ्तार कर लिया गया। थानाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार उपाध्याय ने बताया कि अनूप ठाकुर के खिलाफ न्यायालय से वारंट निर्गत था और वह लंबे समय से फरार चल रहा था। वहीं नरारी कला खुर्द थाना की पुलिस ने बेनी बीघा गांव निवासी सुनील सिंह को गिरफ्तार किया। सुनील सिंह के खिलाफ डी डब्लू यानी डिटेंशन वारंट जारी था। पुलिस ने उसे उसके घर से दबोच लिये।दोनों थाना की पुलिस ने गिरफ्तार वारंटियों को यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि फरार वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। न्यायालय से वारंट जारी होने के बाद भी हाजिर नहीं होने वाले आरोपियों को बख्शा नहीं जाएगा।

जमशेदपुर पश्चिम की जनसमस्याओं को लेकर बन्ना गुप्ता ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से की मुलाकात

समाज जागरण
चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ)

रांची स्थित मुख्यमंत्री आवास में झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता बन्ना गुप्ता ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से शिष्टाचार मुलाकात कर जमशेदपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं और विकास कार्यों से जुड़े अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं की स्थिति, नागरिक समस्याओं तथा लंबित विकास योजनाओं को लेकर मुख्यमंत्री का ध्यान आकृष्ट कराया गया।

मुलाकात के दौरान बन्ना गुप्ता ने विशेष रूप से जमशेदपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मानगो, उलीडीह, जवाहरनगर तथा आसपास के इलाकों में सड़क, पेयजल, स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा, यातायात और शहरी आधारभूत संरचना से संबंधित समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि लगातार बढ़ती आबादी के कारण क्षेत्र में नागरिक सुविधाओं पर दबाव बढ़ा है, जिसके चलते लोगों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री से इन समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु आवश्यक पहल करने का आग्रह किया।

पूर्व मंत्री ने कहा कि मानगो एवं जमशेदपुर पश्चिम क्षेत्र में कई विकास योजनाएं लंबे समय से लंबित हैं, जिनके पूरा होने से आम नागरिकों को राहत मिलेगी। उन्होंने क्षेत्र में सड़क चौड़ीकरण, जलापूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने, नालों की सफाई, यातायात व्यवस्था में सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और शिक्षा

व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता बताई। इसके साथ ही उन्होंने शहरी क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाने तथा नागरिक सुविधाओं के विस्तार के लिए विशेष योजनाएं शुरू करने की मांग भी रखी।

बन्ना गुप्ता ने मुख्यमंत्री को बताया कि गर्मी के मौसम में कई इलाकों में पेयजल संकट की स्थिति उत्पन्न हो जाती है, जिससे लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने पेयजल योजनाओं को तेजी से पूरा कराने और नई जलापूर्ति परियोजनाओं को स्वीकृति देने की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही क्षेत्र में जर्जर सड़कों और जलजमाव की समस्या को भी गंभीर बताते हुए शीघ्र समाधान की मांग की।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पूर्व मंत्री द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जनहित के मुद्दों के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और शहरी क्षेत्रों में नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जमशेदपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के विकास एवं वहां की आधारभूत संरचना को मजबूत करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे तथा जनता की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य सभी क्षेत्रों का संतुलित विकास करना है ताकि लोगों को बेहतर जीवन सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने संबंधित विभागों को विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए कार्यों में तेजी लाने का निर्देश देने की बात कही।